@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 5 अप्रैल 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 150 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी ने की महिला आरक्षण पर आम सहमति की अपील

• 2029 चुनाव में लागू होने का दिया भरोसा

एजेंसी
तिरुवल्ला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को तिरुवल्ला में आयोजित एक विशाल एनडीए रैली को संबोधित करते हुए महिला सशक्तिकरण को अपनी सरकार की प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण बिल के तहत संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का लक्ष्य तय है और यह 2029 के लोकसभा चुनाव तक लागू हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने जानकारी दी कि संसद में इस बिल पर 16 से 18 अप्रैल के बीच चर्चा होगी और उन्होंने सभी दलों से इस पर सर्वसम्मति बनाने की अपील की। उन्होंने विपक्ष से रचनात्मक सहयोग करने का आग्रह भी किया। सीटों के परिसीमन (डिलिमिटेशन) को लेकर उठ रही आशंकाओं को खारिज करते हुए पीएम मोदी ने स्पष्ट कहा कि केरलम और तमिलनाडु की एक भी लोकसभा सीट कम नहीं की जाएगी। उन्होंने इसे अफवाह बताते हुए कहा कि लोगों में भ्रम फैलाने की कोशिश की जा रही है।

'हिंदी थोपने' के एमके स्टालिन के आरोप निराधारः प्रधान

• 'बहुभाषावाद किसी भाषा को कमजोर नहीं करता, बल्कि उसे मजबूत बनाता है'

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्वारा नई शिक्षा नीति को लेकर लगाए गए 'हिंदी थोपने' के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह राजनीतिक विफलताओं को छिपाने का प्रयास है। प्रधान ने शनिवार को एक्स पोस्ट में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भाषाई स्वतंत्रता को बढ़ावा देती है और मातृभाषा में शिक्षा को प्राथमिकता देती है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीति को 'अनिवार्य हिंदी' के रूप में पेश कर युवाओं के बहुभाषी बनने के अवसरों को बाधित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बहुभाषावाद किसी भाषा को कमजोर नहीं करता, बल्कि उसे मजबूत बनाता है। केंद्र सरकार सभी भारतीय भाषाओं को समान रूप से बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और विभिन्न योजनाओं एवं ढांचों के माध्यम से इसे लागू किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने पीएम-श्री स्कूलों की स्थापना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर नहीं किए, जबकि पहले सहमति दी गई थी। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद नवोदय विद्यालयों की स्थापना में भी बाधाएं डाली जा रही हैं, जिससे गरीब और वंचित छात्रों को नुकसान हो रहा है।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार शिक्षा के क्षेत्र में वित्तीय सहायता और शिक्षक प्रशिक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, लेकिन राज्य सरकार की राजनीति के कारण प्रगति बाधित हो रही है। उन्होंने 'हिंदी थोपने' के मुद्दे को भ्रामक बताते हुए इसे अनावश्यक भ्रम फैलाने की कोशिश करार दिया।

मालदा में ममता बनर्जी के हेलीकॉप्टर के पास दिखा ड्रोन, मुख्यमंत्री ने दिए जांच के निर्देश

एजेंसी
कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के हेलीकॉप्टर के पास शनिवार दोपहर एक संदिग्ध ड्रोन देखे जाने से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है। मुख्यमंत्री ने इस घटना की तत्काल जांच के निर्देश दिए हैं। यह घटना मालदा जिले के मालतीपुर में उस समय हुई जब ममता बनर्जी अपनी जनसभा को संबोधित करने के बाद हेलीकॉप्टर में सवार होने जा रही थीं। शनिवार को उनकी यह दूसरी जनसभा थी। इससे पहले उन्होंने मानिकचक में सभा की थी और इसके बाद उन्हें गाजोल में तीसरी जनसभा के लिए जाना था। जैसे ही वह हेलीपैड पर हेलीकॉप्टर की ओर बढ़ीं, उसी दौरान एक ड्रोन उसके सामने मंडराता हुआ दिखाई दिया। इसे देखते ही मुख्यमंत्री कुछ देर के लिए रुक गईं और मंच से ही पुलिस को मामले पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस मामले पर पुलिस को सतर्क रहना चाहिए और इसके पीछे जिम्मेदार लोगों की पहचान की जानी चाहिए।

राघव चड्ढा का पलटवार-संसद में जनता के मुद्दे उठाने गया, हंगामा करने नहीं

• 'मेरे खिलाफ एक अभियान चलाया जा रहा है'

एजेंसी
नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) का अंदरूनी तनाव थमने का नाम नहीं ले रहा है। राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने पार्टी नेताओं द्वारा उनपर लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि वह संसद में प्रभावी ढंग से जनता के मुद्दे उठाने गए हैं न कि हंगामा करने। राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर वीडियो जारी कर कहा कि उनके खिलाफ एक अभियान चलाया जा रहा है। एक जैसी भाषा, एक जैसे आरोप। उनके खिलाफ एक सुनियोजित अभियान चलाया जा रहा है, जो एक संगठित हमला है। आम आदमी पार्टी ने उन पर तीन आरोप लगाए हैं। पहला आरोप यह कि जब विपक्ष संसद से वॉकआउट करता है तो राघव चड्ढा वहीं बैठे रहते हैं। इस पर उन्होंने कहा कि यह सरासर झूठ है। मैं चुनौती देता हूं कि एक भी उदाहरण दिखा दीजिए जब विपक्ष ने वॉकआउट किया हो और मैंने उनका साथ न दिया हो।'उन्होंने कहा कि दूसरा आरोप यह था कि उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया। यह भी सफेद झूठ है। न तो किसी नेता ने उनसे इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने को कहा, न औपचारिक रूप से, न अनौपचारिक रूप से। पार्टी के 10 राज्यसभा सदस्यों में से 6-7 ने खुद इस प्रस्ताव पर

हस्ताक्षर नहीं किए। तो दोष सिर्फ उन पर क्यों मढ़ा जा रहा है? इस प्रस्ताव के लिए कुल 50 हस्ताक्षर चाहिए थे, जो विपक्षी सांसदों की संख्या को देखते हुए आसानी से पूरे हो गए थे।' उन्होंने कहा कि तीसरा आरोप यह था कि वह डर गए हैं और बेकार मुद्दे उठाते हैं। मैं संसद में शोर मचाने, चीखने-चिल्लाने, माइक तोड़ने या गाली देने नहीं गया।

•पश्चिम एशिया संकट पर बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

'भारतीयों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध'

एजेंसी
नई दिल्ली। केरल में चुनावी बिगुल बज चुका है और इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सूबे के तिरुवल्ला में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने विपक्षी दल कांग्रेस, लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) पर जमकर प्रहार किए। पीएम ने कांग्रेस पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी सिर्फ चुनावी फायदे और मुझे गाली देने के लिए एक करोड़ प्रवासियों की जिंदगी दांव

पर लगाने को तैयार है। प्रधानमंत्री ने विरोधियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि मैं कांग्रेस और एलडीएफ-यूडीएफ के लोगों से साफ कह देना चाहता हूं कि राजनीति अपनी जगह है और चुनाव आते-जाते रहेंगे। मेरे लिए केरल के जो लाखों लोग वहां काम कर रहे हैं, उनकी सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है और मैं इसके लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं।

'सबरीमाला में हुए पाप का कांग्रेस और लेफ्ट से कनेक्शन'

प्रधानमंत्री ने केरल की संस्कृति पर हो रहे हमलों को लेकर भी विपक्ष को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि लेफ्ट और कांग्रेस के भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण का सीधा निशाना केरल की महान संस्कृति और आस्था पर है। उन्होंने कहा कि पहले इन लोगों ने सबरीमाला तीर्थ को बदनाम करने की साजिश रची और अब यह इनकी लूट का अड्डा बन गया है। पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि सबरीमाला में जो कुछ भी हुआ वह एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि यह चोरी एलडीएफ सरकार में हुई और इसके तार कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से जुड़े पाए गए हैं। यही वजह है कि एलडीएफ सरकार इस पूरे मामले की जांच सीबीआई को नहीं सौंप रही है।

'कांग्रेस चाहती है कि खाड़ी देश भारत को अपना दुश्मन समझें'

'प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की मंशा बेहद खतरनाक है। वे चाहते हैं कि पश्चिम एशिया के देश भारत को अपना दुश्मन समझ लें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि हम यहां कोई ऐसी गलती कर दें या कोई ऐसा बयान दे दें, जिससे खाड़ी देशों में रह रहे हमारे भारतीय भाई-बहनों पर बड़ी मुसीबत आ जाए। पीएम मोदी ने सीधे तौर पर कहा कि कांग्रेस जानबूझकर खाड़ी देशों को नाराज करने वाले बयान दे रही है, जिससे देश में डर का माहौल बने और उन्हें केंद्र सरकार को कोसने का मौका मिल सके।

असम में एनडीए की प्रचंड जीत का दावा

नवीन का विपक्ष पर हमला

•दस वर्षों में एनडीए सरकार ने असम में विकास और विरासत दोनों को आगे बढ़ाने का कार्य किया है :राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन

एजेंसी
श्रीभूमि। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को असम के श्रीभूमि में आयोजित जनसभा में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की जीत का दावा किया और विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में यह देखा गया कि न यहां की रोटी के प्रति कोई सुरक्षा थी, लोग रोटी के लिए दर-दर भटकते थे, परेशान रहते थे और रोजगार के लिए भागते फिरते थे। न यहां की बेटी सुरक्षित थी और न ही यहां की माटी सुरक्षित थी जबकि तुष्टिकरण की राजनीति सिर

चढ़कर बोल रही थी। वह दौर भी देखा गया जब यहां घुसपैठियों के प्रति चिंता जताई गई, लेकिन असम के लोगों की चिंता नहीं की गई और इसी कारण असम की जनता ने उन्हें इसका दंड भी दिया। नितिन नवीन ने कहा कि दस वर्षों में एनडीए सरकार ने असम में विकास और विरासत दोनों को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। कभी असम और बराक वैली इलाके को वोट बैंक की राजनीति के कारण अपराध का गढ़ बना दिया गया था। वर्ष 2010 से 2012 के बीच जब मैं बराक वैली इलाके में आया था और उस समय पार्टी में युवा मोर्चा का कार्य कर रहा था, तब यहां अशांति का वातावरण था। लोग सड़कों की समस्या से परेशान रहते थे और गुवाहाटी से बराक वैली तक आने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

केरल चुनावः जेपी नड्डा का रोड शो

•राजग उम्मीदवारों के लिए मांगा समर्थन

एजेंसी
नेय्याट्टिनकारा। केरल विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की तारीख नजदीक आते ही राजनीतिक दलों ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में शनिवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की तरफ से नेय्याट्टिनकारा विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा के नेतृत्व में रोड शो आयोजित किया गया। रोड शो के बाद अपने संबोधन में नड्डा ने राज्य की सत्ताधारी वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार पर हमला बोला और विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा, 'एलडीएफ और यूडीएफ भ्रष्टाचार के एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।' जेपी नड्डा ने हालिया सबरीमाला मंदिर में सोने की चोरी विवाद का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि इसमें उच्च स्तर की साजिश है। नड्डा ने

कहा कि पिछले कई वर्षों से राज्य की संपत्तियों का दुरुपयोग हुआ है और राजग सरकार बनने पर भ्रष्टाचार में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। राज्य की आर्थिक स्थिति पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि केरल कर्ज के दलदल में फंसा हुआ है और भाजपा का विकास-प्रथम मॉडल ही इसे बदहाली से निकाल सकता है। इससे पहले भाजपा के वरिष्ठ नेता के करीब डेढ़ किलोमीटर लंबे रोड शो में समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ देखी गई। ढोल-नगाड़ों, भगवा झंडों और नारों के बीच यह रोड शो शहर के विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए नेय्याट्टिनकारा बस स्टैंड तक पहुंचा, जहां इसका समापन हुआ। इस दौरान मतदाताओं से राजग उम्मीदवार चेंकल राजशेखरन नायर के लिए समर्थन मांगा गया। नड्डा ने अपने दो दिवसीय केरल दौरे के पहले दिन शुक्रवार को श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की और वट्टियूरकावु व तिरुवनंतपुरम शहर में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। इसके अलावा अटिंगल और पेरूकाडा में जनसभाओं को संबोधित कर पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन की अपील की।

बिहार में ही गौतम बुद्ध और महात्मा गांधी ने ज्ञान प्राप्त कर अपने जीवन का उद्देश्य पाया : उपराष्ट्रपति

'बिहार की धरती पर ही बौद्ध धर्म, जैन धर्म और समाजवादी विचारधारा ने आकार लिया'

'बिहार ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण जैसे दूरदर्शी नेता दिए हैं : सीपी राधाकृष्णन

एजेंसी
मोतिहारी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने छात्रों, शिक्षकों और विद्वानों को संबोधित करते हुए बिहार की ऐतिहासिक और वैचारिक विरासत की सराहना की। उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह भूमि 'महान विचारों की धरती' है, जहां गौतम बुद्ध और महात्मा गांधी जैसी महान हस्तियों ने ज्ञान प्राप्त कर अपने जीवन का उद्देश्य तय किया। उन्होंने कहा कि बिहार की धरती पर ही बौद्ध धर्म, जैन धर्म और समाजवादी विचारधारा ने आकार लिया। उन्होंने जयप्रकाश नारायण का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने देश की नैतिक और राजनीतिक चेतना को नई दिशा दी। साथ ही उन्होंने अपने युवावस्था के दिनों को याद करते हुए 1974 की क्रांति में

अपनी भागीदारी का भी जिक्र किया।

सीपी राधाकृष्णन ने कहा, 'बिहार ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण जैसे दूरदर्शी नेता दिए हैं, जिन्होंने भारत की नैतिक और राजनीतिक चेतना को आकार दिया। मैं खुद, जब 18 या 19 साल का था, तो कोयंबटूर के जिला महासचिव के तौर पर 1974 की क्रांति का हिस्सा बना।' उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने असाधारण विकास किया है। छात्रों से उन्होंने राष्ट्रवाद को अपनाने और एक स्वस्थ, मजबूत तथा नैतिक समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया, जो किसी भी अनैतिक चीज़ को स्वीकार न करे।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए कहा कि यहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस जैसे आधुनिक क्षेत्रों में हो रहे नवाचारों को देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक भी है। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों के योगदान की भी सराहना की।

ईसीआई नेट प्लेटफॉर्म से जानें उम्मीदवारों की शिक्षा और आपराधिक पृष्ठभूमि : चुनाव आयोग

• नौ अप्रैल को होने वाले मतदान के लिए असम, केरल और पुडुचेरी में कुल 1,955 उम्मीदवार मैदान में हैं।

एजेंसी
नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने नागरिकों से अपील की है कि वे 2026 के आम और उप चुनावों के दौरान उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता, आपराधिक मामले और संपत्ति संबंधी जानकारी जानने के लिए ईसीआई नेट प्लेटफॉर्म का उपयोग करें। चुनाव आयोग के अनुसार 15 मार्च को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के आम चुनाव तथा गोवा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, नगालैंड और त्रिपुरा की 8 सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की गई थी। नौ अप्रैल को होने वाले मतदान के लिए असम, केरल और पुडुचेरी में कुल 1,955 उम्मीदवार मैदान में हैं। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल (चरण-1) के लिए नामांकन वापसी की अंतिम तिथि 9 अप्रैल है, जबकि पश्चिम बंगाल (चरण-2) के लिए यह तिथि 13 अप्रैल निर्धारित की गई है। मतदाता ईसीआई नेट के 'अपने उम्मीदवारों को जानें (केवाईसी)' मॉड्यूल के जरिए उम्मीदवारों के

खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों, उनकी संपत्ति और देनदारियों, शैक्षणिक योग्यता और आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा उम्मीदवारों द्वारा जमा कराया गया पूरा हलफनामा (फॉर्म-26) भी डाउनलोड किया जा सकता है।

टीएमसी का मतलब टेरर, मर्डर और क्राइम' : अनुराग सिंह ठाकुर

•मुख्यमंत्री जांच एजेंसियों के काम में बाधा डाल रही है :ठाकुर

एजेंसी
सिलीगुड़ी। भाजपा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने शनिवार को बागडोगरा एयरपोर्ट पर उतरते ही तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा हमला बोला। इस्लामपुर रवाना होने से पहले उन्होंने कहा कि टीएमसी का मतलब टेरर, मर्डर और क्राइम है।उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में भ्रष्टाचार, शोषण और माफियागिरी चरम पर है। ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए ठाकुर ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में राज्य में भ्रष्टाचार और महिलाओं पर अत्याचार बढ़ा है, जबकि युवाओं की स्थिति भी चिंताजनक है। मालदा की घटना को लेकर उन्होंने कहा कि यह कोई सामान्य घटना नहीं बल्कि एक बड़ा षड्यंत्र था। अधिकारियों को रोके जाने की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने राज्य की कानून-व्यवस्था

पर सवाल उठाए।

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर ठाकुर ने दावा किया कि राज्य में हजारों करोड़ के घोटाले हुए है और मंत्रियों के घरों से बड़ी मात्रा में नकदी बरामद हुई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री जांच एजेंसियों के काम में बाधा डाल रही है और चुनाव आयोग के अधिकारियों को डराने की कोशिश की जा रही है। चुनावी रणनीति पर सवाल उठाते हुए उन्होंने पूछा कि 74 विधायकों को टिकट क्यों नहीं दिया गया और 15 उम्मीदवारों की सीटें क्यों बदली गई। उनके अनुसार, यह संकेत है कि सत्तारूढ़ दल चुनाव हारने की स्थिति में है।

वैश्विक झटकों ने हमारी लचीलेपन की परीक्षा ली और भारत मजबूती से बाहर निकला : विदेश मंत्री

•भारतीय प्रबंधन संस्थान, रायपुर का 15वां वार्षिक दीक्षांत समारोह

एजेंसी
रायपुर। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा, हम अब दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं। कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि हाल के कई वैश्विक झटकों ने हमारी लचीलेपन की परीक्षा ली है और भारत उससे मजबूती से बाहर निकला है। हमने घरेलू और बाहरी दोनों चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया है। विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर शनिवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) नया रायपुर स्थित परिसर में 15वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह में विभिन्न कार्यक्रमों के 552 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई, जिनमें प्रमुख एमबीए प्रोग्राम के 314, एग्जीक्यूटिव एमबीए प्रोग्राम के 230 और 8 डॉक्टरेट शोधार्थी शामिल थे। इस अवसर पर भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने दीक्षांत भाषण दिया। दीक्षांत

समारोह को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने कहा, स्नातक होने वाले इस बैच को खुद को भाग्यशाली मानना चाहिए। क्योंकि यह उस पीढ़ी का हिस्सा है जो 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नियत है। आप एक दशक की ठोस प्रगति और विकास के लाभार्थी हैं। आपको तकनीक और सूचना तक वह पहुंच प्राप्त हुई है, जिसकी कल्पना एक पीढ़ी पहले करना भी असंभव था। यही नहीं आप वैश्वीकरण के उस युग में बड़े हुए हैं, जिसने आपको शेष विश्व के साथ बहुत गहराई से जोड़ा है। आज भारत अपनी विकास यात्रा में एक लंबी छलांग लगाने के लिए तैयार है और आपका यह समूह उन लोगों में शामिल होगा जो इस प्रयास का नेतृत्व करेंगे। आपके कौशल हमारे राष्ट्र को समृद्धि की खोज में आगे ले जाने में मदद करेंगे।

देसी शराब पीने से तीन लोगों की मौत, उपचार के दौरान तोड़ा दम, जांच के लिए चार टीम गठित

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के दौराला थाना क्षेत्र में देसी शराब पीने के बाद एक किराना कारोबारी समेत तीन लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, सरस्वती कॉलोनी निवासी बाबूराम (60), उनकी दुकान में काम करने वाले जितेंद्र (35) और अंकित उर्फ दौलत (40) ने शुक्रवार शाम कस्बे में देसी शराब के एक सरकारी ठेके से शराब खरीदी और वहीं उसका सेवन किया। उसने बताया कि शराब पीने के कुछ ही देर बाद तीनों की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें उल्टी व पेट दर्द की शिकायत होने लगी। पुलिस ने बताया कि तीनों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने जितेंद्र और अंकित को मृत घोषित कर दिया, जबकि बाबूराम ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही मेरठ जोन के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) भानु भास्कर, जिलाधिकारी डॉ. वी.के. सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडेय और जिला आबकारी अधिकारी प्रदीप कुमार मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडेय ने बताया कि प्रारंभिक जांच में शराब के जहरीले या उपयोग की अवधि समाप्त होने की पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि संबंधित पाउच की पैकेजिंग तिथि 11 फरवरी 2026 पाई गई है और उसी खेप के अन्य पैक भी बेचे गए हैं, जिनसे किसी अन्य स्थान से ऐसी शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि मौत के कारणों का पता लगाने के लिए विसरा सुरक्षित रखा जा रहा है। मामले की जांच के लिए स्वास्थ्य, फॉरेंसिक, सर्विलांस और गोपनीय शाखा की चार टीम गठित की गई हैं। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

आकाशीय बिजली गिरने से दंपती की मौत

वाराणसी (एजेंसी)। यूपी के वाराणसी जिले के सिंधोरा थाना क्षेत्र में भदेवली गांव में आकाशीय बिजली गिरने से पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पड़ोसी रामचंद्र ने बताया कि मृतक रमेश चंद्र भारती (58) जूनियर हाईस्कूल सिंधोरा में अध्यापक के पद पर कार्यरत थे। वह अपनी पत्नी चमेला देवी (56) के साथ खेत में गेहूं की फसल का बोझ बांधने गए थे। इसी दौरान अचानक मौसम खराब हो गया और तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए दोनों पास स्थित नटवा बीर बाबा मंदिर के पास एक पकड़ी के पेड़ के नीचे खड़े हो गए। तभी अचानक आकाशीय बिजली गिर गई, जिसकी चपेट में आकर दोनों गंभीर रूप से झुलस गए। घटना के बाद आसपास के लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को पास के निजी अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने उन्हें पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय अस्पताल रेफर कर दिया, जहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

केदारनाथ में बर्फबारी के बाद पूरा इलाका सफेद, भारी हिमपात के कारण अटल सुरंग बंद

नई दिल्ली(एजेंसी)। गर्मी के मौसम में देश के उत्तरी और पश्चिमी राज्यों में बारिश, ओले और बर्फबारी का दौर जारी है। केदारनाथ में शनिवार को बर्फबारी के बाद पूरा इलाका सफेद हो गया है। रोहतांग दर्रे के पास भारी हिमपात के कारण अटल सुरंग बंद की गई। उत्तर प्रदेश की कोसीकला अनाज मंडी में 10 हजार बोरियों में रखा 5 हजार क्विंटल गेहूं बारिश में भीग गया। इससे पहले राज्य में अलग-अलग जगह बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो चुकी है। इधर, लाहौल स्पीति के ऊंचे पहाड़ों पर बर्फबारी जारी है। हिमाचल की राजधानी शिमला में भी शनिवार को तेज तूफान के साथ हल्की बारिश हुई। राजस्थान में शुक्रवार को रेगिस्तानी जिले जैसलमेर-बीकानेर में जमकर ओले गिरे। अजमेर-ब्यावर में आंधी से पेड़ गिर गए और टीनशेड उड़ गए। अगले तीन दिन ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है। 5-6 अप्रैल को उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, बिहार, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में ओलावृष्टि की आशंका है। तमिलनाडु में बिजली गिर सकती है।

सोरेन को विधायक सरयू राय का सुझाव... .झारखंड में बिना बीजेपी और कांग्रेस के सरकार बनाए

रांची (एजेंसी)। झारखंड की राजनीति में एक नया मोड़ देखने को मिल सकता है। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बिना बीजेपी और कांग्रेस के सरकार बनाने का सुझाव दिया है। उनके बयान से राज्य में नए राजनीतिक समीकरण बनने की चर्चा तेज हो गई है। दरअसल विधायक राय ने कहा है कि झारखंड में ऐसी सरकार बन सकती है, जिसमें न बीजेपी की जरूरत होगी और न ही कांग्रेस पार्टी की जरुरत हो। उन्होंने मुख्यमंत्री सोरेन से कहा कि अगर वे हिम्मत दिखाएं, तब वे खुद बाहर से बिना किसी शर्त के समर्थन देने को तैयार हैं। विधायक राय ने विधानसभा का गणित भी समझाया। उन्होंने बताया कि झारखंड विधानसभा में बहुमत के लिए 41 विधायकों की जरूरत होती है। जेएमएम के पास 34 विधायक हैं। आरजेडी के 4 विधायक। भाकपा माले के 2 विधायक और जयराम महतो का 1 वोट है। इन सभी को मिलाकर कुल संख्या 41 हो जाती है, इससे झारखंड में सरकार आसानी से बनाई जा सकती है। राय का कहना है कि इस स्थिति में कांग्रेस या बीजेपी के समर्थन की कोई जरूरत नहीं। उन्होंने कांग्रेस और जेएमएम के बीच बढ़ते तनाव को भी इस स्थिति की वजह बताया। उनके अनुसार, बिहार और असम चुनाव में कांग्रेस ने जेएमएम को सही हिस्सेदारी नहीं दी, जिससे दोनों पार्टियों के रिश्तों में खटास आई है। सरयू राय ने कहा कि चुनाव के समय पार्टियां एक-दूसरे के खिलाफ बोलती हैं और बाद में साथ आ जाती हैं, जिससे जनता के बीच उनकी विश्वसनीयता कम होती है। उन्होंने संकेत दिया कि असम चुनाव के नतीजों के बाद झारखंड की राजनीति में बड़े बदलाव हो सकते हैं और नए राजनीतिक विकल्प सामने आ सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने एक झटके में निपटा दिए 61 मुकदमे, 32 साल बाद दंपती को मिला तलाक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने न्याय की एक मिसाल पेश करते हुए तीन दशकों से चल रहे एक लंबे कानूनी संघर्ष का अंत कर दिया है। अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत मिली अपनी विशेष शक्तियों का उपयोग करते हुए एक बुजुर्ग दंपती के बीच चल रहे मामले के साथ कुल 61 मुकदमों को एक झटके में रद्द कर दिया और उन्हें तलाक की मंजूरी दे दी। साल 1994 से चले आ रहे इस विवाद में पति और पत्नी के बीच देश की विभिन्न अदालतों में घरेलू हिंसा, संपत्ति विवाद और मानहानि जैसे दर्जनों मामले लंबित थे। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुयान की पीठ ने यह महत्वपूर्ण आदेश देते हुए स्पष्ट किया कि जब किसी वैवाहिक रिश्ते में सुधार की कोई गुंजाइश न बचे और वह पूरी तरह टूट चुका हो, तो उसे खींचने के बजाय स्थायी रूप से समाप्त करना ही न्यायसंगत है।

यह मामला मूल रूप से अवमानना याचिका के रूप में सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था, लेकिन सुनवाई के दौरान पीठ ने पाया कि दोनों पक्ष पिछले 30 वर्षों से केवल कानूनी दांव-पेंच में उलझे हुए हैं। कोर्ट ने पहले दोनों पक्षों की काउंसलिंग करवाई और उन्हें आपसी सहमति से अलग होने के लिए प्रेरित किया। लंबी बातचीत के बाद, पति अपनी पत्नी को स्थायी भरण-पोषण (एलिमनी) के रूप में एक करोड़ रुपये की एकमुश्त राशि देने पर सहमत हुआ। इसके अतिरिक्त, लोनावला स्थित एक संपत्ति में पत्नी के हिस्से के बदले 90 लाख रुपये अलग से जमा करने का निर्देश दिया गया। कोर्ट ने संपत्ति के बंटवारे और वित्तीय लेनदेन को लिखित रूप में दर्ज करने के बाद ही इस समझौते पर अपनी मुहर लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने इस ऐतिहासिक फैसले के जरिए ट्रायल कोर्ट, हाई कोर्ट और स्वयं सुप्रीम कोर्ट में लंबित सभी 61 दीवानी और आपराधिक मामलों को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया। अदालत ने यह भी साफ कर दिया कि भविष्य में किसी भी पक्ष द्वारा उन्हीं पुराने मुद्दों पर कोई नया केस दर्ज नहीं किया जा सकेगा। पीठ ने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 142 का उपयोग पूर्ण न्याय करने के लिए किया गया है ताकि पक्षकारों को कानूनी बाधाओं से मुक्त किया जा सके। दोनों पक्षों ने अदालत के समक्ष सहमति दी कि वे अब कोई कानूनी लड़ाई नहीं लड़ना चाहते हैं और भविष्य में शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत करेंगे। यह फैसला अदालतों में लंबित वर्षों पुराने मुकदमों के निपटारे के लिए एक प्रभावी मार्गदर्शक की भूमिका निभाएगा।

ममता के हेलिकॉप्टर के पास दिखा रहस्यमय ड्रोन... पुलिस और सुरक्षा एजेंसी जांच में जुटी

-उम्मीद करता हूं कि विपक्ष भी महिलाओं से जुड़े इस बिल का समर्थन करेगा

मालदा (एजेंसी)।, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के हेलिकॉप्टर के पास रहस्यमय ड्रोन दिखने से मालतीपुर इलाके में हड़कंप मच गया। इस अजीबोगरीब घटना ने ममता की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह घटना तब हुई जब ममता अपनी जनसभा को संबोधित करने के बाद हेलिकॉप्टर में सवार होने जा रही थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही सीएम ममता हेलिपैड पर हेलिकॉप्टर के पास पहुंचीं, एक ड्रोन उसके सामने मंडराता दिखाई दिया। यह देखकर ममता बनर्जी कुछ पल के लिए रुक गईं और माइक संभालते हुए पुलिस को सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, पुलिस को इस पर नजर रखनी चाहिए। इसके पीछे जो लोग हैं, उनकी पहचान की जानी चाहिए। फिलहाल ड्रोन का स्रोत और उद्देश्य स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस अधिकारियों ने भी यह पुष्टि नहीं की है कि प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में यह ड्रोन कैसे पहुंचा। घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मामले की जांच में जुट गई हैं। गौरतलब है कि हाल के दिनों में मुख्यमंत्री की हवाई यात्रा के दौरान कई बाधाएं सामने आई हैं। 26 मार्च को खराब मौसम के कारण उनका विमान समय पर कोलकाता हवाई अड्डा पर नहीं उतर पाया था और करीब 70 मिनट तक शहर के ऊपर चक्कर लगाता रहा। इस दौरान बेहाला फ्लाइंग क्लब में भी लैंडिंग की कोशिशें असफल रहीं, जिसके बाद अंततः विमान दमदम हवाई अड्डे पर उतरा। इस घटना के बाद ममता बनर्जी ने पायलटों की सराहना की थी।

ईरान से भारतीयों को निकालने में मदद के लिए भारत ने आर्मेनिया का माना आभार

-तनावपूर्ण माहौल में सैकड़ों भारतीय सीमा पार कर जमीनी रास्ते से आर्मेनिया पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने शनिवार को ईरान से अपने नागरिकों को निकालने में मदद करने के लिए आर्मेनिया का आभार माना। आर्मेनिया के रास्ते कई भारतीय मछुआरों की ईरान से सुरक्षित वापसी हुई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि आज ईरान से आर्मेनिया के रास्ते भारत में भारतीय मछुआरों को निकालने में मदद करने के लिए विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान और आर्मेनियाई सरकार को धन्यवाद।

पश्चिम एशिया के तनावपूर्ण हालात के बीच, हाल के दिनों में सैकड़ों भारतीय सीमा पार कर जमीनी रास्ते से आर्मेनिया पहुंचे। भारत अपने नागरिकों के लिए सुरक्षित ट्रांजिट रूट सुनिश्चित करने के लिए इलाके की सरकारों के साथ मिलकर काम कर रहा है। इस हफ्ते की शुरुआत में, भारत ने मदद के लिए अजरबैजान को भी धन्यवाद दिया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि करीब 204 भारतीय नागरिक जमीनी सीमा चौकियों के रास्ते ईरान से अजरबैजान पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि जहां कई भारत लौट चुके हैं, वहीं आगामी दिनों में और लोगों के आने की उम्मीद है।

उन्होंने आगे कहा कि हम अजरबैजान सरकार के आभारी हैं कि उन्होंने जमीनी रास्ते ईरान से भारतीय नागरिकों के निकलने में मदद की। हमारे दोनों पक्षों के बीच परामर्श और नियमित आदान-प्रदान होता रहता है। भारत ने पहले भी लोगों को निकालने की कोशिशों में आर्मेनिया की मदद की सराहना की थी। 16 मार्च को जयशंकर ने मुश्किल हालात में मिल रहे सहयोग की प्रशंसा की थी, ईरान से 550 से ज्यादा भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने में मदद करने के लिए आर्मेनियाई सरकार और वहां के लोगों को धन्यवाद दिया था।

राहुल गांधी का एलडीएफ पर जुबानी हमला... 4 मई के बाद एलडीएफ में कुछ भी वामपंथी नहीं बचेगा

केरल सरकार, भाजपा और आरएसएस से गुप्त समझौता कर चुकी

अलाप्पुझा (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) पर अपनी मूल विचारधारा को त्यागने का आरोप लगाकर कहा कि आगामी चुनावों के बाद एलडीएफ में कुछ भी वामपंथी नहीं बचेगा। अलाप्पुझा में जनसभा को संबोधित कर राहुल गांधी ने एलडीएफ की सिद्धांतों से समझौता करने के लिए आलोचना की। उन्होंने कहा कि एलडीएफ कई सालों से हमारे विरोधी रहे हैं, कांग्रेस ने उनसे लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ाई लड़ते रहने वाले है। लेकिन कई सालों तक वे कुछ इसतरह के विचारों के लिए खड़े रहे जिससे हम सहमत नहीं थे।

राहुल गांधी ने सवाल किया कि एलडीएफ का मतलब क्या है? वाम लोकतांत्रिक मोर्चा। सच कहूं, तब वाम मोर्चे में कुछ भी वामपंथी नहीं है, और चुनाव के बाद वाम मोर्चे में कुछ भी वामपंथी नहीं बचेगा। राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और वामपंथी दल (एलडीएफ) के बीच सांठगांठ का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि केरल की सांप्रदायिक सरकार को एक गुप्त शक्ति प्रभावित कर रही है, जो उनके अनुसार संविधान को नकार जनता पर हमला करती है।

उन्होंने कहा कि मंच पर बैठे नेता को जो बात परेशान कर रही है, वह यह है कि उनकी नीतियां अब वामपंथी नहीं रहीं। उन्हें और वाम मोर्चे के कई कार्यकर्ताओं को जो बात परेशान कर रही है, वह यह है कि आज एलडीएफ सरकार को एक गुप्त शक्ति के दम पर चल रही है। यह गुप्त शक्ति सांप्रदायिक है, भारत के संविधान को स्वीकार नहीं करती, भारत की जनता को बांटती है, उन पर हमला करती है, उन्हें अपमानित करती है, और केरल में हर कोई देख सकता है कि अब भाजपा, आरएसएस और वाम मोर्चे (सीपीएम) के बीच संबंध है।

राहुल गांधी ने वाम मोर्चे (एलडीएफ) को अवसरवादी नेताओं का समूह बताकर कहा कि वे सत्ता हासिल करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं और भाजपा एवं आरएसएस से सहायता लेने में उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी के कुछ कार्यकर्ता, जो इन विचारों से सहमत नहीं हैं, खुद को धोखा दिया हुआ और आहत महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वाम मोर्चे के अधिकांश नेता अवसरवादी हैं। यह समझिए-कुछ अवसरवादी नेता सत्ता में आने के लिए कुछ भी कर सकते है। उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि भाजपा या आरएसएस उनकी मदद कर रहे हैं। उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। वहीं, कुछ नेता किसी विचारधारा में विश्वास रखते हैं।

दो-दो पश्चिमी विक्षोभ ने बदला मौसम का मिजाज, एक दर्जन राज्यों में बारिश, ओलावृष्टि का अलर्ट

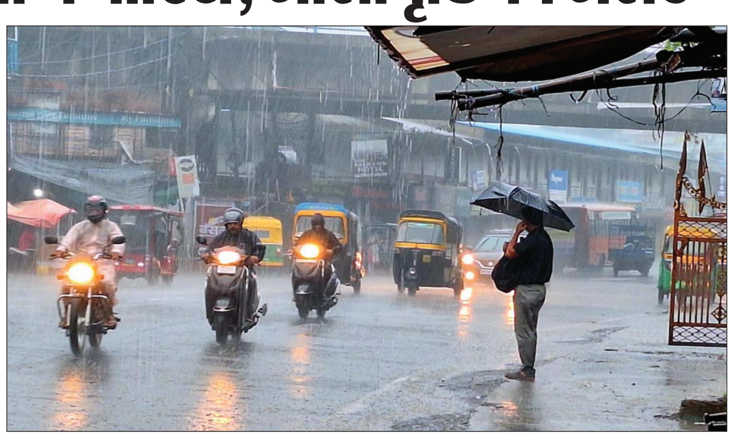

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के एक बड़े हिस्से में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है, जिससे उत्तर से लेकर पश्चिम और पूर्व तक के राज्यों में हलचल बढ़ गई है। मौसम विभाग द्वारा जारी ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, 4-5 अप्रैल से देश के विभिन्न क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। इस बदलाव का मुख्य कारण इस सप्ताह सक्रिय होने वाले दो नए पश्चिमी विक्षोभ हैं। पहला विक्षोभ शनिवार को अपना असर दिखाना शुरू कर चुका है, जबकि दूसरा 7 अप्रैल से प्रभावी होगा। इसके चलते दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और बिहार सहित कम से कम 10 राज्यों में आंधी-तूफान, बिजली गिरने और ओलावृष्टि को लेकर चेतावनी जारी की गई है। विशेष रूप से किसानों को सलाह दी गई है कि वे अपनी तैयार फसलों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दें ताकि ओलावृष्टि और बारिश से होने वाले नुकसान से बचा जा सके।

उत्तर भारत की बात करें तो दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में 4 अप्रैल को 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और ओले गिरने की आशंका है। इसके बाद 7 और 8 अप्रैल को दिल्ली-एनसीआर और पूर्वी राजस्थान में पुनः बारिश का दौर लौट सकता है। उत्तर प्रदेश में मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जहां पश्चिमी यूपी में भारी बारिश और ओलावृष्टि की संभावना अधिक है। पहाड़ी राज्यों उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भी 4 और 5 अप्रैल को तेज हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि का अनुमान है, हालांकि वर्तमान में बर्फबारी की संभावना नहीं है। मध्य भारत के मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी अगले पांच दिनों तक आंधी और बारिश का सिलसिला बना रहेगा, जबकि महाराष्ट्र के विदर्भ और मराठवाड़ा क्षेत्रों में ओलावृष्टि को लेकर सतर्क रहने को कहा गया है।

पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में भी मौसम का असर व्यापक रहेगा। बिहार और झारखंड में 4 से 7 अप्रैल के बीच गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की उम्मीद है, जबकि पश्चिम बंगाल में उमस बढ़ने के साथ 7 अप्रैल से बारिश की शुरुआत हो सकती है। पूर्वोत्तर के राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड और मणिपुर में भी इस पूरे सप्ताह रुक-रुक कर बारिश होने का अनुमान है। दक्षिण भारत के राज्यों केरल, तेलंगाना, कर्नाटक और पुदुच्चेरी में भी 7 अप्रैल तक बिजली गिरने और मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि इन दोनों पश्चिमी विक्षोभों के प्रभाव से तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी, लेकिन साथ ही आंधी-तूफान के कारण लोगों को आवाजाही और खुले स्थानों पर रहने के दौरान सावधानी बरतने की आवश्यकता है। यह मौसमी बदलाव अगले एक सप्ताह तक देश के अधिकांश हिस्सों में सक्रिय रहने वाला है।

तमिलनाडु में बीजेपी कर क्या रही, अन्नामलाई को टिकट नहीं मिलने पर चर्चा हुई तेज

प्रदेश अध्यक्ष बोले— हाईकमान का फैसला

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी की उम्मीदवार सूची में के अन्नामलाई का नाम नहीं होने से राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेन्द्रन ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय पार्टी हाईकमान द्वारा लिया गया है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नागेंद्रन ने कहा कि घोषित 27 उम्मीदवारों की सूची केंद्रीय नेतृत्व की सहमति से तैयार की गई है और पार्टी को विश्वास है कि सभी उम्मीदवार चुनाव में जीत हासिल करेंगे। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि उम्मीदवार चयन पूरी तरह रणनीतिक आधार पर किया गया है। अन्नामलाई को तमिलनाडु भाजपा का आक्रामक और लोकप्रिय चेहरा माना जाता है, ऐसे में उनका नाम सूची में न होना चर्चा का विषय बना हुआ है।

चुनाव से दूर नहीं प्रचार करुंगा: अन्नामलाई

हालांकि, अन्नामलाई ने स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा, कि वे चुनावी प्रक्रिया से दूर नहीं हैं, बल्कि पार्टी के लिए सक्रिय रूप से प्रचार करेंगे। उन्हें तमिलनाडु के साथ-साथ पुडुचेरी और केरल में भी चुनाव प्रचार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस बीच, भाजपा सांसद तेजस्वी सुर्या ने अन्नामलाई की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि वे पार्टी के सबसे लोकप्रिय नेताओं में से एक हैं और उनका प्रचार अभियान भाजपा के लिए फायदेमंद साबित होगा।

भाजपा के हिस्से में 27 सीटें

तमिलनाडु में इस बार भाजपा, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। सीट बंटवारे के तहत राज्य की कुल 234 सीटों में से एआईएडीएमके 178 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी, जबकि भाजपा 27 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अन्नामलाई को टिकट न देने के बावजूद उन्हें प्रचार की कमान सौंपना भाजपा की व्यापक रणनीति का हिस्सा हो सकता है, जिससे पार्टी उनके जनाधार का अधिकतम लाभ उठाना चाहती है।

तिरंगा लगे जहाज ने होर्मुज जलडमरूमध्य किया पार, अब भी 17 भारतीय जहाज फंसे

समुद्री तापमान से ऊर्जा उत्पादन के साथ ही पेयजल संकट का होगा समाधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट संकट के बीच शुक्रवार को सातवां भारतीय ध्वज वाला एलपीजी टैंकर, ग्रीन सानवी, होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर गया। पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक छह एलपीजी ले जाने वाले जहाज होर्मुज स्ट्रेट पार करके भारतीय बंदरगाहों पर पहुंच चुके हैं। अब सातवां टैंकर भी होर्मुज क्रॉस करके भारत की ओर बढ़ रहा है। इस जहाज पर करीब 44,000 मीट्रिक टन से अधिक एलपीजी है। इसके आने से एलपीजी को लेकर चल रही किल्लत से राहत मिलेगी। होर्मुज के पश्चिम में अब भी 17 भारतीय जहाज फंसे हैं। इनमें दो एलपीजी से लदे जहाज ग्रीन आशा और जग विक्रम हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक एलपीजी से लदे ये दोनों जहाज ग्रीन आशा और जग विक्रम भी जल्द ही होर्मुज से निकलकर भारत की ओर रवाना हो सकते हैं। जानकारों ने बताया कि तीन एलपीजी ले जाने वाले भारतीय जहाज वर्तमान में फारस की खाड़ी स्थित अबू मूसा द्वीप के उत्तर-पूर्व में भटक रहे हैं। वे भारतीय नौसेना के निर्देशों का पालन करते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य से निकलने के आदेश की प्रतीक्षा में हैं।

इस बीच एक विदेशी जहाज, जो कथित तौर पर ईरान से भारत के लिए तेल ले जा रहा था, उसने अपनी यात्रा के दौरान ही अपना डेस्टिनेशन प्वाइंट अचानक बदल दिया। अब वह चीन की ओर बढ़ रहा है। वैश्विक विश्लेषण फर्म केप्लर के प्रमुख विश्लेषक ने कहा कि ईरानी कच्चे तेल के मामले में इस तरह की यात्रा के दौरान गंतव्य परिवर्तन कोई नई बात नहीं है। यह वित्तीय शर्तों और काउंटर पार्टी रिस्क के प्रति ट्रेड फ्लो की बढ़ती संवेदनशीलता को उजागर करता है। एक्सपर्ट ने कहा कि कच्चा तेल लेकर जा रहे शिप के अचानक चीन की ओर मुड़ने के बीच अहम वजह पेमेंट का माना जा रहा। इसमें पहले की 30-60 दिन की लोन अवधि से हटकर अग्रिम या निकट-अवधि के सेटलमेंट की ओर बढ़ रहे हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर भुगतान संबंधी समस्याएं हल हो जाती हैं, तो माल अभी भी किसी भारतीय रिफाइनरी तक पहुंच सकता है। विश्लेषक ने आगे कहा कि यह इस बात को दर्शाता है कि चीन के अलावा अन्य देशों में ईरानी कच्चे तेल के प्रवाह को निर्धारित करने में वाणिज्यिक शर्तें रसद के समान ही अहम होती जा रही हैं। हालांकि, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि कच्चे तेल से लदे इस शिप का फाइनल डेस्टिनेशन यही रहने वाले है। ऐसा इसलिए क्योंकि अभी तो ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन ट्रांसपोंडर में दर्शाया गया है ये गंतव्य अंतिम है और यात्रा के दौरान इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। हालांकि, इसमें आगे भी बदलाव हो सकते हैं। वहीं अगर ये टैंकर वास्तव में वडीनार पहुंच जाता, तो यह छह सालों में भारत को ईरान से कच्चे तेल की पहली खेप होती।

युवक को गोली लगने के मामले में दोस्त गिरफ्तार

नई दिल्ली। जहांगीरपुरी इलाके में रविवार को युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने उसके ही दोस्त पंकज उर्फ पंखा को गिरफ्तार किया है। पुलिस को पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने रोहित को गोली मारी नहीं थी, बल्कि गलती से उसको लग गई थी। दरअसल सारे दोस्त मिलकर फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससे इसी दौरान गोली चल गई और रोहित घायल हो गया। सारे दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो गई। सभी उसे अस्पताल छोड़कर भाग खड़े हुए। वहीं, पुलिस पंकज की बात पर यकीन करने को तैयार नहीं है। पुलिस का कहना है कि फरार चल रहे आलम और आकाश के पकड़े जाने के बाद हकीकत सामने आएगी। वारदात में इस्तेमाल तमंचा भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पता लगा रही है कि तमंचा कहां से लाया गया था। पुलिस के मुताबिक रविवार को बाबू जग जीवन राम अस्पताल से वारदात की सूचना मिली थी। रोहित सरदार कॉलोनी, रोहिणी, सेक्टर-16 में रहता था। पुलिस तभी से आरोपियों की तलाश कर रही है।

झगड़े के दौरान दोस्त की पीटकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले की नंद नगरी थाना पुलिस ने हत्या के मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान नंद नगरी निवासी विशाल उर्फ काकू, हिमांशु, किशन उर्फ राहुल उर्फ चार्ली, चेतन उर्फ लक्की, गौरव उर्फ पिछू, सुमित उर्फ सिंघू और दिलशाद गार्डन निवासी अंकित के रूप में हुई है। पुलिस ने अंकित के कब्जे से एक स्कूटी बरामद की है।

दिल्ली में महिला कामगारों की हिस्सेदारी बढ़ी पर मजदूरी पुरुषों से कम

दिल्ली। दिल्ली में बीते कई साल के मुकाबले महिला कामगारों की आबादी में इजाफा हुआ है लेकिन मजदूरी पुरुषों से कम है। दिल्ली सरकार की दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं की श्रम बल भागीदारी बढ़ी है लेकिन उनकी दैनिक मजदूरी पुरुषों से कम बनी हुई है। यह रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी) की प्रगति पर नजर रखने के लिए डायरेक्टोरेट ऑफ इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स ने जारी की है। दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स की स्थिति पर आधारित है और हाल ही में अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय ने इसे जारी किया है। रिपोर्ट दिखाती है कि 2017-18 में महिलाओं और पुरुषों की श्रम बल भागीदारी दर का अनुपात 0.19 था। यह आंकड़ा 2023-24 में बढ़कर 0.28 हो गया। यह वृद्धि सकारात्मक है लेकिन 0.28 का अनुपात यह भी दिखाता है कि लैंगिक असमानता अभी बनी हुई है। इसके अतिरिक्त रिपोर्ट दिखाती है कि महिला श्रम बल भागीदारी दर 2017-18 में 11.2 फीसदी थी, 2023-24 में बढ़कर 14.5 फीसदी हो गई। यह 2018-19 में 13.7 फीसदी, 2019-20 में 12.8 फीसदी, 2020-21 में 10.7 फीसदी, 2021-22 में 9.4 फीसदी और 2022-23 में 11.3 फीसदी थी। गैर-सार्वजनिक कामों में 2017-18 की जुलाई-सितंबर तिमाही में पुरुषों को 403 रुपये हर दिन और महिलाओं को 300 रुपये मिल रहे थे। 2017-18 की अप्रैल-जून तिमाही में पुरुषों को 376 रुपये हर दिन व महिलाओं को 400 हर दिन, 2023-24 में पुरुषों को 556 रुपये हर दिन व महिलाओं को 500 रुपये हर दिन मिल रहे थे। 2023-24 में यह 548 और 500 रुपये मिल रहा था। इसमें दिखता है कि महिलाओं की मजदूरी बढ़ी लेकिन मजदूरी का अंतर 48 से 100 रुपये का बरकरार है। पेशेवर और तकनीकी क्षेत्र में महिला कामगारों की संख्या घटी है। इस क्षेत्र में 2020-21 में महिलाओं का अनुपात 28.5 फीसदी था, जोकि 2022-23 में 21.3 फीसदी रह गया है। रिपोर्ट में महिलाओं के आर्थिक संसाधनों में हिस्सेदारी का मूल्यांकन किया गया है। इसमें जमीन, संपत्ति, बैंक सेवाएं, उत्तराधिकार और प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण को शामिल किया है। लेकिन इसमें ये भी कहा गया है कि महिला कामगारों के लिए दिल्ली सरकार कानूनों में सुधार कर रही है।

पिता ने दो बेटों के साथ मिलकर तीसरे को पीटकर मार डाला

फरीदाबाद। आदर्श नगर थाना क्षेत्र के हरी विहार में धनीराम हलवाई ने अपने दो बेटों सुदामा और सूरज के साथ मिलकर तीसरे बेटे कृष्ण की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को फंदे से लटकाकर पुलिस को आत्महत्या की सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद बीके अस्पताल में रखवा दिया। वहीं, जांच के दौरान पड़ोसियों ने बताया कि पिता और दोनों भाइयों ने ही युवक की हत्या की है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया।

पुलिस ने दो नाबालिगों को ढूंढकर परिवारों को सौंपा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की मानव तस्करी विरोधी इकाई ने अलग-अलग क्षेत्रों से लापता हुए दो नाबालिग बच्चों को ढूंढकर सुरक्षित उनके परिवारों को सौंप दिया। अपराध शाखा उपायुक्त पंकज कुमार ने बताया कि थाना बुद्ध विहार में 15 सितंबर को आठ वर्षीय बच्ची के गुमशुदा होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। वह अपने गांव उत्तर प्रदेश के बांदवी से अपनी बुआ के साथ दिल्ली आई थी। खेलते-खेलते रास्ता भटक जाने पर वह जहांगीरपुरी इलाके में पहुंच गई। किसी राहगीर ने उसे अकेला देखकर पुलिस को सूचना दी। बाद में बाल कल्याण समिति के आदेश पर बच्ची को कौशल्या स्थित बाल गृह भेज दिया गया। बाल गृह में दर्ज नाम अलग होने के कारण उसकी पहचान में कठिनाई हुई। इसके बावजूद अपराध शाखा के लगातार प्रयास से बच्ची की पहचान कर ली गई और उसे परिजनों के हवाले कर दिया। वहीं, दूसरा मामला भी थाना बुद्ध विहार का है। यहां 14 वर्षीय लड़के की गुमशुदगी की रिपोर्ट 27 सितंबर को दर्ज की गई थी। वह अपने दोस्त के साथ रामलीला देखने गया और वहीं रुक गया था। काफी देर तक घर न लौटने पर परिवार ने पुलिस को सूचना दी। एसीपी सुरेश कुमार की निगरानी में क्राइम ब्रांच ने कॉल डिटेल और तकनीकी जांच के साथ-साथ इलाके में तलाशी अभियान चलाकर नाबालिग को रिठाला गांव से बरामद कर लिया।

महिला को सम्मोहित कर नाबालिगों ने गहने उड़ाए, पुलिस ने दो को दबोचा

दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में नाबालिगों ने एक महिला को सम्मोहित कर उसके गहने ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर दोनों आरोपी की पहचान कर उन्हें घर से पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने सोने का लॉकेट बरामद किया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को एक महिला ने ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि वह सेक्टर 24 रोहिणी में ब्यूटी पार्लर चलाती है। रात में घर जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक आया और आनंद विहार जाने का रास्ता पूछा। फिर उसने बताया कि उसके ठेकेदार ने नौकरी से निकाल दिया है। उसके पास पैसे नहीं हैं। उसे भूख लगी है और खाना खिलाने के लिए कहा। इसी दौरान एक और युवक आ गया और वह लड़के की मदद करने के लिए कहा। फिर दोनों पीड़िता को लेकर होटल की तलाश करने लगे। इसी दौरान दूसरे युवक ने महिला से कहा कि इलाका ठीक नहीं है। वह रुमाल निकालकर दिखाया कि वह अपने पैसे रुमाल में रखता है। फिर उसने महिला से सारे गहने को एक रुमाल में डालने के लिए कहा। उसके बाद पीड़िता कान के दोनों टॉप्स, मोती का माला और एक सोने का लॉकेट रुमाल में रख दिया। युवक ने उसमें गांठ लगाकर पीड़िता को सौंप दिया। उसके बाद दोनों युवक वहां से भाग गए। जांच करने पर रुमाल से गहने गायब पाया। महिला ने पुलिस से इसकी शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान कर ली। दोनों आरोपी के बी और सी ब्लॉक में मौजूद होने की जानकारी पर पुलिस ने वहां दबिश देकर दोनों को पकड़ लिया।

निजी स्कूल की बस ने लॉ स्टूडेंट को रौंदा, दस मीटर तक घिसटता रहा

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में मोदी मिल फ्लाईओवर पर एक प्राइवेट स्कूल बस ने 24 साल के लॉ स्टूडेंट विनम्र कुमार को रौंद दिया। बस ड्राइवर के ब्रेक लगाने से पहले छात्र करीब 10 मीटर तक बस के नीचे घिसटता रहा। किसी के बस के नीचे फंसे होने को महसूस कर ड्राइवर ने गाड़ी रोकी तब देखा। ड्राइवर खुद पीड़ित को अस्पताल ले गया। जहां उसकी हालत गंभीर है। न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। आरोपी की पहचान 32 साल के विजेंद्र कुमार के रूप में हुई है, जो कनॉट प्लेस के एक प्राइवेट स्कूल की बस चलाता है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार कोटला मुबारकपुर के रहने वाले विनम्र कुमार चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी में तीसरे साल के लॉ स्टूडेंट थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम को दोपहर करीब 3:30 बजे मोदी मिल फ्लाईओवर पर एक जानलेवा हादसे की सूचना मिली। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उन्हें एक बस और एक बाइक दुर्घटनाग्रस्त हालत में मिली। उन्हें बताया गया कि घायल छात्र को बस ड्राइवर एम्स ट्रॉमा सेंटर ले गया था। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उन्हें बताया गया कि युवक को मृत घोषित कर दिया था। पुलिस ने विजेंद्र को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। विनम्र अपनी बहन को उसके ससुराल गढ़ी गांव छोड़ने गया था और मथुरा रोड की तरफ जा रहा था, तभी पीछे से बस ने उसे टक्कर मार दी। अधिकारी ने कहा कि पीड़ित ने हेलमेट पहना था। हादसे के बाद वह करीब 10 मीटर तक घिसटता रहा, जिसके बाद ड्राइवर को एहसास हुआ और उसने ब्रेक लगाए। ड्राइवर खुद पीड़ित को अस्पताल ले गया।

ई-रिक्शा चोरी करने वाले गिरोह के चार आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद। सिहानी गेट पुलिस ने ई-रिक्शा चोरी करने वाले गिरोह के चार लोगों को गिरफ्तार कर उनसे दो ई-रिक्शा, ई-रिक्शा की दो बैटरी और अन्य उपकरण बरामद किए हैं। आरोपियों के खिलाफ चोरी के कई मुकदमे पहले भी दर्ज हैं। कार्यवाहक एसीपी प्रियाश्री पाल ने बताया कि हाल ही में ई-रिक्शा चोरी की कई घटनाएं हुईं थीं। इनके खुलासे के लिए पुलिस टीम लगातार काम कर रही थी। मुखबिर और मोबाइल सर्विलांस के जरिये पुलिस टीम को इनपुट मिला तो मेरठ रोड पर दबिश देकर चार संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उन्होंने ई-रिक्शा चोरी की बात कबूली। उनकी पहचान रिंकू व दीपक निवासी नंदग्राम, आसिफ निवासी मलिकनगर मुरादनगर व अनस निवासी जस्सीपुरा कोतवाली के रूप में हुई। पूछताछ में पता चला कि रिंकू ई-रिक्शा चोरी करता था। दीपक उसका इस काम में सहयोग करता था और आसिफ ई-रिक्शों को स्क्रैप बनाने व अनस ई-रिक्शों की बैटरी को खरीदने में शामिल रहा। रिंकू, दीपक और आसिफ पर ई-रिक्शा चोरी के कई मुकदमे दर्ज हैं। आरोपियों की निशानदेही पर दो ई-रिक्शा, बैटरी, 42 हजार की नकदी बरामद की गई।

कोर्ट ने कहा- पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना मानसिक क्रूरता

दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पति की वैधता पर सवाल उठाकर उन्हें अपशब्द कहना और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना वैवाहिक क्रूरता माना है। अदालत ने कहा पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना तलाक का आधार है। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ ने फैमिली कोर्ट द्वारा प्रतिवादी-पति के पक्ष में दी गई तलाक की डिक्री को बरकरार रखा। याचिकाकर्ता-पत्नी ने हाईकोर्ट में अपील दायर करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा क्रूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध क्रूरता के कृत्य स्वतः समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं। याचिकाकर्ता के सिद्ध क्रूरता के कृत्य, जिसमें अपमानजनक भाषा का कर दावा किया था कि फैमिली कोर्ट ने उनके खिलाफ की गई क्रूरता के कृत्यों पर विचार नहीं किया और पति को गलत तरीके से तलाक दे दिया। उन्होंने दावा किया कि प्रतिवादी ने जाति-आधारित टिप्पणियां करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा क्रूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध क्रूरता के कृत्य स्वतः समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं। याचिकाकर्ता के सिद्ध क्रूरता के कृत्य, जिसमें अपमानजनक भाषा का उपयोग, शारीरिक हिंसा और सामाजिक अलगाव शामिल है, अपने आप में इतने गंभीर हैं कि विवाह को भंग करने की मांग को उचित ठहराते हैं। कोर्ट ने नोट किया कि याचिकाकर्ता ने प्रतिवादी को घृणित, अपमानजनक और निंदनीय संदेश भेजे, जिसमें उनकी वैधता पर सवाल उठाए गए और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाए गए। कोर्ट ने कहा, नौ मई 2011, 15 मई 2011 और 27 जून 2011 को भेजे गए विशिष्ट संदेशों में 'बास्टर्ड', 'सन ऑफ बिच' जैसे शब्द और यह सुझाव कि उनकी मां को वेश्यावृत्ति के माध्यम से कमाई करनी चाहिए, अपने आप में सबसे गंभीर प्रकार की मानसिक क्रूरता को दर्शाते हैं।

रंजिश में युवक पर चलाई गोली

नई दिल्ली। महेंद्र पार्क में बृहस्पतिवार रात रंजिश में एक युवक पर स्कूटी सवार नाबालिगों ने गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पीड़ित की पहचान निखिल सक्सेना (22) के रूप में हुई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने तीन नाबालिग लड़कों पर आरोप लगाया है जिनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात पुलिस को महेंद्र पार्क स्थित हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससे रंजिश रखते हैं। पुलिस ने मौके पर क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने वहां से कुछ साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि पीड़ित दसवीं तक पढ़ा है और फिलहाल कोई काम नहीं करता है। वहीं, गोलीबारी करने वाले सभी आरोपी नाबालिग हैं। जिस जगह पर घटना हुई है वहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है। घटना के बाद से नामजद सभी आरोपी अपने घर से गायब हैं। पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए इनके ठिकानों पर दबिश दे रही है।

अब मोबाइल पर 66 साल पुराने नाटकों का मंचन...आकाश एप तैयार

नई दिल्ली। यदि आप नाटकों के शौकीन हैं और खासकर पुराने नाटक जिन्हें आप देख नहीं सकते हैं तो आपके लिए एक अच्छी खबर है। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीनस्थ, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) नाटकों को रेडियो पर सुनाने की तैयारी कर रहा है। दुनिया में किसी भी जगह बैठकर हिंदी और क्षेत्रीय भाषा के दर्शक या श्रोता अपने मोबाइल पर बैठकर एनसीडी के 66 साल के नाटकों को सुन पाएंगे। एनएसडी के डायरेक्टर चित्तरंजन त्रिपाठी ने बताया, 66 साल पुराने नाटकों का ऑडियो संकलन का काम जारी है। इसके लिए एनएसडी ने आकाश नाम से एप तैयार किया है। इसके माध्यम से रंगप्रेमी पुराने नाटकों की ध्वनी सुन सकते हैं। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए गूगल स्टोर पर जाकर आकाश एप को डाउनलोड करना पड़ेगा। इसी एप पर सभी नाटकों की ध्वनि को किया जाएगा। इसके बाद, दुनिया के किसी भी कोने में बैठा व्यक्ति नाटक को सुन सकेगा। एनएसडी के डायरेक्टर चित्तरंजन त्रिपाठी ने बताया, भारत रंग महोत्सव के 25वें संस्करण का आयोजन 27 जनवरी से 20 फरवरी तक होगा। दिल्ली के अलावा देश के 40 शहरों में नाटक मंचित होंगे। इसमें हर महाद्वीप से एक देश को शामिल किया गया है। इस बार के भारत रंग महोत्सव में 136 भारतीय और 12 विदेशी नाटक, जिनमें 228 भाषाओं और बोलियों में 277 प्रस्तुतियाँ शामिल हैं। इसमें महिला निर्देशकों द्वारा 33 प्रस्तुतियों के अलावा, 19 विश्वविद्यालय और 14 स्थानीय प्रस्तुतियां भी शामिल हैं। एनएसडी के उपाध्यक्ष प्रोफेसर भरत गुप्त ने बताया, जम्मू-कश्मीर स्थित लेह-लददाख में माइनस डिग्री में दर्शकों को नाटकों की प्रस्तुति देखने को मिलेगी। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश के मंडी, हरियाणा के रोहतक,लेह लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दमन और दीव, मिजोरम के आइजोल, मेघालय में तुरा, असम के नगांव में नाटक मंचित होंगे। महोत्सव में मैथिली, भोजपुरी, तुलु, उर्दू, संस्कृत, ताई खामती और न्यिशी भाषाओं को शामिल किया गया है। इसमें करीब, सभी प्रमुख भारतीय और कई आदिवासी और लुप्तप्राय भाषाओं को भी शामिल किया है।

जिम की फीस चुकाने के लिए कारोबारी को लूटा

गाजियाबाद। जिम की फीस चुकाने और सप्लीमेंट खरीदने में हुए कर्ज को चुकाने के लिए लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में मार्बल्स व्यापारी से लूटपाट की गई। मामले में खुलासा करते हुए पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में दो आरोपियों ने बताया कि उन्होंने कई महीने से जिम की फीस नहीं दी थी। उसके लिए वह इस वारदात में शामिल हुए थे। उनके पास से 67500 रुपये, दो डंडे और दो बाइक बरामद की गई हैं। इस वारदात में शामिल तीन अन्य आरोपी फरार हैं। डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि 16 जनवरी 2026 की शाम आठ बजे इस गिरोह ने दयालपुर दिल्ली निवासी केसरी सिंह से लूटपाट की थी। इसमें कार्रवाई करते हुए बुधवार को लोनी से अमन गुर्जर निवासी लोनी, मोनू गुप्ता निवासी न्यू विकास नगर लोनी, वसीम निवासी ग्राम फकरपुर थाना खेकड़ा जनपद बागपत हाल पता न्यू विकास नगर लोनी, हर्ष निवासी लोनी, फैसल निवासी लोनी और मयंक निवासी न्यू विकास नगर लोनी गिरफ्तार किया गया है। इनके तीन साथी निखिल, अनमोल व एक अन्य फरार हैं। पुलिस के अनुसार हर्ष और उसके पिता कारोबारी के शोरूम के पास ही सैलून चलाते हैं। हर्ष ने कारोबारी पर नजर रखी। इसमें सामने आया है कि वह नकदी को लेकर दिल्ली जाता है। 16 जनवरी को बदमाशों ने लालबाग सब्जी मंडी में मार्बल्स कारोबारी केसरी सिंह की रेकी की और नौकर रवि के साथ स्कूटी पर घर जाते समय रोक लिया। डंडों से रवि के सिर पर प्रहार किया और ढाई लाख रुपये से भरा बैग लेकर भाग गए।

मुस्लिम युवक ने पवित्र सरोवर में किया था कुल्ला, वीडियो हुई थी वायरल

गाजियाबाद। अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल के पवित्र सरोवर में कुल्ला करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अंकुर विहार थानाक्षेत्र की एक कॉलोनी का रहने वाला सुव्हान है। पुलिस के अनुसार आरोपी सुव्हान कॉलोनी में ही संचालित अपने भाई के मेडिकल स्टोर पर काम करता है। 15 जनवरी को वह अमृतसर घूमने गया था। इस दौरान उसकी एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई। वीडियो में युवक गोल्डन टेंपल के पवित्र सरोवर में कुल्ला करता दिखाई दे रहा था। इसके बाद सिक्ख समुदाय के लोगों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए पुलिस से शिकायत की थी। साथ ही जानबूझकर धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया था। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया आरोपी को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर एसीपी कोर्ट में पेश किया गया और जेल भेज दिया गया है।

युवक के खिलाफ फिलहाल कोई प्राथमिकी कहीं दर्ज नहीं है।

NAME CHANGE
I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR - 2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE
I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE
I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रमेश** पुत्र बृजपाल निवासी गली नंबर 01, कृष्णा विहार, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 33423/2020 धारा 379/411/34 भा.दं.सं. थाना नंद नगरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **रमेश** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **रमेश** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा **धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता** की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 33423/2020 धारा 379/411/34 भा.दं.सं. थाना नंद नगरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **रमेश** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **21.05.2026** को हाजिर हो।

आदेशानुसारः सुश्री दीपाक्षी राणा,
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी-03,
कमरा संख्या 19, प्रथम मंजिल, शाहदरा जिला,
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली।

DP/4359/NE/2026

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **नन्ने उर्फ सादाब पुत्रः** वली मोहम्मद **पताः** राजीव कॉलोनी गाजियाबाद कोतवाली गाजियाबाद उ.प्र., ने **FIR No. 781/2024 U/s 304(2)317(2) BNS थानाः नंद नगरी दिल्ली**, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नन्ने उर्फ सादाब**, मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नन्ने उर्फ सादाब**, फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 781/2024 U/s 304(2)317(2) BNS थानाः नंद नगरी दिल्ली**, के उक्त अभियुक्त **नन्ने उर्फ सादाब**, से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **26.05.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री दीपाक्षी राणा
जेएमएफसी–03, कमरा नंबर 19
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/4362/NE/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **नदीम, पुत्रः मोहम्मद निजाम, निवासीः वार्ड नंबर 55, इकराम नगर, सितारा लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No.: 20753/2021, U/s: 379/411/34 IPC, पुलिस थाना नन्द नगरी, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **नदीम** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **नदीम** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना नन्द नगरी, दिल्ली** के अभियुक्त **नदीम** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 15.05.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री दीपाक्षी राणा
जेएमएफसी–03, शाहदरा जिला, कमरा नंबर 19, पहली मंजिल,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/4360/NE/2026

NAME CHANGE
I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

छात्रावास रोड व पुराना बस अड्डा क्षेत्र में अतिक्रमण हटाया, ट्रैफिक पुलिस ने की कार्रवाई

एजेंसी

कैथल। शहर में सुगम व सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ट्रैफिक पुलिस ने अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान छात्रावास रोड और पुराना बस अड्डा क्षेत्र में सड़क किनारे रेहड़ी लगाकर तथा दुकानों के आगे सामान रखकर किए गए अतिक्रमण को हटवाया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि शहर में निर्बाध यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। अभियान के तहत थाना प्रबंधक यातायात इंस्पेक्टर सतपाल के नेतृत्व में ट्रैफिक पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटवाया। इस दौरान रेहड़ी संचालकों और दुकानदारों को सख्त हिदायत दी गई कि वे सड़क पर दोबारा अतिक्रमण न करें, अन्यथा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

समाधान शिविरों में शिकायत निपटान में कैथल प्रदेश में अव्वल

कैथल। जन शिकायतों के त्वरित और प्रभावी समाधान को लेकर जिला प्रशासन को बड़ी सफलता मिली है। समाधान शिविरों में प्राप्त शिकायतों के निपटान में कैथल जिला पूरे हरियाणा प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा है। इस उपलब्धि पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के प्रधान सचिव डी. सुरेश ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक में जिला प्रशासन को बधाई दी। इसके बाद आयोजित जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में एडीसी डा. सुशील कुमार ने समाधान शिविर, सीएम विंडो, जनसंवाद, सीपीग्राम और एसएमजीटी पोर्टल पर लंबित शिकायतों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि समाधान शिविरों का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करना है, जिससे लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। उन्होंने विकास एवं पंचायत, एचएसवीपी, नगर परिषद, राजस्व, जन स्वास्थ्य, सिंचाई, समाज कल्याण, लोक निर्माण और कृषि सहित विभिन्न विभागों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने विभागों से संबंधित लंबित मामलों का जल्द निपटारा सुनिश्चित करें। एडीसी डा. सुशील कुमार ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि शिकायतकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें की गई कार्रवाई की जानकारी दी जाए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे। साथ ही पोर्टल पर उच्च गुणवत्ता की एटीआर (एक्शन टेकन रिपोर्ट) अपलोड करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी नागरिक को एक ही समस्या के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

पुलिस की सूझबूझ से लावारिस मिली महिला व बच्ची को परिजनों से मिलाया

कैथल। जिला पुलिस की तत्परता और सूझबूझ से एक महिला और उसकी मासूम बच्ची को सुरक्षित उनके परिजनों से मिलाया गया। दोनों सरकारी अस्पताल के पास लावारिस हालत में मिली थीं। गुरुवार देर रात थाना सिविल लाइन के पीएसआई मंजीत सिंह की टीम को कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि एक महिला अपनी करीब नौ वर्षीय बच्ची के साथ सरकारी अस्पताल कैथल के पास बैठी हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और महिला व बच्ची को अपने संरक्षण में लिया। पूछताछ के दौरान महिला अपनी सही पहचान नहीं बता पा रही थी। उसने अपना नाम श्वेता बताया, लेकिन कभी वाराणासी तो कभी कलायत की रहने वाली होने की बात कहती रही।मानसिक रूप से अस्वस्थ होने के कारण वह अपने घर का सही पता बताने में असमर्थ थी। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए महिला और बच्ची की फोटो विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुपों में साझा की तथा साइबर सेल की मदद ली। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस का संपर्क महिला के परिजनों से हो गया। जांच में सामने आया कि महिला कलायत क्षेत्र की रहने वाली है और उसके पति का निधन हो चुका है। मानसिक स्थिति ठीक न होने के चलते वह अपनी बच्ची के साथ घर से निकल गई थी। पुलिस ने महिला और बच्ची को सकुशल उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। अपने परिजनों को सुरक्षित पाकर परिवार के लोगों ने राहत की सांस ली और पुलिस का आभार जताया।

हिसार के नवनियुक्त एसपी सिद्धांत जैन ने संभाला कार्यभार, बैठक लेकर दिए आवश्यक निर्देश

हिसार। जिले के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कार्यभार संभाल लिया है। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कार्यालय के विभिन्न शाखा प्रभारियों के साथ परिचयात्मक बैठक आयोजित की और उन्हें आवश्यक निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने सभी शाखा प्रभारियों से व्यक्तिगत रूप से परिचय प्राप्त किया तथा उनके कार्यों एवं जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों का कुशलक्षेम जाना और कार्यालय की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं सुचारू रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। एसपी सिद्धांत जैन ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना तथा आमजन को बेहतर पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने सभी शाखा प्रभारियों को टीम भावना से कार्य करने तथा पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। पुलिस अधीक्षक ने सभी से समन्वय बनाकर कार्य करने एवं आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ज्ञात रहे कि पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन फतेहाबाद से तब्दील होकर यहां आए हैं।

ग्रामीण स्वच्छता व जल निकासी मजबूत करने पर सरकार का फोकस : सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ सिविल सचिवालय में हरियाणा तालाब एवं अपशिष्ट जल प्रबंधन प्राधिकरण (एचपीडब्ल्यूडब्ल्यूएमए) की

समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के गांवों में तालाबों तथा अपशिष्ट जल निकासी व्यवस्था की नियमित और समयबद्ध सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता बनी रहे और लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि गांवों के तालाबों से बदबू नहीं आनी चाहिए और घरों में पानी भरने की स्थिति किसी भी हाल में नहीं बननी चाहिए। इसके लिए सफाई, गाद निकासी और जल निकास कार्यों को सुनियोजित एसओपी के तहत संचालित किया जाए, जिससे कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित हो। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन तालाबों का निर्माण, पुनर्निर्माण अथवा आधुनिकीकरण किया जा रहा है, उन्हें बेहतर प्लानिंग, आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक डिजाइन के साथ विकसित किया जाए। तालाबों के आसपास सौंदर्यीकरण कार्य भी कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को स्वच्छ और सुंदर वातावरण मिले तथा लोग वहां सुबह-शाम भ्रमण कर सकें। हरियाणा तालाब एवं अपशिष्ट जल प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा प्रदेश के 6,538 तालाबों को कार्ययोजना में शामिल किया गया है, जिनमें से अब तक 2,758 कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति दी जा चुकी है। इनमें 1,718 कार्य पूर्ण हो चुके हैं, जबकि 484 कार्य प्रगति पर हैं।

शहरों में आबादी अनुसार बनेंगी नई जल निकासी परियोजनाएं : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सभी ड्रेनों, नहरों एवं नालों की सफाई का कार्य बरसात से पहले पूरा किया जाए। विशेषकर आबादी क्षेत्र में ड्रेन एवं नहरों के साथ मजबूत बर्म बनाएं जाएं और कार्य की नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाए।

मुख्यमंत्री सिंचाई, जनस्वास्थ्य एवं स्थानीय निकायों विभाग के अधिकारियों के साथ ड्रेन, नहरें एवं नालों की सफाई समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि फतेहाबाद में राजस्थान सीमा तक बरसाती पानी की निकासी हेतु ड्रेन का प्रस्ताव बनाया जाए ताकि उस पानी का क्षेत्र के किसान सिंचाई के लिए उपयोग कर सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में आबादी बढ़ रही है। पानी का बहाव आबादी क्षेत्रों में अवरुद्ध हो रहा है। इसलिए जलभराव की स्थिति बन जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बरसाती एवं जल निकासी संबंधित ड्रेन एवं नहरों की सफाई कार्य को तत्परता से पूरा करवाएं और इस कार्य में कोई लापरवाही न बरतें। मुख्यमंत्री ने कहा कि घग्गर, मारकण्डा, टांगरी नदी की सफाई के साथ तटबंधों पर विशेष ध्यान दें। इसके अलावा कुरूक्षेत्र में चीका के पास सरस्वती नदी के बहाव को सीधा किया जाए। मुख्यमंत्री को सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने अवगत करवाया कि अब तक विभिन्न 825 ड्रेन एवं नालों के कार्यों में से 713 पर कार्य कर लिया गया है। शेष पर आगामी जून माह तक कार्य पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि शॉर्ट टर्म बाढ बचाव 425 कार्यों में से 250 कार्यों के टेंडर फाइनल कर दिए गए हैं तथा शेष के लिए माह के अंत तक पूरे कर लिए जाएगें। इसके अलावा विभाग में जल निकासी हेतु 1678 क्यूसेक क्षमता के 839 डीजल पम्प, 4466 क्युसिक क्षमता के 1389 इलेक्ट्रिक पम्प तथा 3465 क्षमता के 495 मोबाइल पंप तैयार हैं। इस प्रकार प्रदेश में 9609 क्यूसेक क्षमता के 2723 पम्प तैयार कर लिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश के 87 स्थानीय निकायों में 2655 किलोमीटर लम्बाई की 2382 ड्रेनों में से 1116 किलोमीटर लंबी ड्रेनों की सफाई की कार्य कर लिया गया है।

डिप्टी स्पीकर ने किया नई अनाज मंडी का निरीक्षण

एजेंसी

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा है कि मंडियों में रबी फसल खरीद प्रक्रिया में किसानों को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। मंडियों में पेयजल, बैठने की व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाएं समूचित हो। सरकार द्वारा किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदा जाएगा। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा नई अनाज मंडी का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे थे। उन्होंने गेट पास प्रणाली, बायोमैट्रिक पंजीकरण, बारदाना (बोरी) की उपलब्धता और खरीद प्रक्रिया की पारदर्शिता का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बारदाना की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और खरीद कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। इसके अलावा उन्होंने किसान अटल कैंटीन और किसान विश्राम गृह का भी निरीक्षण किया तथा वहां उपलब्ध सुविधाओं की गुणवत्ता पर संतोष जाहिर किया। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए पेयजल, स्वच्छ शौचालय, बैठने की उचित व्यवस्थाए छाया और साफ.सफाई जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं हर समय उपलब्ध रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मंडियों में आने वाले किसानों के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित किया जाए तथा उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाए। यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। डिप्टी स्पीकर ने कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उनकी मेहनत का पूरा मूल्य दिलाने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

दक्षिण हरियाणा को मिलेगी नई रफ्तारः अलवर-अटेली-दादरी रेल लाइन पर बढ़ी उम्मीदें

सांसद धर्मवीर सिंह ने रेल मंत्री से की मुलाकात, भारतमाला के तहत नए नेशनल हाईवे पर भी जोर

एजेंसी

नारनौल। दक्षिण हरियाणा में रेल और सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में प्रयास तेज हो गए हैं। सांसद धर्मवीर सिंह ने बताया कि अलवर, नीमराणा और अटेली होते हुए चरखी दादरी तक नई रेलवे लाइन बिछाने के प्रस्ताव को लेकर उन्होंने हाल ही में केंद्रीय रेल मंत्री से मुलाकात की है। इस पर रेल मंत्री की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है, जिससे उम्मीद जगी है कि जल्द ही इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में सांसद ने कहा कि इस रेल लाइन के निर्माण से दक्षिण हरियाणा और राजस्थान के

सीमावर्ती क्षेत्रों को बड़ी सुविधा मिलेगी। इससे न केवल आम लोगों की आवाजाही आसान होगी, बल्कि व्यापार और औद्योगिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी क्षेत्र के समग्र विकास में अहम भूमिका निभाएगी।

सांसद ने आगे बताया कि भारतमाला परियोजना के तहत सतनाली, महेंद्रगढ़ और कनीना को जोड़ते हुए एक नए नेशनल हाईवे के निर्माण के प्रयास भी किए जा रहे हैं। इस हाईवे के बनने से क्षेत्र के लोगों को बेहतर सड़क संपर्क मिलेगा और विकास कार्यों को गति मिलेगी।

परिसीमन के मुद्दे पर बोलते हुए धर्मवीर सिंह ने कहा कि भविष्य में परिसीमन होना तय है और इसके बाद महेंद्रगढ़ जिले में विधानसभा सीटों की संख्या बढ़ने की संभावना है। वर्तमान में जिले में चार विधानसभा क्षेत्र हैं, जो बढ़कर पांच हो सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि छह सीटें हो जाएं, तो क्षेत्र के विकास के लिए और अधिक लाभकारी होगा। एक अतिरिक्त विधानसभा क्षेत्र बनने से विकास कार्यों में तेजी आएगी और जनप्रतिनिधित्व मजबूत होगा। इस मौके पर महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव व भाजपा जिला प्रधान यतेंद्र यादव भी मौजूद रहे।

हरियाणा में इमारतों के ऑनलाइन पास होंगे नक्शे, मुख्यमंत्री ने बैठक में दिए निर्देश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में बनाई जाने वाली घरेलू एवं वाणिज्यिक इमारतों के लिए नगर निकाय विभाग से पास होने वाले नक्शों की पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस व्यवस्था के लागू होने से न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी। उन्होंने इसके लिए समय सीमा भी निर्धारित करते हुए अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सचिवालय में शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अर्बन चैलेंज फंड को लेकर भी अधिकारियों से चर्चा की। जिसके तहत अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को इस योजना के तहत हरियाणा में किए जाने वाले कार्य की योजना बारे पहलुओं को साझा किया। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने शहरी क्षेत्रों में वेस्ट वाटर के पुनः उपयोग (रीयूज) को लेकर भी गंभीरता से कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों

को निर्देशित किया कि शहरों में स्थापित एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) से निकलने वाले पानी का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। इस पानी को पार्कों की सिंचाई, उद्योगों तथा कृषि कार्यों में प्रयोग में लाने के लिए आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि ऐसी व्यवस्था बनाई जाए जिससे बड़ी-बड़ी इंडस्ट्री, पार्क और खेती में इस ट्रीटेड पानी का प्रभावी उपयोग हो सके। बकायदा यह भी कहा गया कि एसटीपी (सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) से पार्क तक अथवा जहां पानी का इस्तेमाल होना है, वहां लंबी अवधि तक चलने वाले पाइप लाइन भी बिछाए जाएं। पार्क, ग्रीन बेल्ट में तो इसे लेकर व्यवस्था करने पर खासा फोकस किया जाए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में मौजूदा सीवरेज व्यवस्था के संबंध में विस्तृत डेटा तैयार करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह आंकलन किया जाए कि किन-किन क्षेत्रों में कब और किस जनसंख्या के आधार पर सीवरेज सिस्टम डाला गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि टेंडर अलॉट होने के बाद कार्य लंबे समय तक लंबित न रहे। अधिकारियों ने जानकारी दी कि शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा 16 हजार किलोमीटर सडक़ों की जीआईएस मैपिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है। 'म्हारी सडक़' ऐप के माध्यम से इन सडक़ों से संबंधित प्राप्त शिकायतों पर कार्रवाई की जा रही है। शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को यह भी बताया कि विभाग के अंतर्गत आने वाले हरियाणा के विभिन्न निकाय क्षेत्रों में कुल 2,276 सडक़ों की पहचान की गई है।

राज्य सभा में क्रास वोटिंग के आरोपी विधायकों पर जल्द होगी कार्रवाई

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में हालही में हुए राज्य सभा चुनाव के दौरान क्रास वोटिंग के आरोपी पांच विधायकों पर कार्रवाई की तलवार लटक गई है। चंडीगढ़ स्थित कांग्रेस मुख्यालय में हुई अनुशासन समिति की बैठक में अब तक के घटनाक्रम पर अंतिम रिपोर्ट तैयार की गई। हरियाणा में 16 मार्च को हुए राज्य सभा चुनाव के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी कर्मवीर बोद्ध चुनाव तो जीत गए थे लेकिन पांच विधायकों पर क्रास वोटिंग के आरोप लगे। पार्टी ने विधायक नारायणगढ़ विधायक शैली गुर्जर, सढ़ौरा विधायक रेणु बाला, हथीन विधायक मोहम्मद इसरायल तथा पुन्हाना विधायक मोहम्मद इलियास को 18 मार्च को नोटिस जारी कर दिया। इसके बाद 20 मार्च को रतिया विधायक जरनैल सिंह को भी नोटिस जारी कर दिया गया। इस बीच मोहम्मद इसरायल तथा मोहम्मद इलियास ने नोटिस का जवाब नहीं दिया, जबकि तीन अन्य विधायकों द्वारा नोटिस का जवाब दे दिया गया। विधायकों के मुद्दे पर अंतिम निर्णय के लिए चंडीगढ़ स्थित कांग्रेस मुख्यालय में अनुशासन समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद धर्मपाल मलिक की अध्यक्षता में बैठक हुई। इस बैठक में समिति के सदस्य सचिव रोहित जैन के अलावा सदस्य अकरम खान, कैलाशो सैनी, पूर्व विधायक अनिल धंतोड़ी ने भाग लिया। करीब दो घंटे चली बैठक के दौरान उस समय स्थिति गंभीर हो गई जब विधायक शैली गुर्जर और रेणु बाला वहां पहुंची और उन्होंने कमेटी के सामने अपना पक्ष रखने की बात कही। हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद दोनो विधायक कमेटी के समक्ष पेश हुई और क्रास वोटिग पर अपना पक्ष रखा। बैठक के बाद अनुशासन समिति के चेयरमैन धर्मपाल मलिक ने कहा कि क्रॉस वोट करने वाले विधायकों के आरोपों व उनके द्वारा भेजे गए पत्रों का अवलोकन किया गया है। दो विधायकों ने आज कमेटी के समक्ष आकर अपना पक्ष रखा है। दो विधायकों की तरफ़ से कोई जवाब नहीं आया है,जिससे यह साफ़ होता है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की पांच अप्रैल की प्रस्तावित रैली की तैयारियों का डिप्टी स्पीकर ने लिया जायजा

एजेंसी

जींद। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा है कि पांच अप्रैल रविवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जनसभा को संबोधित करेंगे तथा तथा करोडो रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि जिन परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास प्रस्तावित है, उनकी सभी औपचारिकताएं समय से पहले पूरी कर ली जाएं। आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा एकलव्य स्टेडियम के सामने स्थित हुड्डा ग्राउंड का दौरा कर पांच अप्रैल को प्रस्तावित मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की धन्यवाद एवं विकास रैली की तैयारियों का जायजा लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान डीसी मोहम्मद इमरान रजा उनके साथ विशेष रूप से मौजूद रहे। डिप्टी स्पीकर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रैली के लिए सभी आवश्यक प्रबंध समय रहते पूरे किए जाएं ताकि कार्यक्रम सुचारू और व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके।

उन्होंने बताया कि सभा स्थल पर अस्थायी शौचालयों, स्टेज, पर्याप्त पेयजल, पंडाल में महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग बैठने की व्यवस्था की जाए। साथ ही गर्मी से बचाव के लिए पंखों और कूलरों की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्त पार्किंग और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के लिए कहा ताकि रैली में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर सुरक्षा के कड़े प्रबंध, धारा 163 लागू

उपायुक्त एवं जिला मैजिस्ट्रेट मोहम्मद इमरान रजा द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत आदेश जारी किए गए हैं। हरियाणा सरकार का आगामी चार अप्रैल को सफीदों तथा पांच अप्रैल को जींद में आगमन प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री की सुरक्षा के मद्देनजर उनके दौरे के दौरान सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष प्रतिबंध लागू किए गए हैं।

आग लगने से तीन एकड़ गेहूं की फसल जली

एजेंसी

जींद। जुलाना क्षेत्र के देशखेड़ा गांव में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अज्ञात कारणों से गेहूं की खड़ी फसल में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास के खेतों तक फैलने लगी।

घटना की सूचना तुरंत फायर ब्रिगेड को दी गई। जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। देशखेड़ा गांव निवासी किसान रवि ने बताया कि वह अपने खेत के पास ही मौजूद थे, तभी आसपास काम कर रहे अन्य किसानों ने उन्हें सूचना दी कि उनके खेत में आग लग गई है। प्राथमिक रूप से आग लगने का कारण बिजली की चिंगारी बताया जा रहा है। तेज हवा के कारण आग तेजी से फैलती चली गई।

जिससे काफी नुकसान हो गया। किसानों ने अपने स्तर पर भी आग बुझाने का प्रयास कियाए लेकिन आग इतनी तेजी से फैल रही थी कि उस पर काबू पाना मुश्किल हो गया। फायर ब्रिगेड की टीम के पहुंचने के बाद ही स्थिति नियंत्रण में आई। तब तक लगभग तीन एकड़ गेहूं की फसल जलकर पूरी तरह राख हो चुकी थी। घटना से किसान को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। पीड़ित किसान ने प्रशासन से उचित मुआवजे की मांग की है।

रेवाड़ी एम्स के लिए एक स्वतंत्र कैनाल आधारित वाटर वर्क्स स्थापित किया जाएगा : आरती सिंह राव

● परियोजना पर लगभग 26 करोड़ 83 लाख रुपये होंगे खर्च

एजेंसी

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार ने रेवाड़ी जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि गांव माजरा मुस्तिल भालखी स्थित एम्स के लिए एक स्वतंत्र कैनाल आधारित वाटर वर्क्स स्थापित किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को मुख्यमंत्री से मंजूरी मिल चुकी है और इसे सैद्धांतिक स्वीकृति भी प्रदान कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना पर लगभग 26 करोड़ 83 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।

विशेष बात यह है कि एम्स के लिए जल आपूर्ति का पूरा खर्च हरियाणा सरकार स्वयं वहन करेगी, जिससे संस्थान को भविष्य में किसी प्रकार की वित्तीय या आपूर्ति संबंधी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने जानकारी दी कि प्रस्तावित वाटर वर्क्स के माध्यम से प्रतिदिन करीब 1500 किलोलीटर पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। यह जल आपूर्ति अस्पताल के सुचारू

संचालन, स्वच्छता व्यवस्था और मरीजों की देखभाल के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना एम्स रेवाड़ी को एक स्वतंत्र और स्थायी जल स्रोत उपलब्ध कराएगी, जिससे संस्थान की कार्यक्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। साथ ही, यह कदम क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे को भी मजबूती प्रदान करेगा। मंत्री ने आगे कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और उन्हें आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

इस परियोजना के पूर्ण होने के बाद न केवल रेवाड़ी बल्कि आसपास के जिलों के लोगों को भी बेहतर और सुगम स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह पहल भविष्य में एम्स रेवाड़ी को एक अत्याधुनिक और आत्मनिर्भर स्वास्थ्य केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

स्वच्छता के साथ 'देसी खाद क्रांति' से गांवों की बदलेगी तस्वीर : सांसद धर्मबीर

एजेंसी

नारनौल। भिवानी-महेंद्रगढ़ के सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा है कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए अब गांवों में स्वच्छता के साथ-साथ समृद्धि का नया मॉडल तैयार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप गांवों में यूरिया के विकल्प के रूप में देसी खाद को बढ़ावा दिया जाएगाए जिससे कृषि को मजबूती मिलेगी और पर्यावरण संरक्षण भी सुनिश्चित होगा। सांसद धर्मबीर नारनौल स्थित पंचायत भवन में आयोजित डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कोऑर्डिनेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि पंचायतों की खाली जमीन पर:विकसित भारत जी-राम जी योजना' के तहत गड्ढे खोदकर जैविक खाद तैयार की जाएगी। इससे गांवों में कचरे का बेहतर प्रबंधन होगा और स्वच्छता के साथ किसानों को सस्ती व उपयोगी खाद उपलब्ध होगी। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत ठोस व तरल कचरा प्रबंधन परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और अंतिम व्यक्ति तक विकास की पहुंच सुनिश्चित करना है। मनरेगा के तहत जिले में जल संरक्षण, भूमि विकास और ग्रामीण संपर्क जैसे कार्यों पर चालू वित्त वर्ष में करीब 896 लाख रुपये खर्च किए जा चुके हैं। वहीं, अमृत सरोवर योजना के तहत जिले के सभी 80 चिन्हित तालाबों पर कार्य शुरू हो चुका है, जिनमें से कई पूरे भी हो चुके हैं। सांसद ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की सराहना करते हुए बताया कि वर्ष 2024-25 के लिए निर्धारित 1258 घरों के लक्ष्य के मुकाबले 1203 घर स्वीकृत किए जा चुके हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 1800 से अधिक स्वयं सहायता समूह महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इस बैठक में विधायक कंवर सिंह यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ यतेंद्र राव व नगर परिषद चेयरपर्सन कमलेश सैनी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

युद्ध के असर से कमो डिटी बाजारों में भारी गिरावट, ऊर्जा संकट ने बढ़ाई चिंता

– एफपीआई बिकवाली और महंगाई के खतरे से निवेशकों में सतर्कता

नई दिल्ली ।

वैश्विक तनाव और ऊर्जा संकट के चलते वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल तेज हो गई है। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में तेजी से भारत जैसे आयातक देशों की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ने की आशंका गहरा गई है। युद्ध के चलते वैश्विक कमोडिटी बाजारों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, जिसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पर पड़ा है। मार्च महीने में प्रमुख सूचकांक में दो अंकों की गिरावट दर्ज की गई, जिसकी बड़ी वजह विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली रही। कैलेंडर वर्ष 2026 की पहली तिमाही बाजार के लिए कई वर्षों में सबसे कमजोर साबित हुई है। ऊर्जा कीमतों में उछाल से कंपनियों की लागत बढ़ने की आशंका है, जिससे उनके मुनाफे पर दबाव पड़ सकता है। विशेष रूप से उन सेक्टरों पर असर अधिक दिख सकता है, जो कच्चे माल और ईंधन पर ज्यादा निर्भर हैं। इसके अलावा, होर्मुज स्ट्रेट में बाधा के कारण उर्वरकों की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे आने वाले बुवाई सीजन और खाद्यान्न उत्पादन पर असर पड़ सकता है। इससे महंगाई बढ़ने का खतरा भी पैदा हो गया है। हालांकि, इस नकारात्मक माहौल के बावजूद ब्रोकरेज हाउस और विश्लेषक पूरी तरह निराश नहीं हैं। उनका मानना है कि मौजूदा संकट अस्थायी है और हालात सामान्य होने पर बाजार में सुधार संभव है। अगले एक साल के लिए बाजार के अनुमानित लक्ष्य में बहुत मामूली कटौती की गई है, जो निवेशकों के भरोसे को दर्शाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, मौजूदा गिरावट के बीच चुनिंदा सेक्टरों और मजबूत कंपनियों में निवेश के अवसर भी उभर सकते हैं,

खासकर वे जो कमोडिटी कीमतों में बढ़ोतरी से लाभान्वित हो सकती हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 10.29 अरब डॉलर घटा, 688 अरब डॉलर पर आया

मुंबई।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार चौथे सप्ताह घटकर 688 अरब डॉलर पर आ गया है। रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार 27 मार्च को समाप्त सप्ताह में भंडार में 10.29 अरब डॉलर की कमी दर्ज की गई। इससे पहले यह 728.49 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था। विशेषज्ञों का मानना है कि रुपये में कमजोरी को थामने के लिए बाजार में डॉलर की बिक्री की गई, जिसके चलते भंडार में गिरावट आई। साथ ही गोल्ड रिजर्व में भी कमी दर्ज की गई है। हालांकि अर्थशास्त्रियों के मुताबिक मौजूदा भंडार आयात कवर के लिहाज से अब भी संतोषजनक स्थिति में है।

भारतीय शेयर बाजार में तीन दिन रहा बड़ा उतार-चढ़ाव

- पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान संघर्ष की वजह से निवेशकों का मनोबल कमजोर रहा

मुंबई ।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। महावीर जयंती 31 मार्च और गुड फ्राइडे 3 अप्रैल के अवसर पर बाजार बंद रहने के कारण केवल तीन दिन ही कारोबार हुआ। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान संघर्ष की वजह से निवेशकों का मनोबल कमजोर रहा, जबकि सप्ताह के मध्य में सुधार की उम्मीदों ने बाजार को हरा निशान दिखाने में मदद की। विदेशी निवेशकों की निकासी और घरेलू शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत ने सप्ताह की शुरुआत में गिरावट का माहौल बनाया, लेकिन ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी और वैश्विक बाजारों में तेजी से बाजार ने रिकवरी दिखाई। सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी में शुरुआती कारोबार में ही बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

बीएसई सेंसेक्स 1,191.24 अंक गिरकर 72,391.98 पर आ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 349.45 अंक गिरकर 22,470.15 के स्तर पर था। दिन के अंत में गिरावट और तेज़ हुई और सेंसेक्स 1,635.67 अंक गिरकर 71,947

.55 पर, निफ्टी 488.20 अंक गिरकर 22,331.40 पर बंद हुआ। विदेशी निधियों की निकासी ने इस कमजोरी को और बढ़ाया। बुधवार को बाजार ने मजबूत शुरुआत की। वैश्विक बाजारों में तेजी और अमेरिका-ईरान संघर्ष के जल्द समाधान की उम्मीद से निवेशकों का भरोसा बढ़ा। सेंसेक्स ने शुरुआती कारोबार में 1,899.53 अंक की तेजी दिखाई और 73,847.08 पर पहुंचा, जबकि निफ्टी 572.55 अंक बढ़कर 22,903.95 पर रहा। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,186.77 अंक बढ़कर 73,134.32 पर, और निफ्टी 348.00 अंक बढ़कर 22,679.40 पर बंद हुआ। गुरुवार को शुरुआती बिकवाली के बाद दिन के सत्र में बाजार ने रिकवरी दिखाई। सेंसेक्स अपने निचले स्तर से लगभग 950 अंकों की रिकवरी कर पाया और निफ्टी 22,450 का स्तर पार करने में सफल रहा। दोपहर 1 बजकर 43 मिनट पर सेंसेक्स 72,661.06 पर और निफ्टी 22,533.30 पर कारोबार कर रहे थे, जिससे स्पष्ट हुआ कि निवेशक निचले स्तर पर ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी कर रहे हैं। इस दौरान रुपया भी डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ।

पीएनबी अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर तबादलों पर पुनर्विचार की मांग की

– अधिकारियों के स्थानांतरण से बैंक के प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव का खतरा

नई दिल्ली ।

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के वरिष्ठ अधिकारियों के संगठन ने बैंक प्रबंधन से बड़े पैमाने पर किए गए तबादलों पर पुनर्विचार की मांग की है। संगठन का कहना है कि ऐसे अचानक और व्यापक स्थानांतरण बैंक के संचालन और प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं। ऑल इंडिया पंजाब नेशनल बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन ने प्रबंध निदेशक एवं सीईओ अशोक चंद्रा को पत्र लिखकर बताया कि 1,142 स्केल-4 अधिकारियों के तबादले किए गए हैं, जो कुल इस स्तर के अधिकारियों का लगभग 25 प्रतिशत हैं। संघ ने आरोप लगाया कि यह कदम नीति का पालन किए बिना मनमाने ढंग से उठाया गया और इसमें महिलाओं को भी राहत नहीं दी गई। संगठन ने प्रबंधन से आग्रह किया है कि वह संतुलित और मानवीय नीति अपनाए, ताकि बैंक की तरक्की और कर्मचारियों का मनोबल बना रहे। पीएनबी में लगभग एक लाख

कर्मचारी हैं, जिनमें स्केल-4 स्तर के करीब 4,000 अधिकारी शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इतने बड़े पैमाने पर तबादले बैंक के संचालन और ग्राहक सेवा पर असर डाल सकते हैं।

बीते डेढ़ महीने में सोना 41 हजार और चांदी 1.5 लाख रुपए टूटी

– डॉलर की मजबूती और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के कारण हो रही गिरावट

मुंबई ।

भारत में बीते डेढ़ महीने में सोने और चांदी की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई है। इंडियन बुलियन ज्वैलर्स लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार 29 जनवरी 2026 को 24 कैरेट सोना 1,75,340 रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो 2 अप्रैल 2026 को घटकर 1,34,293 रुपए हो गया। इसी अवधि में चांदी की कीमत भी 3,79,888 से घटकर 2,27,813 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। इस तरह केवल डेढ़ महीने में सोने में 41,047 और चांदी में 1,52,075 रुपए की गिरावट दर्ज की गई। पिछले एक महीने की बात करें तो 2 मार्च 2026 को सोना 1,67,471 और चांदी 2,89,848 रुपए पर थी। तब से अब तक सोने में 33,178 रुपए और चांदी में 62,035 रुपए की कमी आई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह गिरावट मुख्य रूप से डॉलर की मजबूती और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के कारण हो रही है।

युद्ध जैसी वैश्विक घटनाओं और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश के लिए डॉलर की ओर आकर्षित किया है, जिससे कीमती धातुओं की मांग घट रही है। विश्लेषकों ने

चेतावनी दी है कि सोने और चांदी में निवेश जोखिम से मुक्त नहीं है और कीमतों की अस्थिरता अभी भी जारी रह सकती है।

इसलिए निवेशकों को बाजार की स्थिति और अंतरराष्ट्रीय रुझानों पर ध्यान देते हुए निवेश करने की सलाह दी जाती है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी अवधि में सोना और चांदी फिर से सुरक्षित निवेश विकल्प बन सकते हैं, लेकिन वर्तमान दौर में तेजी से उतार-चढ़ाव के कारण सतर्कता जरूरी है।

प्याज का निर्यात 90 फीसदी घटा

-2200 रुपए क्विटल की प्याज, 800 रुपए क्विंटल पर आई

-बाजार में मांग कम, किसान परेशान

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख प्याज मंडियों में इस समय हालात चिंताजनक बने हुए हैं। निर्यात में करीब 90 फीसदी गिरावट आने से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। पिछले साल जिस प्याज का भाव 2200 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच गया था, वही अब घटकर करीब 800 रुपए प्रति क्विंटल पर बिक रही है। मांग में कमी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में सुस्ती का सीधा असर घरेलू कीमतों पर पड़ा है।व्यापारियों का कहना है कि विदेशों में ऑर्डर कम मिलने और परिवहन लागत बढ़ने से निर्यात प्रभावित हुआ है। वहीं स्थानीय बाजारों में भी खपत घटने से कीमतों में लगातार गिरावट देखी जा रही है। इसका सबसे ज्यादा असर किसानों पर पड़ा है, जिन्हें लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा है। कई किसान सरकार से राहत पैकेज और निर्यात प्रोत्साहन की मांग कर रहे हैं, ताकि उन्हें आर्थिक संकट से उबारा जा सके।

ट्रंप के टैरिफ का भारत पर संभा वित असर

नई दिल्ली ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाओं तथा उनके एक्टिव इंग्रेडिएंट्स पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने का फैसला किया है। इसका भारत पर संभावित असर रहेगा, क्योंकि देश की फार्मा कंपनियों का अमेरिका में बड़ा निर्यात बाजार है। फिलहाल जेनेरिक, बायोसिमिलर और आवश्यक दवाएं टैरिफ से बाहर हैं, जिससे कई कंपनियों की निर्यात गतिविधियां सुरक्षित हैं। हालांकि, पेटेंटेड दवाओं और एपीआई पर बढ़ते टैरिफ से भारतीय कंपनियों की लागत बढ़ सकती है और उनका प्रतिस्पर्धात्मक लाभ घट सकता है। टैरिफ से अमेरिका में उत्पादन और रिसर्च को बढ़ावा मिलेगा। लंबे समय में इससे भारत में निवेश, उत्पादन और वैश्विक सप्लाई चेन पर दबाव पड़ सकता है, जबकि अमेरिकी बाजार में भारतीय फार्मा कंपनियों की हिस्सेदारी सीमित होने की संभावना है।

नए हफ्ते आईपीओ बाजार रहेगा सुस्त, केवल 2 नए इश्यू खुलेंगे

मुंबई ।

6 अप्रैल से शुरू हो रहे सप्ताह में प्राइमरी मार्केट में ज्यादा गतिविधि नहीं रहने की संभावना है। इस दौरान केवल दो नए आईपीओ निवेशकों के लिए खुले रहेंगे, जबकि एक पहले से खुला आईपीओ भी जारी रहेगा। वहीं ``` वि विध इलेक्ट्रोमेक के शेयर बाजार में डेब्यू करेंगे। सेफ्टी कंट्रोल एंड` डिवाइस का 48 करोड़ रुपए का आईपीओ 6 अप्रैल से खुलकर 8 अप्रैल को बंद होगा। प्राइस बैंड 75-80 रुपए प्रति शेयर और लॉट साइज 1,600 शेयर है।

यह एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होगा और संभावित लिस्टिंग 13 अप्रैल को बीएसई एसएमई पर होगी। प्रोस्फेयर सेलेस्टा का आईपीओ 10 अप्रैल से 16 अप्रैल तक निवेशकों के लिए खुलेगा। कंपनी 244.65 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रख रही है। प्राइस बैंड 10 लाख से 10.5 लाख रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। संभावित लिस्टिंग 24 अप्रैल को बीएसई पर हो सकती है।

27 मार्च को खुला इमाइक टेक्नोलॉजी का आईपीओ 8 अप्रैल तक खुलेगा। इसे अब तक करीब 35 फीसदी सब्सक्रिप्शन मिला है।

वहीं` विविध इलेक्ट्रोमेक के 130.54 करोड़ के शेयर 7 अप्रैल को एनएसई एसएमई पर लिस्ट होंगे, जो पूरी तरह सब्सक्राइब हो चुके हैं।

वेदांता का मार्च तिमाही में एल्युमिनियम, जिंक का उत्पादन बढ़ा, लौह अयस्क का घटा

– वित्त वर्ष 2025–26 की अंतिम तिमाही में कंपनी का उत्पादन क्षेत्रवार मिला–जुला रहा

नई दिल्ली।

खनन और ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही का परिचालन परिणाम जारी कर` दिया है। रिपोर्ट में एल्युमिनियम और जस्ता उत्पादन में वृद्धि दर्ज की गई, जबकि तेल, लौह अयस्क और इस्पात उत्पादन में गिरावट देखने को मिली। कंपनी के अनुसार मार्च तिमाही में कुल एल्युमिनियम उत्पादन में 2 फीसदी वृद्धि हुई। इसके साथ ही जिंक इंडिया के खनन धातु उत्पादन में भी 2 फीसदी का इजाफा हुआ। यह संकेत है कि धातु खंडों में मांग और परिचालन क्षमता अपेक्षाकृत मजबूत बनी हुई है। हालांकि, तेल एवं गैस खंड में कंपनी का औसत दैनिक सकल उत्पादन 15 फीसदी घटकर 81,500 बैरल प्रति दिन रह गया। वहीं बिक्री-योग्य लौह अयस्क उत्पादन में 3 फीसदी और इस्पात उत्पादन में 1 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। कंपनी ने बयान में कहा कि वह कुशलता

बढ़ाने, परिचालन पैमाने का विस्तार करने और दीर्घकालिक मूल्य सृजन पर ध्यान केंद्रित कर रही है। वेदांता का व्यवसाय वैश्विक प्राकृतिक संसाधन और प्रौद्योगिकी समूह के तहत खनिज, ऊर्जा संक्रमण धातुएं, तेल एवं गैस और बिजली जैसे प्रमुख क्षेत्रों में फैला हुआ है।

विश्लेषकों का मानना है कि यह मिला-जुला प्रदर्शन वैश्विक कच्चे माल की कीमतों, मांग में उतार-चढ़ाव और ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों को दर्शाता है। एल्युमिनियम और जस्ता में वृद्धि कंपनी की कुछ मजबूत धातु लाइन को उजागर करती है

, जबकि तेल, लौह अयस्क और इस्पात में गिरावट उद्योग में अस्थिरता और बाहरी दबाव का संकेत देती है।

इनॉक्सएपी ने होसुर में नया शुद्ध तरल ऑक्सीजन प्लांट शुरू किया

नई दिल्ली ।

औद्योगिक, इलेक्ट्रॉनिक और मेडिकल गैस निर्माता इनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (इनॉक्सएपी) ने तमिलनाडु के होसुर में नया अति शुद्ध (यूपीएच) तरल ऑक्सीजन प्लांट सफलतापूर्वक चालू किया है। कंपनी का कहना है कि यह कदम देश के उन्नत विनिर्माण इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। कंपनी ने बताया कि नया प्लांट विशेष रूप से सेमीकंडक्टर और सोलर सेल निर्माण जैसे उभरते क्षेत्रों को समर्थन देगा। इससे उच्च गुणवत्ता वाली तरल ऑक्सीजन की उपलब्धता बढ़ेगी और घरेलू विनिर्माण क्षमता मजबूत होगी। इनॉक्सएपी का यह कदम तकनीकी नवाचार और उन्नत विनिर्माण इकोसिस्टम को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इससे देश में औद्योगिक और मेडिकल गैस के क्षेत्र में मजबूती आएगी।

पश्चिम बंगाल में बढ़ती अराजकता लोकतंत्र के लिए चुनौती

ललित गर्ग

नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है।

पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था, आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें लगातार कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्य में हिंसा, अराजकता अलोकतांत्रिकता और राजनीतिक असहिष्णुता की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है। हाल ही में मालदा जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अर्थात एसएआर को लेकर जिस प्रकार का असंतोष और तनाव देखने को मिला, वह भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास को दशार्ता है। मतदाता सूची में नाम जुड़ना या हटना एक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके लिए स्पष्ट नियम और प्रावधान होते हैं। यदि इस प्रक्रिया को राजनीतिक चश्मे से देखा जाएगा या प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाया जाएगा, तो निष्पक्ष चुनाव की पूरी प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाएगी। एसएआर प्रक्रिया में बाधक बनते हुए जिसे तरह से न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाए जाने की घटना सामने आयी है, वह न केवल चिंताजनक है बल्कि लोकतंत्र के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। यह उस व्यापक घातक एवं विडम्बनापूर्ण प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें प्रशासनिक और न्यायिक तंत्र को भी राजनीतिक दबाव और भीड़तंत्र के आगे झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विशेष रूप से यह तथ्य कि बंधक बनाए गए अधिकारियों में महिलाएं भी शामिल थीं, इस घटना को और अधिक गंभीर बना देता है। यह न केवल कानून के शासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता को भी उजागर करता है।

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास नया नहीं है। 1960 और 70 के दशक में नक्सल आंदोलन के दौरान हिंसा का जो दौर शुरू हुआ था, उसने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया। इसके बाद वामपंथी शासन के लंबे कालखंड में भी राजनीतिक विरोधियों के प्रति असहिष्णुता और हिंसा की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहीं। सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल कांग्रेस एवं ममता बनर्जी के शासन में यह प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई, बल्कि नए स्वरूप में सामने आई। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या केवल किसी एक दल या विचारधारा की नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र में व्याप्त एक गहरे संकट की है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, चुनावों के निकट आते ही जिस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं, वे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे का संकेत देती हैं।

मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे संवेदनशील कार्य में लगे अधिकारियों को बंधक बनाना यह दशार्ता है कि कुछ तत्व चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता और निष्पक्ष चुनाव के अधिकार पर सीधा हमला है।

इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता उल्लेखनीय है। समय-समय पर न्यायालय ने राज्य सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी की याद दिलाई है। किंतु यह भी एक चिंताजनक तथ्य है कि इन निर्देशों का जमीनी स्तर पर अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखाई देता। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या राज्य प्रशासन एवं सत्तारूढ पार्टी इन निर्देशों को लागू करने में अक्षम है या इच्छुक नहीं है? यदि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश भी प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। चुनाव के समय बढ़ती अराजकता के पीछे राजनीतिक बौखलाहट भी एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती है। जब किसी दल को अपनी लोकप्रियता में गिरावट का भय होता है, तो वह अक्सर लोकतांत्रिक मयार्दाओं को दरकिनार कर असंवैधानिक उपायों का सहारा लेने लगता है। पश्चिम बंगाल में भी कुछ ऐसी ही प्रवृत्तियां देखने को मिल रही हैं, जहां सत्तारूढ़ दल के कार्यकताओं पर विपक्ष को डराने, प्रशासनिक कार्यों में बाधा डालने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगते रहे हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।

नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति इन सभी पहलुओं पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि चुनाव प्रक्रिया ही निष्पक्ष और शांतिपूर्ण नहीं रह जाती, तो लोकतंत्र का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मतदाता का विश्वास होता है, और यदि मतदाता को यह लगने लगे कि मतदाता सूची, चुनाव प्रक्रिया या प्रशासन किसी राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वतः कमजोर होने लगती है। इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासनिक नाकामी का प्रश्न भी गंभीरता से सामने आता है। किसी भी राज्य में यदि अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं, न्यायिक अधिकारी तक बंधक बना लिए जाते हैं और पुलिस या प्रशासन समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाता, तो यह प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी का स्पष्ट प्रमाण है। प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून व्यवस्था बनाए रखना और सरकारी कार्यों को निर्भय वातावरण में संपन्न कराना होता है। यदि प्रशासन यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है, तो इससे जनता में भय और अविश्वास दोनों बढ़ते हैं। जनता का विश्वास ही किसी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी होता है, और जब यही विश्वास डगमगाने लगता है, तो शासन की वैधता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगते हैं।

राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। लोकतंत्र में राजनीतिक दल केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कार्यकताओं को संयम, कानून के सम्मान और लोकतांत्रिक मयार्दाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करें। लेकिन जब राजनीतिक प्रतिस्पर्धा कटु संघर्ष में बदल जाती है और कार्यकताओं को किसी भी तरह से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, तो अराजकता की स्थिति उत्पन्न होती है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक दल चुनाव को युद्ध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्सव के रूप में देखें। आज आवश्यकता इस बात की है कि पश्चिम बंगाल की घटनाओं को केवल एक राज्य की समस्या न मानकर लोकतंत्र के लिए चेतावनी के रूप में देखा जाए। यदि प्रशासनिक तंत्र कमजोर होगा, राजनीतिक दल मयार्दा नहीं रखेंगे, और जनता का विश्वास कम होता जाएगा, तो लोकतंत्र केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान या न्यायालय नहीं कर सकते, इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक निष्पक्षता और जनता की जागरूकताकृतीनों का संतुलन आवश्यक है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान परिस्थितियां हमें यही संदेश देती हैं कि लोकतंत्र को केवल चुनाव से नहीं, बल्कि व्यवस्था की निष्पक्षता, कानून के शासन और नागरिक विश्वास से मजबूत बनाया जा सकता है।

इस परिप्रेक्ष्य में आवश्यक है कि राज्य सरकार, चुनाव आयोग और न्यायपालिका मिलकर ठोस कदम उठाएं। कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाए, दोषियों के खिलाफ त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई हो और प्रशासनिक तंत्र को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखा जाए। इसके साथ ही राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मयार्दाओं का पालन करें। निश्चित ही यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति एक चेतावनी है कि यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो यह अराजकता और गहराई तक फैल सकती है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि हम सभी मिलकर कानून, नैतिकता और सहिष्णुता के मूल्यों को पुनः स्थापित करें। पश्चिम बंगाल आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां से वह या तो लोकतांत्रिक पुनर्जागरण की ओर बढ़ सकता है या अराजकता के गहरे गर्त में गिर सकता है। यह निर्णय न केवल राजनीतिक नेतृत्व, बल्कि पूरे समाज को मिलकर लेना होगा।

संपादकीय

बंगाल में अराजकता

पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत निर्वाचन नामावलियों के निस्तारण में लगे, सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। इन सात बंधक अधिकारियों में तीन महिलाएं भी शामिल थीं जिन्हें नौ घंटे तक बिना खाना-पानी के रोके रखा गया। स्वाभाविक रूप से इस घटना पर सुप्रीम कोर्ट ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव व डीजीपी समेत कई उच्च अधिकारियों का कारण बताओ नोटिस भी दिए हैं। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर प्रक्रिया को पूरा करने के लिए सात अप्रैल की तिथि निर्धारित की है। पिछले महीने तक साठ लाख में 47 लाख आपत्तियों का निस्तारण होने पर सुप्रीम कोर्ट ने भी संतुष्टि व्यक्त की है। बहरहाल, इसके बावजूद एसआईआर प्रक्रिया को लेकर किसी व्यक्ति को कोई शिकायत है तो उसका निस्तारण निर्धारित प्रक्रिया से ही किया जा सकता है। बहरहाल, मालदा का यह घटनाक्रम कानून व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं के लिए भी अग्निपरीक्षा है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने पश्चिम बंगाल को राजनीतिक रूप से ध्रुवीकृत तथा चुनाव आयोग ने राज्य में जंगलराज होने की बात कही है। ध्यान रहे कि इससे पहले भी निर्वाचन अधिकारियों से मारपीट व घेराव की घटनाएं सामने आई हैं। जाहिर बात है कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर कुछ लोगों में असंतोष है। मतदाता सूची से नाम कटने वाले लोगों की तल्ख प्रतिक्रिया स्वाभाविक है। लेकिन यह तंत्र के प्रति बढ़ते अविश्वास का भी प्रतीक है, जिसके चलते ही घटनाक्रम के बाद सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी ने पश्चिम बंगाल में इस महीने होने वाले चुनाव से पहले कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। अब राज्य में विधानसभा चुनाव होने में कुछ ही दिन बाकी हैं। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में इस माह की 23 व 29 अप्रैल को मतदान होना है। ऐसे में मालदा का घटनाक्रम निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए चुनौती दशार्ने वाला है।

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं।

इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया।

संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं।

भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की मनोरुचि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा, जिसकी अंतःगतिविधियां सही दिशा में चलने लगीं हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता, अवसाद, अवास, आलस्य, आवेश, दैन्य आदि से दूषित हो रहा है, उसके लिए अच्छी परिस्थितियां और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।

अफगानिस्तान से लेकर भारत तक भूकंप के झटके!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

भारत मे दिल्ली-एनसीआर सहित समूचे उत्तर भारत में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके के आने पर लोग घरों से बाहर निकल गए। ये झटके दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा राजस्थानऔर पंजाब सहित कई प्रदेशों में महसूस किए गए हैं। इस भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में बताया जा रहा है। दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस होने से लोग दहशत में आ गए। गनीमत रही कि भूकंप से कहीं जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान बॉर्डर क्षेत्र में बताया जा रहा है। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.9 मापी गई है। भूकंप के झटके जम्मू-कश्मीर के उधमपुर, पुंछ और कश्मीर घाटी के कई इलाकों में महसूस किए गए हैं। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा क्षेत्र में जमीन के अंदर 175 किलोमीटर नीचे था। भूकंप का केंद्र जमीन के काफी अंदर होने की वजह से इसका असर कम हुआ है। अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सहित उत्तर भारत में भूंकप आने से पहले तिब्बत में धरती हिली थी। तिब्बत में बीती रात करीब 8.12 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। तिब्बत में आए भूकंप की तीव्रता 3.2 मापी गई थी। पिछले साल म?यांमार और थाईलैंड में दोपहर के समय आए भयंकर भूकंप को रिक?टर पैमान पर 7.9 की तीव्रता का नापा गया था। इतने तेज भूकंप के कारण दोनों ही देशों में भारी तबाही हुई थी। इन देशों की विशाल इमारतें और पुल ढह गए और भारी जान माल का नुकसान हुआ था।थाईलैंड के प्रधानमंत्री शिनवात्रा ने बैंकाक के अंदर आपातकाल की घोषणा की थी। इस भूकंप का केंद्र म्यांमार बताया गया था। जिसका भारी प्रभाव थाईलैंड तक पड़ा था। बैंकॉक में 7.9 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप से इमारतें हिलने लगीं थी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और जर्मनी के जीएफजेड भूविज्ञान केंद्र ने बताया कि दोपहर को यह भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर आया था, जिसका केंद्र म्यांमार में था। ग्रेटर बैंकॉक क्षेत्र की आबादी 170 लाख से अधिक है, जिनमें से कई लोग ऊंची इमारतों वाले अपार्टमेंट में रहते हैं।दोपहर करीब डेढ़ बजे भूकंप आने पर इमारतों में अलार्म बजने लगे और घनी आबादी वाले मध्य बैंकॉक की ऊंची इमारतों एवं होटल से लोगों को बाहर निकाला गया। भूकंप इतना शक्तिशाली था कि कुछ ऊंची इमारतों के अंदरूनी हिस्सों में 'स्वीमिंग पूल' में पानी में लहरें उठती दिखीं। भूकंप का केंद्र मध्य म्यांमार में था, जो मोनीवा शहर से लगभग 50 किलोमीटर पूर्व में है। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए जहां सैंकड़ो लोग इमारतों से बाहर निकल आए। हालांकि जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने बताया कि म्यांमार में 6.9 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र मंडाले शहर के पास 10 किमी की गहराई पर था। म्यांमार दुनिया के सबसे भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्रों में से एक माना जाता है। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, असम और नागालैंड राज्यों में आज आए भूकंप से लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। वही दिल्ली व उसके आसपास के क्षेत्र में विगत वर्ष 17 फरवरी की सुबह भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए थे,जिसमे कई सेकंड तक धरती डोलती रही थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.0 मापी गई थी, इसका केंद्र दिल्ली के पास ही धरती से 5 किलोमीटर की गहराई में था। इसीलिए तेज झटके महसूस हुए। कुछ सेकंड तक चलने वाले भूकंप के झटके इतने तेज थे कि इमारतों के अंदर जोरदार कंपन महसूस हुआ। भूकंप सुबह 5 बजकर 36 मिनट पर आया था, जिससे लोगों की नींद उड़ गई थी।भूकंप के झटके दिल्ली-एनसीआर भूकंपीय क्षेत्र 4 में आते है, जिससे यहां मध्यम से तीव्र भूकंप आने का खतरा रहता है। समय-समय पर दिल्ली एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस होते रहते हैं, लेकिन इस तीव्रता के झटके बहुत समय बाद महसूस किए गए हैं। उत्तराखंड समेत नेपाल और भारत के अन्य क्षेत्रों में धरती बार बार डोलने लगती है। भूकंप के तेज झटकों से लोग दहशत में आ जाते है। सन 2022 में आए भूकंप के झटके इतने तेज थे कि गहरी नींद में सोए लोग हड़बड़ाहट में उठे और घरों से बाहर की ओर भागे थे।उस समय उत्तराखंड में भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.5 मापी गई थी। दिल्ली के साथ ही नोएडा और गुरुग्राम में भी कई सेकेंड तक भीषण झटके महसूस किए गए। इसके कारण लोग उठ गए और कई लोग अपनी सोसायटी में बाहर निकल आए।ऐसा लगा कि बेड को कोई बहुत तेज धक?का मार रहा है। इस दौरान घर के फैन और झूमर भी भूकंप के असर के कारण तेजी से हिलने लगे। भूकंप पृथ्वी की सतह के हिलने को कहते हैं। यह पृथ्वी के स्थलमण्डल में ऊर्जा के अचानक मुक्त हो जाने के कारण उत्पन्न होने वाली भूकम्पीय तरंगों की वजह से होता है। भूकम्प बहुत हिंसात्मक हो सकते हैं और कुछ ही क्षणों में लोगों को गिराकर चोट पहुँचाने से लेकर पूरी आबादी को ध्वस्त

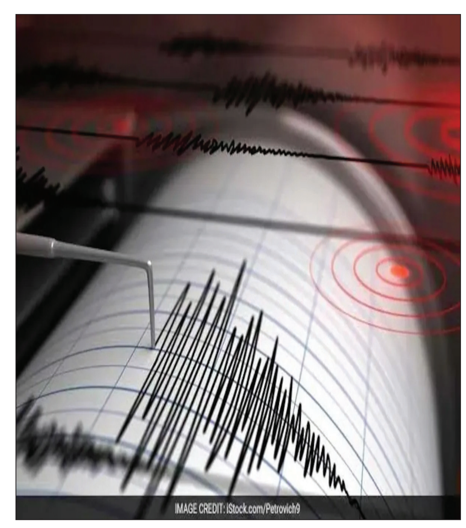

कर सकने की इसमें क्षमता होती है।भूकंप का मापन भूकम्पमापी यंत्र से किया जाता है, जिसे सीस्मोग्राफ कहते है। 3 या उस से कम रिक्टर परिमाण की तीव्रता का भूकंप अक्सर अगोचर होता है, जबकि 7 रिक्टर की तीव्रता का भूकंप बड़े क्षेत्रों में गंभीर क्षति का कारण बन जाता है।भूकंप के झटकों की तीव्रता का मापन मरकैली पैमाने पर किया जाता है।पृथ्वी की सतह पर, भूकंप अपने आप को, भूमि को हिलाकर या विस्थापित कर के प्रकट करता है। जब एक बड़ा भूकंप उपरिकेंद्र अपतटीय स्थिति में होता है, यह समुद्र के किनारे पर पर्याप्त मात्रा में विस्थापन का कारण बनता है। भूकंप के झटके कभी-कभी भूस्खलन और ज्वालामुखी को भी पैदा कर सकते हैं। भूकंप अक्सर भूगर्भीय दोषों के कारण आते हैं।

(लेखक सामाजिक चिंतक व वरिष्ठ साहित्यकार है)

नारी शक्ति वंदन अधिनियमः प्रतिनिधित्व से सशक्तिकरण तक

सौरभ वार्ष्णेय

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में महिलाओं की आबादी लगभग आधी है, लेकिन राजनीति में उनका प्रतिनिधित्व लंबे समय तक सीमित रहा। इसी असंतुलन को दूर करने के उद्देश्य से पारित महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) एक ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। यह अधिनियम लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करता है। यह कानून केवल सीटों का आरक्षण नहीं, बल्कि लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जब महिलाएं नीति-निर्माण में अधिक संख्या में शामिल होंगी, तो शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर अधिक संवेदनशील और प्रभावी निर्णय सामने आ सकते हैं। हालांकि अधिनियम पारित हो चुका है, लेकिन इसका क्रियान्वयन जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। यानी, इसके वास्तविक प्रभाव को देखने में समय लग सकता है। यह देरी कहीं न कहीं इसकी तत्काल प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लगाती है।

सिर्फ कानून बना देने से ही महिलाओं का सशक्तिकरण सुनिश्चित नहीं होता। समाज में पितृसत्तात्मक सोच, राजनीतिक दलों में टिकट वितरण की असमानता, और चुनावी खर्च जैसे मुद्दे अभी भी बाधा बने हुए हैं। इसलिए जरूरी है कि राजनीतिक दल भी महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाएं।यह अधिनियम राजनीतिक दलों की वास्तविक प्रतिबद्धता की भी परीक्षा है। क्या वे महिलाओं को केवल आरक्षित सीटों तक सीमित रखेंगे या सामान्य सीटों पर भी उन्हें पर्याप्त अवसर देंगे? यही इस कानून की सफलता का असली पैमाना होगा।नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारतीय लोकतंत्र को अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर है। लेकिन इसकी सफलता केवल इसके पारित होने में नहीं, बल्कि इसके प्रभावी क्रियान्वयन और सामाजिक मानसिकता में बदलाव पर निर्भर करेगी। यदि इसे सही भावना और नीतियों के साथ लागू किया गया, तो यह भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है।

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में महिलाओं की जनसंख्या लगभग आधी है, लेकिन संसद और विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व अभी भी सीमित बना हुआ है। यह स्थिति केवल आंकड़ों की असमानता नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करती है। जब निर्णय लेने वाली संस्थाओं में समाज के आधे हिस्से की भागीदारी कम हो, तो नीतियों में उनकी जरूरतों और दृष्टिकोण का समुचित प्रतिबिंब कैसे दिखाई देगा? भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी का इतिहास संघर्ष और धीरे-धीरे हुए विस्तार का रहा है। स्थानीय निकायों में 33 प्रतिशत आरक्षण ने निश्चित रूप से महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई है, जिससे ग्रामीण स्तर पर नेतृत्व के नए उदाहरण सामने आए हैं। लेकिन यही प्रगति राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर नहीं दिखती। संसद में महिलाओं की संख्या अभी भी अपेक्षाकृत कम है, जो यह दशार्ती है कि राजनीतिक दलों की प्राथमिकताओं में महिलाओं को पर्याप्त स्थान नहीं मिल रहा। इस असंतुलन के पीछे कई कारण हैं—सामाजिक रूढ़िवादिता, आर्थिक निर्भरता, शिक्षा और अवसरों की कमी, तथा राजनीति में बढ़ता अपराधीकरण और धनबल। महिलाएं अक्सर चुनाव लड? के लिए आवश्यक संसाधनों और समर्थन से वंचित रहती हैं। साथ ही, राजनीतिक दल भी उन्हें ₹विनिंग कैंडिडेट₹ के रूप में कम आंकते हैं, जिससे टिकट वितरण में भेदभाव दिखाई देता है।हालांकि, हाल के वर्षों में महिला आरक्षण विधेयक को लेकर चर्चा और पहल ने उम्मीद जगाई है। यदि संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू होता है, तो यह एक ऐतिहासिक कदम होगा, जो न केवल प्रतिनिधित्व बढ़ाएगा बल्कि नीति-निर्माण में संतुलन भी लाएगा।फिर भी, केवल आरक्षण ही समाधान नहीं है। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता, और सामाजिक सोच में बदलाव भी उतना ही आवश्यक है। राजनीतिक दलों को चाहिए कि वे स्वेच्छा से अधिक संख्या में महिलाओं को टिकट दें और नेतृत्व के अवसर प्रदान करें। साथ ही, समाज को भी महिलाओं के नेतृत्व को स्वीकार करने की मानसिकता विकसित करनी होगी। एक सशक्त लोकतंत्र वही है जिसमें हर वर्ग की आवाज बराबरी से सुनी जाए। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल उनका अधिकार नहीं, बल्कि देश के समग्र विकास और बेहतर शासन की अनिवार्यता है। अब समय आ गया है कि आधी आबादी को आधा प्रतिनिधित्व भी मिले।

भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी लंबे समय से चर्चा का विषय रही है। देश की लगभग आधी आबादी होने के बावजूद संसद और विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व सीमित रहा है। ऐसे में महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) का पारित होना न केवल राजनीतिक सुधार का संकेत है, बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल भी है। इस बिल के लागू होने को जनगणना और परिसीमन से जोड़ा गया है, जिससे इसकी प्रभावी क्रियान्वयन में कुछ समय लग सकता है। यही वह बिंदु है, जिस पर विपक्ष और कई विशेषज्ञ सवाल उठा रहे हैं। उनका मानना है कि यदि सरकार वास्तव में महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता देती है, तो इसे जल्द से जल्द लागू किया जाना चाहिए। इसके अलावा, यह भी जरूरी है कि आरक्षण केवल संख्या तक सीमित न रहे, बल्कि महिलाओं को वास्तविक नेतृत्व और निर्णय लेने की शक्ति भी मिले। इसके लिए राजनीतिक दलों को अपनी आंतरिक संरचनाओं में भी बदलाव लाने होंगे और महिलाओं को टिकट वितरण में प्राथमिकता देनी होगी। महिला आरक्षण बिल भारतीय लोकतंत्र को अधिक समावेशी और प्रतिनिधिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे कितनी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ लागू किया जाता है। यह कहना गलत नहीं होगा कि यह विधेयक केवल महिलाओं के अधिकारों की बात नहीं करता, बल्कि यह एक मजबूत, संतुलित और न्यायपूर्ण समाज की नींव रखने की कोशिश है।

काश पटेल और तुलसी गबार्ड हो सकते है ट्रंप के अगले शिकार?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी को बर्खास्त कर दिया है। अब ये खबरें सामने आ रही हैं कि फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन यानी एफबीआई के निदेशक काश पटेल का अगला नंबर हो सकता है। इसके साथ ही एफबीआई के भीतर चल रहे विवादों और ट्रंप प्रशासन में कई अन्य बड़े बदलावों की अटकलों ने भी तूल पकड़ लिया है। खबरों की मानें तो नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड का नाम भी उस लिस्ट में शामिल हो सकता है जिन्हें ट्रंप प्रशासन हटाने वाला है। एक दिन पहले ही अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सेना प्रमुख जनरल रैंडी जॉर्ज को उनके पद से हटा दिया है। पेंटागन ने इस खबर की पुष्टि करते हुए बताया कि जनरल जॉर्ज तत्काल प्रभाव से सेना के 41वें प्रमुख के पद से रिटायर हो रहे हैं।

काश पटेल की संभावित विदाई : पूर्व एफबीआई एजेंट काइल सेराफिन ने दक्षिणपंथी होस्ट एलेक्स जोंस से बातचीत में सूत्रों के हवाले से एफबीआई में बड़े बदलाव का दावा किया है। सेराफिन के अनुसार इस बात की काफी संभावना है कि काश पटेल को आज ही बर्खास्त कर दिया जाए और विभाग में पूरी तरह से नया फेरबदल किया जाए। सेराफिन ने आगे कहा कि सवाल यह है कि ऐसा क्यों हो रहा है? मेरा अनुमान है कि ट्रंप इसे इस तरह से पेश करना चाहते हैं कि यह उनका अपना फैसला है, न कि किसी दबाव के कारण उठाया गया कदम।

एफबीआई में 'प्रतिशोध अभियान' और पूर्व एजेंटों का मुकदमा : काश पटेल के नेतृत्व में एफबीआई में बड़े पैमाने पर हुई छंटनी के खिलाफ अब कानूनी चुनौतियां भी खड़ी हो रही हैं। इस हफ्ते तीन पूर्व एफबीआई एजेंटों ने अपनी बहाली की मांग करते हुए एक 'क्लास-एक्शन' मुकदमा दायर किया है। इन एजेंटों का दावा है कि 2020 के चुनाव परिणामों को पलटने के ट्रंप के प्रयासों की जांच में शामिल होने के कारण उन्हें अवैध रूप से दंडित किया गया है। पिछले एक साल में काश पटेल के नेतृत्व में दर्जनों एजेंटों को पद से हटाया गया है। इनमें से कई को ट्रंप से जुड़ी जांचों में शामिल होने के कारण या रिपब्लिकन राष्ट्रपति के एजेंडे के प्रति अपर्याप्त रूप से वफादार माने जाने के कारण बर्खास्त किया गया था।

एजेंट और उनका बेदाग रिकॉर्ड : मिशेल बॉल, जेमी गारमन और ब्लेयर टोलमैन नाम के इन तीन एजेंटों को पिछले साल अक्टूबर और नवंबर में निकाल दिया गया था। मुकदमे के अनुसार, इन तीनों के पास 8 से 14 साल का 'शानदार और बेदाग' सर्विस रिकॉर्ड था। उन्हें उम्मीद थी कि वे अपना पूरा करियर एफबीआई में बिताएंगे, लेकिन उन्हें बिना किसी कारण बताए या अपना पक्ष रखने का मौका दिए बिना ही अचानक बर्खास्त कर दिया गया। इन एजेंटों ने अपनी बर्खास्तगी को ट्रंप पर की गई उनकी जांच के खिलाफ एक 'प्रतिशोध अभियान' करार दिया है।

प्रशासन में अन्य संभावित बदलाव: मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने प्रशासन में कुछ और अहम पदों पर भी बदलाव करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के प्रशासक ली जेल्डिन को पाम बोंडी की जगह नए अटॉर्नी जनरल के संभावित विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। इसके अलावा, नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड को भी उनके पद से हटाने को लेकर प्रशासन के भीतर चर्चा चल रही है। यह पूरा घटनाक्रम स्पष्ट करता है कि ट्रंप प्रशासन के भीतर एक व्यापक पुनर्गठन चल रहा है। एफबीआई में वफादारी और पुरानी जांचों को लेकर चल रही उथल-पुथल के बीच कई बड़े अधिकारियों और एजेंटों की छंटनी की जा रही है, जो अब कानूनी मुकदमों का रूप ले रही है।

ऑस्ट्रेलिया ने दवाइयों पर शुल्क लगाने के मुद्दे पर अमेरिका से बातचीत से किया इनकार

कैनबरा , एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई सरकार अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्क के दबाव के बावजूद दवाओं के लिए अपनी सब्सिडी योजना में कोई बदलाव नहीं करेगी। स्वास्थ्य मंत्री मार्क बटलर ने शुक्रवार को सरकार का पक्ष रखा। बटलर ने सेवन नेटवर्क को बताया कि ऑस्ट्रेलिया अमेरिकी प्रशासन के साथ फार्मास्युटिकल बेनेफिट्स स्कीम (पीबीएस) के 'मूलभूत सिद्धांतों' पर कोई बातचीत नहीं करेगा। इस योजना के तहत केंद्रीय सरकार प्रिस्क्रिप्शन दवाओं की कीमतों में सब्सिडी देती है।

बटलर ने कहा, 'हम अमेरिका को यह सबसे स्पष्ट संदेश लगातार भेज रहे हैं क्योंकि हम जानते हैं कि वहां बड़ी दवा कंपनियां अपने दबाव में हमारे पीबीएस और दुनिया के अन्य देशों की समान योजनाओं को कमजोर करने की कोशिश करती हैं। हम इन मूलभूत सिद्धांतों पर बातचीत नहीं कर रहे हैं।' बटलर यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कुछ पेटेंट वाली दवाओं के आयात पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने के बाद दे रहे थे।

मार्च के अंत में ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापारिक शिकायतों की अद्यतन सूची में अमेरिकी प्रशासन ने कहा कि पीबीएस अमेरिकी नवाचार का मूल्य कम करके दिखाता है और अनुचित दवा मूल्य निर्धारण प्रथाओं के माध्यम से अमेरिकी उद्योग को प्रभावित करता है। इस योजना के तहत, फार्मास्युटिकल निर्माता सीधे ऑस्ट्रेलियाई सरकार के साथ बिक्री पर बातचीत करते हैं ताकि वाणिज्यिक बोली युद्धों को रोका जा सके। संयुक्त राष्ट्र के कॉमट्रेड डेटा के अनुसार, 2025 में ऑस्ट्रेलियाई दवा निर्यात अमेरिका में 1.3 बिलियन डॉलर का था। बायोटेक्नोलॉजी कंपनी सीएसएल ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी दवा निर्माता कंपनी है, लेकिन बटलर ने कहा कि सरकार को भरोसा है कि मेलबर्न स्थित इस कंपनी को नए शुल्क से छूट मिलेगी क्योंकि इसका अमेरिका में बड़ा उत्पादन आधार है। व्यापार मंत्री डॉन फैरेल के प्रवक्ता ने आस्ट्रेलियन ब्राडकास्टिंग कार्पोरेशन को शुक्रवार को बताया कि सरकार अमेरिकी दवा शुल्क से निराश है और 'अनुचित और गैर-जरूरी' शुल्क को हटाने के लिए दबाव डालना जारी रखेगी।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर निजी हथियार रखने की अनुमति

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बड़ा फैसला लेते हुए कहा है कि अब सैनिकों को सैन्य ठिकानों पर अपने निजी हथियार रखने की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इसके लिए एक नया आदेश जारी किया जा रहा है, जिसके तहत सैनिक अपने सुरक्षा कारणों से हथियार रखने के लिए आवेदन कर सकेंगे। यदि किसी सैनिक की मांग ठुकराई जाती है, तो अधिकारियों को लिखित रूप में कारण बताना होगा। अब तक सैन्य ठिकानों को लगभग गन-फ्री जोन माना जाता था, जहां केवल सैन्य पुलिस या ट्रेनिंग के दौरान ही हथियार रखने की अनुमति थी। इस फैसले के पीछे हाल के वर्षों में सैन्य ठिकानों पर हुई गोलीबारी की घटनाएं बड़ी वजह मानी जा रही हैं। हेगसेथ का कहना है कि ऐसे मामलों में शुरुआती कुछ मिनट बहुत महत्वपूर्ण होते हैं और सैनिकों को अपनी सुरक्षा का अधिकार मिलना चाहिए। हालांकि इस फैसले को लेकर सुरक्षा और नियंत्रण को लेकर सवाल भी उठ सकते हैं, क्योंकि इससे हथियारों की संख्या बढ़ेगी। रक्षा विभाग पहले से ही हथियारों के इस्तेमाल और स्टोरेज को लेकर सख्त नियम लागू करता रहा है।

अमेरिका से निर्वासित लोगों का पहला जत्था युगांडा पहुंचा

कंपाला, एजेंसी। अमेरिका से निकाले गए 12 लोगों का पहला समूह युगांडा पहुंच गया है। यह घटना उस समझौते के बाद हुई है, जो अमेरिका और युगांडा के बीच हुआ था। युगांडा लॉ सोसाइटी ने इस प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि इन लोगों को बहुत ही अपमानजनक और अमानवीय तरीके से लाया गया। बताया गया कि इन्हें एक निजी विमान से लाया गया और उनके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई। यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्त इमिग्रेशन नीति का हिस्सा है, जिसमें अवैध रूप से रह रहे लोगों को बाहर भेजा जा रहा है। खासतौर पर उन लोगों को, जिनको उनके अपने देश वापस नहीं लिया जा सकता। युगांडा के एक मंत्री ने कहा था कि उनका देश ऐसे अफ्रीकी मूल के लोगों को मानवीय आधार पर स्वीकार करेगा, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं है कि जो लोग आए हैं, वे किन देशों के हैं। इस पूरे मामले को लेकर युगांडा में कानूनी चुनौती भी दी जा रही है। कई लोग इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन मान रहे हैं और इसे रोकने की मांग कर रहे हैं।

तीन अमेरिकी राज्यों के खिलाफ मुकदमा दायर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में प्रेडिक्शन मार्केट को लेकर अब बड़ा कानूनी विवाद शुरू हो गया है। सरकार ने तीन राज्यों, कनेक्टिकट, एरिजोना और इलिनोइस, के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। यह विवाद उन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स को लेकर है, जहां लोग भविष्य की घटनाओं (जैसे चुनाव या अन्य नतीजों) पर पैसा लगाते हैं। इन प्लेटफॉर्म्स में कालशी और पॉलीमार्केट जैसे नाम शामिल हैं। दरअसल, इन तीनों राज्यों ने इन कंपनियों को नोटिस भेजकर कहा था कि वे गैरकानूनी ऑनलाइन जुए में शामिल हैं और तुरंत अपना काम बंद करें। एरिजोना ने तो पिछले महीने कालशी के खिलाफ आपराधिक केस भी दर्ज कर दिया था, क्योंकि वहां चुनावों पर सट्टा लगाना कानून के खिलाफ है। लेकिन अब सरकार की एजेंसी कमोडिटी फ्यूचर्स ट्रेडिंग कमीशन (सीएफटीसी) ने कोर्ट में कहा है कि इन प्लेटफॉर्म्स को नियंत्रित करने का अधिकार राज्यों के पास नहीं, बल्कि उनके पास है। सीएफटीसी का कहना है कि अगर हर राज्य अपने हिसाब से नियम बनाएगा, तो इससे धोखाधड़ी और उपभोक्ताओं के लिए खतरा बढ़ सकता है। वहीं, ट्रंप सरकार ने भी कालशी और पॉलीमार्केट जैसे प्लेटफॉर्म्स का समर्थन किया है। इससे यह मामला और ज्यादा अहम हो गया है, क्योंकि इसका असर भविष्य में ऑनलाइन सट्टेबाजी और स्पोर्ट्स बेटिंग के नियमों पर भी पड़ सकता है। दूसरी तरफ, कनेक्टिकट के अटॉर्नी जनरल विलियम टॉंग ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ये कंपनियां साफ तौर पर गैरकानूनी जुआ चला रही हैं।

नेपाल : ओली और रमेश लेखक की हिरासत दो दिन बढ़ी, जांच जारी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक की पुलिस हिरासत दो दिन के लिए बढ़ा दी गई है। काठमांडो जिला अदालत के न्यायाधीश विष्णुप्रसाद अवस्थी की एकल पीठ ने जांच के लिए यह अनुमति दी। ओली के अस्पताल में भर्ती होने के कारण उनकी पेशी वर्चुअल माध्यम से की गई। इससे पहले रविवार को अदालत ने दोनों को पांच दिन की हिरासत में भेजने का आदेश दिया था। यह अवधि समाप्त होने पर पुलिस ने और समय की मांग की थी। गौरतलब है कि जेनजी आंदोलन की घटनाओं की जांच के लिए गठित गौरीबहादुर कार्की आयोग की रिपोर्ट के आधार पर दोनों नेताओं को शनिवार को गिरफ्तार किया गया था।

चीन के नए परमाणु केंद्र में बनीं इमारतें: गुप्त योजनाओं की आशंका, तस्वीरों में दिखी यूरेनियम संवर्धन की मशीनें

बीजिंग, एजेंसी। एक तरफ दुनिया में कई विकसित देश अपना रक्षा बजट बढ़ाकर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बना रहे हैं वहीं चीन लगातार अपने परमाणु हथियार सुविधाएं तेज करने में जुटा है। उसने भारत से करीब 1,400 किमी दूर सिचुआन प्रांत में कुछ गावों को खाली करवाकर एक बड़ी परमाणु सुविधा बनाई है। फरवरी के अंत में उपग्रह चित्रों से इसका खुलासा होने के बाद अब जानकारी मिली है कि यहां पर चीन ने कुछ नई इमारतों का निर्माण भी पूरा कर लिया है। ताजा उपग्रह चित्रों से पता चला है कि चीन ने अपनी परमाणु महत्वाकांक्षाओं का बड़े पैमाने पर विस्तार करने की गुप्त योजनाओं को अमल में लाना शुरू कर दिया है। यहां जिन इमारतों का निर्माण हो चुका है उनमें रेडिएशन मॉनिटर व धमाका रोधी दरवाजे लगे होने तथा यूरेनियम और प्लूटोनियम के लिए मशीनें लगने की आशंकाएं भी जताई जा रही हैं। उपग्रह तस्वीरों में साइट पर दिख रहे बड़े बड़े ट्रालों में रखीं मशीनों की मौजूदगी से इनके यूरेनियम या प्लूटोनियम होने की आशंका जताई जा रही है। चीन ने इस जगह को साइट-906 नाम दिया है। फरवरी मध्य और मार्च अंत में दिखे उपग्रह चित्र बताते हैं कि इस साइट पर काम उम्मीद से अधिक तेजी से हो रहा है। इसे 3 अन्य एटमी ठिकानों से जोड़ा गया है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में जब इस परमाणु सुविधा के लिए जमीन खाली कराई गई तो कुछ ग्रामीणों ने प्रशासनिक अधिकारियों को पत्र लिखकर पूछा था कि सरकार उनकी जमीन क्यों जब्त कर रही है? इस पर अधिकारियों ने इसे सरकार की गुप्त योजना बताया था। लेकिन चार साल बाद जो उपग्रह चित्र मिले हैं वह बताते हैं कि चीन ने यहां गांव खाली करवाकर बड़ी ही तेजी से परमाणु सुविधाओं के विकास का निर्माण ढांचा तैयार किया है। सिचुआन प्रांत का दुर्गम-कठिन पहुंच वाला स्थान चुना चीन का सिचुआन प्रांत अपनी भौगोलिक विविधता के लिए जाना जाता है। पूर्व में उपजाऊ, घनी आबादी वाला सिचुआन बेसिन और पश्चिम में ऊबड़-खाबड़ तिब्बती पठार तथा हेंगडुआन पर्वत मौजूद है। यहां यांग्जी नदी और उसकी सहायक मिन, तुओ और जियालिंग व टोंगजियांग नदियों के किनारे पर यह सुविधा विकसित की गई है।

2030 तक चंद्रमा पर स्थायी ठिकाना स्थापित करने को लेकर अमेरिकी विधेयक पेश

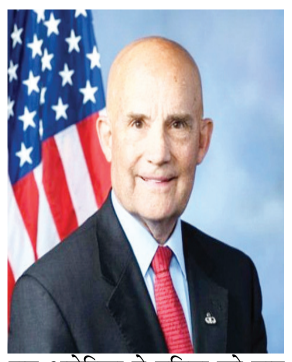

वॉशिंगटन , एजेंसी। एक अमेरिकी सांसद ने ऐसा विधेयक पेश किया है, जिसमें नासा को 2030 तक चंद्रमा पर स्थायी ठिकाने के प्रारंभिक ढांचे स्थापित करने का निर्देश दिया गया है। उनका कहना है कि यह कदम अंतरिक्ष में चीन से बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच अमेरिका की नेतृत्व भूमिका बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। कीथ सेल्फ ने नासा को 2030 तक चंद्रमा पर स्थायी ठिकाने की स्थापना के लिए निर्देशित करने वाला विधेयक पेश किया, जो आर्टेमिस II मिशन के प्रक्षेपण के एक दिन बाद सामने आया। यह मिशन पांच दशकों से अधिक समय में पहली मानवयुक्त उड़ान है जो चंद्र कक्षा तक गई। इस प्रस्ताव का उद्देश्य मौजूदा अमेरिकी अंतरिक्ष कानून में संशोधन करना है और 31 दिसंबर 2030 तक प्रारंभिक ठिकाना स्थापित करने की समयसीमा तय करता है।

कीथ सेल्फ ने कहा, 'कल रात अमेरिका ने दुनिया को याद दिलाया कि हम पृथ्वी के सबसे महान अंतरिक्ष यात्री देश हैं लेकिन जश्न मनाना कोई रणनीति नहीं है। अगर हमें अंतरिक्ष में अपनी नेतृत्व भूमिका बनाए रखनी है, तो हमें चंद्रमा पर स्थायी रूप से मानव उपस्थिति सुनिश्चित करनी होगी।

विधेयक के अनुसार, नासा प्रशासक को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर प्रारंभिक बुनियादी ढांचा स्थापित करना होगा। यह क्षेत्र जल-बर्फ की मौजूदगी के कारण रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है, जिसे रॉकेट ईंधन में बदला जा सकता है। साथ ही, यहां हीलियम-3 और दुर्लभ खनिज भी पाए जाते हैं। सेल्फ ने इस मिशन को आर्थिक और रणनीतिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, 'चंद्रमा केवल एक गंतव्य नहीं है बल्कि यह एक नए औद्योगिक युग की नींव है। यहां के संसाधन अंतरिक्ष निर्माण, खनन और निर्माण कार्यों की अगली पीढ़ी को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कंपनियां पहले से ही इस दिशा में तकनीक विकसित कर रही हैं लेकिन उन्हें सरकार के निरंतर समर्थन और चंद्रमा पर स्थायी उपस्थिति की जरूरत है। यह विधेयक ऐसे समय में आया है जब चाइना नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन ने भी दशक के अंत तक चंद्रमा के इसी क्षेत्र में एक अनुसंधान स्टेशन स्थापित करने की योजना बनाई है। सेल्फ ने कहा, 'चीन की कम्युनिस्ट पार्टी अंतरिक्ष में हमारा साझेदार नहीं बल्कि प्रतिस्पर्धी है और वह जीतने के इरादे से आगे बढ़ रही है। चंद्र संसाधनों पर अंतरराष्ट्रीय कानून अभी स्पष्ट नहीं है। जो देश पहले वहां स्थायी उपस्थिति स्थापित करेगा, वही नियम तय करेगा।' आर्टेमिस II मिशन में चार अंतरिक्ष यात्री ओरियन स्पेसक्राफ्ट के जरिए चंद्रमा के पास से गुजरेंगे। यह 1972 के बाद पहला मानवयुक्त गहरे अंतरिक्ष का मिशन है। सेल्फ का मानना है कि स्थायी चंद्र ठिकाना अमेरिका के लिए आर्थिक लाभ भी लाएगा। उन्होंने कहा, 'चंद्रमा पर ठिकाना बनने से अमेरिका में रोजगार, नवाचार और राष्ट्रीय गौरव को बढ़ावा मिलेगा। नेतृत्व करने का यह मौका खुला है और यह विधेयक सुनिश्चित करता है कि हम इसे गंवाएं नहीं।' यह प्रस्ताव पहले नासा रिएथराइजेशन एक्ट के हिस्से के रूप में पेश किया गया था, जिसे फरवरी में समिति की मंजूरी मिली थी और अब इसे एक अलग विधेयक के रूप में दोबारा पेश किया गया है।

पाकिस्तान में डीजल 520 रुपये लीटर हुआ, पेट्रोल भी 450 के पार

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ बनने की कोशिश में लगा पाकिस्तान बड़े तेल संकट से जूझ रहा है। इसके चलते मुल्क में एक बार फिर पेट्रोल और डीजल के दाम 50 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा दिए गए हैं। शुक्रवार से ये नए दाम प्रभावी हो जाएंगे। बीते महीने भी पाकिस्तान ने कीमतों में करीब 20 प्रतिशत का इजाफा किया था।

अब क्या हैं रेट : पाकिस्तान ने गुरुवार को डीजल की रेट बढ़ाकर 520.35 रुपये (पाकिस्तानी रुपया) प्रति लीटर और पेट्रोल की कीमत 458.40 रुपये प्रति लीटर कर दीं। एक ओर जहां डीजल रेट 54.9 फीसदी बढ़े हैं। वहीं पेट्रोल में 42.7 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री ने कहा, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने की वजह से यह कदम उठाया गया।

सरकार ने युद्ध को बताया जिम्मेदार : पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने इसका जिम्मेदार कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों को बताया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा, 'अमेरिका और ईरान युद्ध के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें नियंत्रण के बाहर चली गईं हैं। ऐसे में रेट बढ़ने ही थे।'

कराची पहुंचा एक जहाज : बुधवार को ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से निकला एक जहाज कराची पोर्ट पहुंचा था। ट्रस्ट के प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि इसके अलावा एक दूसरा जहाज भी दूसरे मार्ग से बंदरगाह पर पहुंचा है। प्रवक्ता शारिक फारूकी ने कहा कि इस महीने खाड़ी देशों से जरूरी तेल की आपूर्ति के लिए पाकिस्तान के झंडे वाले और भी जहाजों के आने की उम्मीद है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कुछ दिनों पहले ही पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने कहा था कि ईरान होर्मुज से 20 अतिरिक्त पाकिस्तानी जहाजों को गुजरने देने पर सहमत हो गया है।

चीन के साथ मिलकर दिया प्लान : चीन और पाकिस्तान ने पश्चिम एशिया संघर्ष को समाप्त करने के लिए पांच सूत्री प्रस्ताव रखा है। इन प्रस्तावों में शत्रुता को तुरंत समाप्त करने, जल्द से जल्द शांति वार्ता शुरू करने, गैर-सैन्य लक्ष्यों की सुरक्षा और नौवहन की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर को मानने जैसे प्रावधान शामिल थे।

अमेरिका में भी महंगी हुई गैस : पश्चिमी एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका में औसत उपभोक्ता के लिए गैस की कीमतों में 35 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। कीमतों की इस वृद्धि से हाल बहुत जल्द राहत मिलने की भी उम्मीद नजर नहीं आती, क्योंकि होर्मुज कुछ देशों के जहाजों को छोड़कर सभी के लिए बंद है। होर्मुज का बंद होना वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति को खासा प्रभावित कर रहा है, क्योंकि इस मार्ग से दुनिया के तेल का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सेना प्रमुख को पद छोड़ने का दिया आदेश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने अमेरिकी आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज को तत्काल पद छोड़ने और सेवानिवृत्त होने का निर्देश दिया है। रक्षा मंत्री के इस आदेश के बाद जनरल जॉर्ज ने प्रभावी रूप से अपना पद त्याग दिया है। ईरान के साथ जारी भीषण तनाव के बीच, हेगसेथ का यह कड़ा फैसला पेंटागन में बड़े प्रशासनिक फेरबदल का संकेत दे रहा है। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने एक बयान में कहा, 'जनरल रैंडी ए. जॉर्ज आर्मी के 41वें चीफ ऑफ स्टाफ के पद से तत्काल प्रभाव से रिटायर हो रहे हैं। रक्षा विभाग देश के लिए उनकी दशकों की सेवा के लिए उनका आभारी है और उनके रिटायरमेंट के लिए शुभकामनाएं देता है।' अमेरिकी सेना और रक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्टि की है कि हेगसेथ ने जॉर्ज से पद छोड़ने के लिए कहा था। उनकी जगह सेना के उप सेनाध्यक्ष जनरल क्रिस्टोफर लानेव जिम्मेदारी संभालेंगे। जनरल क्रिस्टोफर लानेव सीनेट से उनके उत्तराधिकारी की पुष्टि होने तक एक्टिंग चीफ के तौर पर काम करेंगे।

हता दें, जनरल रैंडी ए. जॉर्ज सितंबर 2023 में सेना के प्रमुख बने थे, उनके पास आम तौर पर चार साल के कार्यकाल में लगभग डेढ़ साल बाकी थे। हेगसेथ के ऑफिस संभालने के बाद जॉर्ज पद छोड़ने वाले सबसे नए वरिष्ठ सैन्य अधिकारी बन गए हैं। यह बदलाव सिर्फ एक पोस्ट से कहीं ज्यादा है। रिपोर्टिंग में बताए गए रक्षा अधिकारियों के मुताबिक, जॉर्ज के साथ दो और आर्मी जनरलों को भी हटा दिया गया, जिनमें ट्रेनिंग और चैपलेंसी के काम देखने वाले वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। इस कदम पर तीखी राजनीतिक प्रतिक्रिया सामने आई है। कांग्रेसी यूजीन विंडमैन ने कहा, 'जनरल रैंडी जॉर्ज एक जबरदस्त पब्लिक सर्वेंट और सैनिक हैं। यह निराशाजनक है कि उनके जैसे अधिकारी को इसलिए किनारे कर दिया गया क्योंकि राष्ट्रपति एक ऐसा आदमी चाहते हैं जो उनकी हां में हां मिलाए। विंडमैन ने पेंटागन लीडरशिप की भी आलोचना करते हुए कहा, 'अगर पेंटागन में नेतृत्व की गुणवत्ता पर सवाल हैं, तो ये सवाल सेक्रेटरी हेगसेथ को लेकर उठाया जाना चाहिए, न कि उन पर जिन्होंने अपना करियर सम्मान के साथ हमारे देश की सेवा में बिताया है।' यह बदलाव अमेरिकी सेना में बड़े तनाव के बीच हुआ है। इसके अलावा, हेगसेथ ने हाल ही में एक अपाचे हेलीकॉप्टर क्रू से जुड़ी एक घटना में दखल देकर विवाद खड़ा कर दिया था। इस घटना से जुड़ा सस्पेंशन हटाने के बाद उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'कोई सजा नहीं। कोई जांच नहीं। देशभक्तों, आगे बढ़ो।' पेंटागन ने जॉर्ज को हटाने के पीछे के कारणों के बारे में डिटेल में नहीं बताया है। सेना प्रमुख का पद अमेरिका में सबसे सीनियर सैन्य पदों में से एक है।

अमेरिका में बड़ा हेल्थकेयर घोटाला, पचास मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी का भंडाफोड़

कैलिफोर्निया , एजेंसी। अमेरिका में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ा एक बड़ा घोटाला सामने आया है, जिसने पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इसी के तहत कैलिफोर्निया में एफबीआई ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर आरोप है कि उन्होंने झूठे होस्पिस केयर केंद्र चलाकर मेडिकेयर से करीब 50 मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी की। आरोपियों में नर्स, डॉक्टर, साइकोलॉजिस्ट और कायरोप्रैक्टर शामिल हैं। जांच में पता चला कि मरीजों को वास्तविक टर्मिनल बीमारी के बिना दाखिल कर बिल बनाया गया, जिससे स्वास्थ्य प्रणाली और टैक्सदाताओं को भारी नुकसान हुआ। बता दें कि यह कार्रवाई उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व वाले टास्क फोर्स टू एलीमिनेट फ्रॉड के सहयोग से की गई। एफबीआई और अभियोजन के अनुसार गिरफ्तार व्यक्तियों में तीन नर्सें, एक डॉक्टर, एक साइकोलॉजिस्ट और एक कायरोप्रैक्टर शामिल हैं। इन पर आरोप है कि उन्होंने ऐसे मरीजों को होस्पिस में दाखिल कर बिल बनाया, जिनकी वास्तव में टर्मिनल बीमारी नहीं थी। आमतौर पर होस्पिस में लोग जीवन के अंतिम चरण में जाते हैं, लेकिन इन केंद्रों में मरीजों की जीवित रहने की दर राष्ट्रीय औसत 17% से पांच गुना ज्यादा थी।

मुख्य आरोपियों में कौन-कौन है- ग्लैडविन और एमेलौ गिल- 626 होस्पिस के मालिक, जिन पर 5.2 मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी करने और गैरकानूनी किकबैक देने का आरोप। लोलीता बेरोनिला मिनर्ड- टोपांगा होस्पिस की मालिक, जिन पर 9 मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी का आरोप। सोनिया ग्रिफेन- हेल्थकेयर फ्रॉड में पांच मामलों में आरोपित। ग्रेगरी कार्टमेल- कायरोप्रैक्टर, हेल्थकेयर फ्रॉड और आईडेंटिटी चोरी के आरोप में गिरफ्तार। इवान वर्न लॉरिट्जन- वैली पैसिफिक होस्पिस के सीईओ और सीएफओ, जिनकी मेडिकेयर एनरोलमेंट 2024 में रद्द हो चुकी थी।नीता अल्मुएटे पड्डिट पाल्मा और पति अदोल्फो कैटबैगन- तीन झूठे होस्पिस केंद्र चलाने और वायर फ्रॉड करने के आरोप। एफबीआई के सहायक निदेशन ने दी जानकारी मामले में एफबीआई के लॉस एंजिलेस क्षेत्र के सहायक निदेशक अकील डेविस ने कहा कि दक्षिण कैलिफोर्निया हेल्थकेयर धोखाधड़ी के लिए उच्च जोखिम वाला क्षेत्र है। अमेरिका हर साल हेल्थकेयर धोखाधड़ी में सैकड़ों अरब डॉलर खो देता है, जिससे आम लोगों के बीमा प्रीमियम और टैक्स बढ़ते हैं। ऐसे में अब यह मामला अमेरिकी स्वास्थ्य प्रणाली में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी और झूठे होस्पिस संचालन की गंभीरता को उजागर करता है।

हेल्थ प्लस

टीथ सैंसिटिविटी

कुछ लोगों के दांतों में ठंडा-गर्म लगता रहता है यानी कुछ भी ठंडा या गर्म खाने पर उनके दांतों में दर्द होने लगता है। ये लोग टीथ सैंसिटिविटी यानी दांतों की संवेदनशीलता की समस्या से ग्रस्त होते हैं।

दांतों की यह समस्या किसी भी उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकती है। हालांकि उम्र के 20वें तथा 30वें दशक के लोग इस समस्या का अधिक सामना करते हैं। वैसे इस समस्या का आसानी से उपचार किया जा सकता है।

क्या है टीथ सैंसिटिविटी?

इसमें गर्म या ठंडे पेय अथवा भोजन से दांतों में कुछ देर की हल्की-सी सनसनाहट से लेकर घंटों तक रहने वाला दर्द हो सकता है। यह समस्या एक या एक से अधिक दांतों में हो सकती है जो ठंडें, गर्म के अलावा मीठी या खट्टी चीजों या ठंडी हवा में सांस लेने से भी हो सकती है। यह दर्द तेज तथा अचानक हो सकता है जो दांतों की नर्व्स पर असर करता है।

दांतों पर मौजूद मध्य परत यानी डैंटिन के उजागर हो जाने पर टीथ सैंसिटिविटी की समस्या होती है। आमतौर पर दांतों पर चढ़ी एनेमल की परत डैंटिन को ढंके रखती है। डैंटिन अनेक कारणों से उजागर हो सकती है।

प्रमुख कारण

इसके आम कारणों में प्लाक का दांतों पर जमना, माऊथवॉश का लम्बे समय तक प्रयोग, अम्लीय भोज्य पदार्थों या पेयों का सेवन, अक्सर डैंटल प्रोसीजर्स करवाना, दांतों को दूसरे दांतों या जीभ से छूते रहने की आदत अथवा अधिक मीठा खाना शामिल हैं।

कभी पुरानी हो चुकी फिलिंग में आ चुकी दरार या लीक भी टीथ सैंसिटिविटी का कारण बन सकती है।

इलाज न करवाई गई कैविटीज, दांतों की सड़न या दांतों में संक्रमण अथवा दांतों की स्वच्छता का ख्याल नहीं रखने से भी यह समस्या पेश आ सकती है।

अधिक जोर से ब्रश करना या सख्त बालों वाला टूथब्रश इस्तेमाल करने से भी। दांतों पर एनेमल की परत का क्षय हो सकता है। मसूढ़ों की सूजन से भी डैंटिन उजागर हो सकती है जिससे उस पर ठंडी-गर्म चीजें महसूस होने लगती हैं।

उपचार

टीथ सैंसिटिविटी की समस्या के उपचार हेतु आपको डैंटिस्ट के पास जाना चाहिए जो सैंसिटिविटी टैस्ट करके जांच करता है ताकि पता चल सके कि कैसे ट्रीटमैंट की जरूरत है।

डैंटिस्ट फ्लोराइड जैल अथवा फ्लोराइड तथा पोटाशियम नाइट्रेट या स्ट्रोंटियम क्लोराइड युक्त डीसैंसिटाइजिंग टूथपेस्ट के प्रयोग की सलाह भी दे सकते हैं। ये रसायन संवेदनशीलता को दांतों से नर्व्स तक पहुंचने से रोकते हैं।

ब्रश करने के बाद मसूढ़ों पर खास प्रकार का पेस्ट मलने से भी लाभ हो सकता है।

खास टिप्स

हमेशा सॉफ्ट ब्रिसल वाले टूथब्रश का ही प्रयोग करें क्योंकि यह दांतों के एनेमल पर अधिक दबाव नहीं डालता है।

अल्कोहल बेस्ड माऊथवॉश का प्रयोग न करें। ये दांतों को हानि पहुंचाते हैं।

कोल्ड ड्रिंक्स, मांस या मसालों से भरपूर अम्लीय भोज्य पदार्थों एवं पेयों का प्रयोग न करें।

फ्लोराइड बेस्ड टूथपेस्ट का प्रयोग करें क्योंकि ये सैंसिटिविटी को कम करते हैं।

समस्या होने पर आईसक्रीम तथा ठंडी कोल्ड ड्रिंक्स जैसी सैंसिटिविटी पैदा करने वाली चीजों से परहेज करें।

अपने डैंटिस्ट से दांतों की नियमित रूप से जांच करवाएं।

माहवारी पूर्व तनाव, लक्षण एवं उपचार

मासिक धर्म की स्थिति सभी नारियों के साथ अलग-अलग होती है। इस विविधता के अलावा इनमें मासिक धर्म के पूर्व तनाव एवं तकनीक की स्थिति भी पृथक-पृथक होती है किन्तु अधिकतर नारियां उन दिनों से पहले अर्थात मासिक रक्तस्त्राव आरम्भ होने से पूर्व तनाव व तकलीफ से गुजरती हैं।

यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें महिलाओं को माहवारी शुरू होने के 5-6 दिन पहले से पेट के निचले व श्रोणि भाग में भारीपन, पूरे शरीर पर सूजन, अपचन, बार-बार पेशाब आना, स्तन में भारीपन और दर्द, मानसिक तनाव, उदासीनता, अति संवेदनशीलता आदि लक्षण होते हैं।

यह स्थिति शहरी जीवन बिताने वाली महिलाओं में ज्यादा पाई जाती है। इसका कारण अज्ञात है फिर भी निम्न कारणों की संभावना हो सकती है। यह मनोवैज्ञानिक, हार्मोंस की गड़बड़ी, विटामिन्स की कमी के कारण एवं उसके प्रभाव से उत्पन्न होती है। यह तकलीफ कई तरह की होती है जिसका उपचार भी अलहदा होता है।

माहवारी : भारत गर्म देश माना जाता है अतएव यहां की लड़कियों को 11 से 13 वर्ष की आयु में माहवारी आरम्भ हो जाती है। यह माहवारी उसकी स्त्रियोचित विशेषता है जो रजोदर्शन से लेकर रजोनिवृत्ति तक चलती रहती है।

माहवारी, मासिक धर्म के समय होने वाला रक्तस्त्राव सभी को अलग-अलग चक्र के अनुसार होता है। इसका अंतराल, रक्त की मात्रा, रक्तस्त्राव की अवधि सभी में पृथव होती है। सभी को माहवारी के समय एवं उसके पूर्व तनाव, तकलीफ एवं परेशानी की स्थिति से जूझना पड़ता है। मासिक धर्म के पूर्व तनाव को डाक्टरी शब्दों में प्री-मैंस्ट्रूअल सिंड्रोम(पी.एम.एस.) कहते हैं।

मूड में बदलाव : मूड में तेजी के साथ बदलाव होने पर तनाव, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा की शिकायत होती है। यह शरीर में ऑक्सीजन की कमी से होता है। अतएव गहरी सांस लें एवं छोड़ें। इससे कार्बन डाई-ऑक्साइड का स्तर कम होगा एवं शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ेगी। इस तरह की परेशानी से जूझ रही महिलाएं माहवारी के पूर्व कैफनी, चाकलेट व चीनी की मात्रा कम कर दें। हल्का व्यायाम करें।

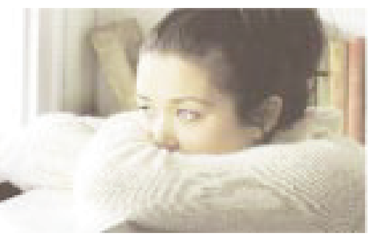

अवसाद : वी.एम.एस. की अवसादग्रस्त महिला पर उदासी, अरूचि, अकेलापन हावी हो जाता है। उसका मन रोने को करता है। ऐसी महिलाएं माहवारी से पूर्व हल्का व्यायाम करना आरंभ कर दें जिससे हार्मोन की स्त्राव होता है जो दिमाग व शरीर को दुरूस्त रखता है। शर्करा स्तर सुधरता है। मूड में सुधार होता है। कॉफी, तली भूनी, मसालेदार चीजों से बचें। दही व फलियां खाएं।

गुस्सा : पी.एम.एस. से गुस्से की शिकार महिला की नींद अव्यवस्थित हो जाती है। कुछ खाने की तीव्र इच्छा होती है। इन्हें थोड़ा-थोड़ा करके 4-5 बार भोजन करना चाहिए जिसमें दाल व शक्कर की मात्रा कम हो। एक ही बार ज्यादा खाने से बचें।

पाचन की खराबी : माहवारी के पूर्व कई महिलाएं पेट की खराबी के कारण अपच, कब्ज, दस्त, थकान, उनींदेपन आदि की स्थिति से गुजरती हैं। ऐसी महिलाएं सुपाच्य भोजन करें। भरपूर पानी पिएं।

शरीर फूल जाना : माहवारी के पूर्व कई महिलाओं का शरीर फूल जाता है। स्तनों में कठोरता आ जाती है, पेड़, कमर, पीठ व सिर में दर्द होता है। इन्हें माहवारी से पूर्व नमक व ठंडी चीजें कम खानी चाहिएं।

निष्कर्ष : माहवारी के पूर्व तनाव, तकलीफ, परेशानी से अमूनन हर स्त्री को गुजरना पड़ता है लेकिन यदि यह आपके लिए असहयनीय हो और दैनिक जीवन को प्रभावित करे, तब महिला रोग विशेषज्ञ से मिलकर सलाह लें। भोजन को सदैव हल्का, सुपाच्य, ताजा, पौष्टिक व सीमित रखें। श्रम जारी रखें।

डिलीरियम

डिलीरियम इस बात का स्पष्ट संकेत है कि आपके मस्तिष्क के साथ कुछ गड़बड़ी है जो आपकी सोच-विचार की शक्ति को प्रभावित कर रही है। यह स्थिति बहुत गम्भीर हो सकती है।

आमतौर पर डिलीरियम उस स्थिति को कहा जाता है जिसमें व्यक्ति का मस्तिष्क सामान्य तौर पर काम न करना बंद करके अजीबोगरीब स्थिति में चला जाता है। इस स्थिति में दिमाग भ्रमित हो जाता है। तथा काम करने की ताकत खो देता है। वह अपनी याद्दाशत पर भी जोर नहीं दे पाता है तथा उन्माद की स्थिति में चला जाता है।

इस स्थिति में व्यक्ति अपने आसपास के माहौल से खुद को कटा पाता है। इसके गम्भीर होने पर व्यक्ति के शरीर में कंपकंपाहट छूटने लग सकती है तथा उसे बिना बात क्रोध आने लगता है। व्यक्ति को मतिभ्रम भी हो सकता है जिससे वास्तविकता के साथ उसका सम्पर्क पूर्णतः टूट जाता है।

अनेक प्रकार की व्याधियां दिमाग को क्षतिग्रस्त करके डिलीरियम की स्थिति पैदा कर सकती हैं। इनमें दिमाग की ओर जाने वाली रक्तवाहिकाओं में रूकावट, उच्च रक्तचाप के कारण दिमाग में आने वाली सूजन, दिमाग में किसी प्रकार का संक्रमण, रक्त में रसायनों का असामान्य स्तर, शरीर में विषैले तत्वों का प्रवेश, दवाइयों के साइड इफैक्ट्स और मस्तिष्क को ऑक्सीजन की कमी आदि शामिल हैं।

डिलीरियम की स्थिति में पहुंचा व्यक्ति सोच-विचार करने में अक्षम हो जाता है। ऐसे में उसे चिकित्सा प्रदान करना कठिन हो सकता है। हो सकता है कि वह अपना उपचार करवाने हेतु जरा भी सहयोग न करे और इलाज की बात पर झगड़ने लगे।

यह गम्भीर स्थिति है जिसे आपात स्थिति के तौर पर लेते हुए तुरंत चिकित्सकीय सहायता प्राप्त करनी चाहिए।

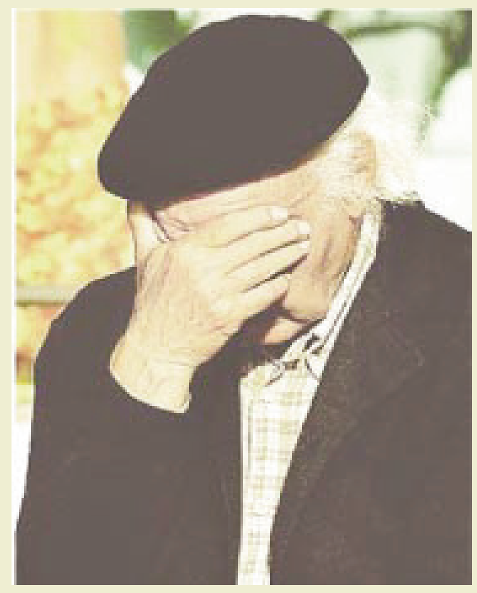

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगो का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा

आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-4-5

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 2036

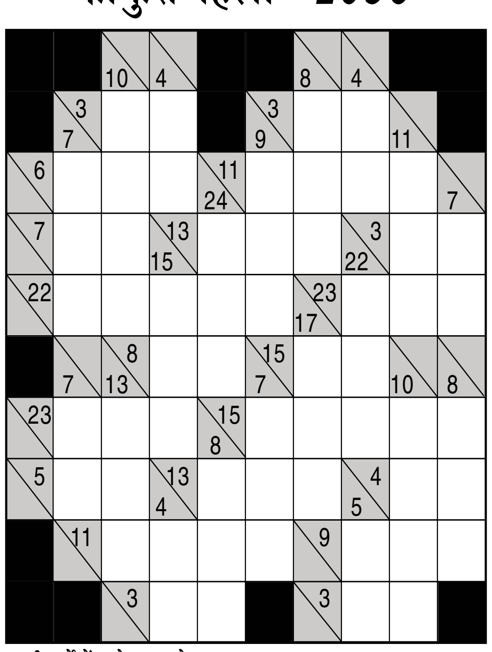

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

■	7\11	1	2	3	5
	1				
	2				
	4				

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2035 का हल

■	7\	24\	■	29\	8\	■	29\	3\	■
\8	1	7	\6	5	1	\6	5	1	■
\15	6	9	6\16	9	7	23\9	7	2	■
■	\18	8	3	7	\17	9	8	10\	■
■	■	12\10	2	8	24\19	6	9	4	8\
■	4\6	5	1	11\17	9	8	\3	2	1
\3	1	2	\8	1	7	■	24\10	3	7
\7	3	4	5\13	5	8	8\8	7	1	■
■	\7	1	4	2	\16	7	9	■	■
■	■	\4	1	3	\9	1	8	■	■

लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधीश (एक बूढ़े चोर से)- तुम्हारी इतनी हिम्मत कि तुमने दिनदहाड़े चोरी की? तुम्हे पकड़े जाने जरा भी डर नहीं लगा।

कटघरे में खड़ा बूढ़ा चोर बोला- क्या करूँ सरकार! आजकल मुझे रात में बहुत नींद आती है, इसलिए मैंने दिन में दिनदहाड़े चोरी कर ली।

□ □ □

पुलिस इंस्पेक्टर (रमन से)- नालायक...! तुम इते गिरे हुए हो कि केवल पाँच सौ रुपए के लिए इस बुजुर्ग व्यक्ति का सिर फोड़ दिया?

रमन हवलदार- और क्या करता साहब... मजबूरी है! ऐसे ही तो बूँद-बूँद से घड़ा भरता है हुजूर।

□ □ □

न्यूक्लियर फैमिली में रहने वाला चंपू अपने पिता से बोलता है, पापा-पापा मैं भी अपनी शादी में आइटम गर्ल को डाँस करवाऊँगा।

पापा- बेवकूफ, क्या बकता है, यह तमाशा किस गधे की शादी में देख लिया?

चंपू- आपकी शादी के वीडियो में।

पापा- अबे नालायक अपनी मौसी और बुआ को नहीं पहचानता!!

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2036

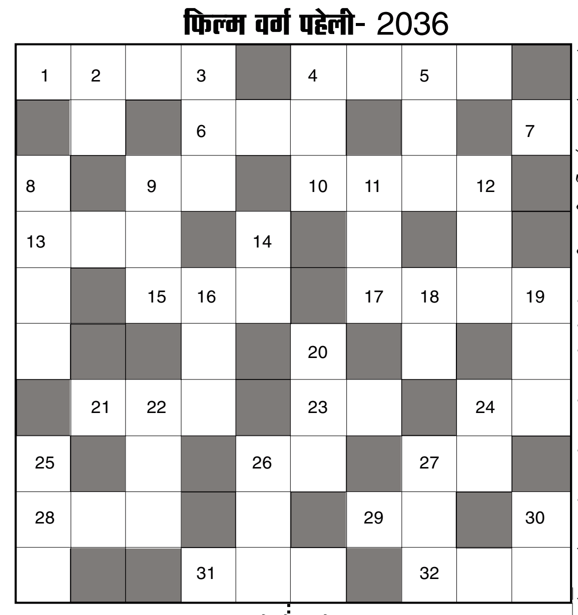

बायें से दायें:-

१. धर्मेन्द्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'इमली का बूटा' गीत वाली दिलीपकुमार, राजकुमार, विवेक मुशरान, मनीषा की फिल्म-४
६. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की 'नहीं कही थी बात' गीत वाली फिल्म-३
७. 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
९. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२
१०. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'लो मेरा प्यार लेलो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुम्ही रहनुमा हो' गीत वाली अनिल धवन, राधा सलूजा की फिल्म-३
१५. सुनीलदत्त, मीनाकुमारी की 'रंग और नूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेंमा मालिनी की फिल्म-२,२
२१. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमसे तो अच्छी तेरी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'कोई देख रहा रहा' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
२४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'आ जा जाने जां' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'मैं तेरा मजनूं' गीत वाली गोविंदा, सोनाली, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-२
२७.शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
२९. फरदीनखान, करीना कपूर की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-३
३२. अनिलकपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

२. सनी देओल, सुनील, शिल्पा की 'कोई परी आती नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'ओ नचलै नचलै' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन की फिल्म-३
४. राजेश खन्ना, टीना, पद्मिनी की फिल्म-३
५. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली फिल्म-३
८. संजयदत्त, गोविंदा, दिव्या, ममता की 'दिल तो खोया है' गीत वाली फिल्म-४
९. 'गोरे गोरे मुखड़े पे' गीत वाली अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की फिल्म-३
११. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
१२. 'हाथी मेरे साथी' की नायिका?-३
१४. 'तुमको कितना है' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना जेटली की फिल्म-२
१६ संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदनी रातें प्यार की बातें गीत वाली देवआनंद, गीताबाली की फिल्म-२
१९. शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'यशोदा का नंदलाला' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२२. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'जो बीच बजरिया' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
२५.विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
२६. 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज सरे महफिल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2035

य	स	बॉ	स	■	ह	मे	शा	■	स
हू	■	र्ड	■	रॉ	की	■	■	खौ	फ
दी	दा	र	■	■	क	स	क	■	र
■	मि	■	की	म	त	■	री	ना	■
सु	नी	ल	■	र्या	■	हि	ना	■	कि
जा	■	व	ही	दा	■	म्म	■	जि	स्म
ता	ल	■	रे	■	सौ	त	न	■	त
■	ल	म्हे	■	सौ	दा	■	ज	या	■
शा	का	■	जीं	■	ग	■	रा	■	प्या
का	र	तू	स	■	र	वी	ना	■	सा

सूडोकु -2036

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2035 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

शब्द पहेली - 2036

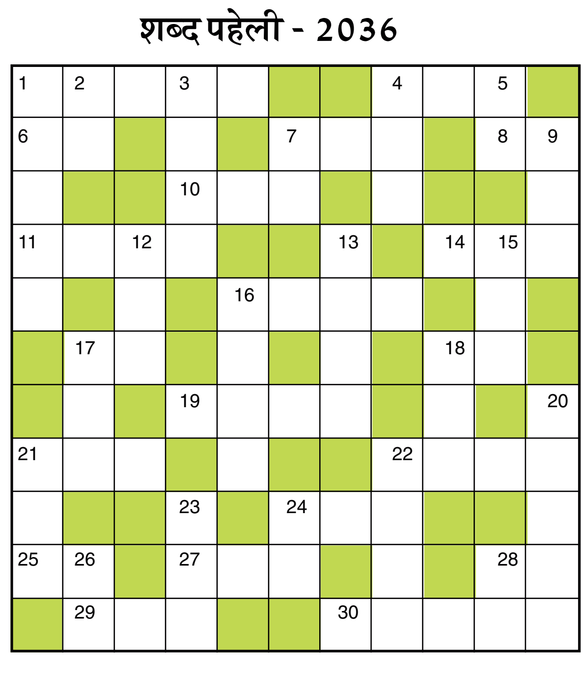

बाएँ से दाएँ

1.असह्य,नागवार-5
4.कली-3
6.पराया,पंख-2
7.समुद्र-3
8.पिता की बहन-2
10.चौकसी,सुरक्षा-3
11.कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14.छल,धोखा-3
16.पक्षी,उड़ने वाला-4
17.उम्मीद-2
18.दौरा,पहरेदारी-2
19.धारण करना-4
21.आफत,मुसीबत-3
22.विदिर्ण-2,2
24.प्रकाशित-3
25.बल,जान-2
27.रसदार-3
28.जगत,दुनिया-2
29.नग,मूल्यवान पत्थर-3
30.तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे

1.जबरन उठा ले जाना-5
2.महोदय (अंग्रेजी-2)
3.नीलिमा-4
4.कुंती पुत्र,राधेय-3
5.वश,अधीन-2
7.संपूर्ण,पूर्ण-2
9.शिकार-3
12.असली,शुद्ध-3
13.हठ करना,रोना -4
15.हारा हुआ,पराजित-3
16.मशवरा,सलाह-4
17.विश्राम-3
18.अभिमान-3
20.भयभीत होना-2,3
21.संभवतः-3
22.टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23.तरना,स्वीमिंग-3
24.इसे मकड़ी बुनती है-2
26.जी,चित-2
28.संपत्ति-2

शब्द पहेली -2035 का हल

■	अ	ह	म	क	■	जा	य	दा	द	■
ल	■	क	म	र	■	न	म	न	■	अ
व	स	■	ता	त	■	का	ज	■	हा	र
कु	ली	न	■	ल	ह	र	■	रा	ज	मा
श	ब	न	म	■	म	■	आ	स	मा	न
■	■	■	सा	फ	स	फा	ई	■	■	■
अ	च	र	ज	■	फ	■	ना	ला	य	क
व	म	न	■	ह	र	म	■	ल	की	र
ता	न	■	स	जा	■	हा	र	■	न	त
र	■	क	र	म	■	व	ज	न	■	ब
■	ग	फ	ल	त	■	त	क	दी	र	■

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में हुए उल्लेखनीय कार्य: डॉ. वीरेंद्र कुमार

एजेंसी

देवास। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में 2014 के बाद से शिक्षा एवं चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। चिकित्सा के क्षेत्र में देश ने बहुत तरक्की की है, अब यहां पर विदेशों से भी उपचार कराने के लिए लोग आते हैं। विदेशों की तुलना में देश में सस्ता और अच्छा उपचार मिल रहा है। यह हमारे लिए बड़े ही गौरव की बात हैं। उक्त बातें केन्द्रीय सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने मध्य प्रदेश के देवास में स्थित अमलतास विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि सबका साथ-सबका विश्वास तथा सबका विकास हो। इसके लिए हम सभी को कार्य करना होगा और देश को आत्मनिर्भर बनाने में सभी का सामूहिक प्रयास करने होंगे। डॉ. कुमार ने कहा कि जब भी सेवा क्षेत्र की बात आती है तो चिकित्सा क्षेत्र के बात आती है। चिकित्सा के क्षेत्र में आप लोग जीवन की दूसरी पारी प्रारंभ करने जा रहे हैं। आप अपने जीवन के एक नए अध्याय की शुरूआत करने जा रहे हैं। आज आप इस विश्वविद्यालय से जरूर विदा हो रहे हैं, लेकिन आप यहां से डिग्री ही नहीं संस्कार, त्याग का भाव, समर्पण का भाव, सेवा का भाव लेकर भी समाज में जा रहे हैं।

जन विश्वास प्रावधान संशोधन विधेयक 2026 से स्वास्थ्य क्षेत्र में नियमों का अनुपालन हुआ आसान

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों में जन विश्वास प्रावधान संशोधन विधेयक 2026 को मंजूरी दे दी है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इस विधेयक से व्यवसाय और नागरिकों के लिए नियमों को सरल बनाने और छोटे अपराधों को हटाने की दिशा में बड़ा कदम है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इस विधेयक का उद्देश्य विश्वास आधारित शासन को बढ़ावा देना और अनुपातिक नियमों के पालन को सुनिश्चित करना है। इस विधेयक के तहत 23 मंत्रालयों के अंतर्गत आने वाले 79 केंद्रीय कानूनों के 784 प्रावधानों में संशोधन किया गया। 67 प्रावधानों को संशोधित किया गया ताकि नागरिकों के लिए जीवन आसान हो। इसके तहत 717 मामूली अपराधों को गैर-आपराधिक बनाकर जेल की सजा के बजाय केवल जुर्माने का प्रावधान किया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने विज्ञप्ति जारी कर कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में संशोधन मुख्य रूप से ड्रग एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940, फार्मेसी एक्ट 1948, खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता एक्ट 2006, नैदानिक स्थापन (रजिस्ट्रीकरण और विनियमन)अधिनियम, 2010, राष्ट्रीय संबद्ध एवं स्वास्थ्य सेवा आयोग अधिनियम 2021 शामिल है। इन नए प्रावधानों के तहत गैर-जरूरी दस्तावेज़ न रखने या जानकारी न देने जैसे मामूली उल्लंघनों के लिए अदालत में लंबी प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने प्रदूषण के खिलाफ लागू किया एक्शन प्लान

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली में वायु प्रदूषण के खिलाफ एक निर्णायक और व्यापक अभियान की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2026-27 के ऐतिहासिक ग्रीन बजट के बाद दिल्ली सरकार ने एयर पॉल्यूशन मिटिगेशन एक्शन प्लान-2026 (वायु प्रदूषण शमन कार्य योजना- 2026) लागू कर दिया है। प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण को लेकर मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 'मुख्यमंत्री जनसेवा सदन' में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, मनजिंदर सिंह सिरसा, डॉ. पंकज कुमार सिंह, मुख्य सचिव राजीव वर्मा, दिल्ली मेट्रो रेल निगम, यातायात पुलिस व सरकार के सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रीन बजट के जरिए सरकार ने साफ हवा और पर्यावरण को अपनी प्राथमिकता बनाया है। इस बजट में साफ परिवहन, धूल पर नियंत्रण, कचरा प्रबंधन, हरियाली बढ़ाने और प्रदूषण की निगरानी के लिए पर्याप्त धन दिया गया है। एयर पॉल्यूशन मिटिगेशन एक्शन प्लान-2026 इन्हीं योजनाओं को तय समय में और पूरी जिम्मेदारी के साथ लागू करेगा। उन्होंने कहा कि यह केवल घोषणा नहीं, बल्कि संसाधनों, तकनीक और सख्ती के साथ चलाया जा रहा अभियान है, जिसका मकसद दिल्ली के हर नागरिक को साफ और बेहतर हवा देना है।

गरीब व मध्यम वर्ग को बेहतर यात्रा सुविधा देना रेलवे की प्राथमिकता: अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता गरीब और मध्यम वर्ग को सुरक्षित, सुलभ और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करना है। उन्होंने अधिकारियों से इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का आह्वान किया। रेल भवन में देशभर के विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए वैष्णव ने रेलवे परिवार को पिछले वर्ष के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। उन्होंने रेल दुर्घटनाओं में ऐतिहासिक कमी, रिकॉर्ड माल ढुलाई और त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में विशेष ट्रेनों के सफल संचालन को भारतीय रेलवे की छवि में सुधार का प्रमुख कारण बताया। वैष्णव ने कहा कि रेलवे स्टेशन जनता के सामने भारतीय रेलवे का चेहरा होते हैं, इसलिए उनकी साफ-सफाई और बेहतर रखरखाव सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को यात्री सुविधाओं में सुधार और स्टेशनों के आधुनिकीकरण के लिए आवंटित धन का प्रभावी उपयोग करने के निर्देश दिए। भीड़ प्रबंधन पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि विशेषकर त्योहारों के समय यात्रियों को बिना किसी असुविधा के प्लेटफॉर्म तक पहुंचने और ट्रेन में सवार होने की सुविधा मिलनी चाहिए।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड गुजरात विधानसभा से पारित यूसीसी को गुजरात हाई कोर्ट में चैलेंज करेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने गुजरात विधानसभा से पारित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का कड़े शब्दों में विरोध करते हुए इसको गुजरात हाई कोर्ट में चैलेंज करने का फैसला किया है। बोर्ड प्रवक्ता कासिम रसूल इलियास ने कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ़ इंडिया के डिप्टी स्पीकर हाल में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा की गुजरात विधानसभा से पारित यूसीसी गैर संवैधानिक कदम है और यह संविधान में प्राप्त धार्मिक स्वतंत्रता का भी उल्लंघन है। संवाददाता सम्मेलन को जमात-ए-इस्लामी हिंद के उपाध्यक्ष मलिक मोतसिम खान ने भी संबोधित किया। कासिम रसूल इलियास ने बताया कि राज्य सरकारों को इस तरह का कानून बनाने का अधिकार नहीं है, फिर भी राज्य सरकारों के जरिए अपने एजेंडे पर अमल करते हुए इस तरह का कानून

बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कानून से किसी भी तरह का कोई फायदा होने वाला नहीं है बल्कि इससे भविष्य में तमाम तरह की नई उलझने पैदा होगी। उन्होंने कहा कि पहले से फैमिली कोर्ट मौजूद है और वहां पर तमाम तरह की फैमिली से जुड़े विवाद हल किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि हमारे देश में सभी धर्मों के मानने वाले अपने-अपने पर्सनल लॉ के अनुसार चलकर अपने विवादों को हल करते हैं। ऐसी स्थिति में यूसीसी की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि जो यूसीसी बनाया गया है, उसमें हिंदू धर्म से जुड़े रीति-रिवाजऔर मान्यताओं को थोपने का प्रयास किया गया है जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने केंद्र सरकार से गुजरात और उत्तराखंड यूसीसी पर हस्तक्षेप करने की माग करते हुए बताया कि हमने उत्तराखंड यूसीसी को उत्तराखंड हाईकोर्ट में चैलेंज किया है और इसी तर्ज पर गुजरात यूसीसी को गुजरात हाईकोर्ट में चैलेंज करेंगे। इस मौके पर मलिक मोतसिम खान ने कहा कि हमें समान नागरिक संहिता जैसी कोई भी चीज स्वीकार नहीं है और हम गुजरात में यूसीसी के पास होने का विरोध करते हैं?। उन्होंने कहा कि जब यह बात कही जा रही है कि यूसीसी में सभी लोगों को शामिल किया गया है तो फिर आदिवासी और जनजातीय लोगों को इससे छूट क्यों दी गई है तो इससे यूसीसी लागू करने का मकसद पूरी तरह से विफल हो जाता है। उन्होंने कहा कि यूसीसी का हम हर स्तर पर विरोध करेंगे। उन्होंने मुसलमानो का आह्वान किया है कि वह यूसीसी का विरोध करें और अपने घरेलू और खानदानी मामला शरअई तौर पर हल करने की कोशिश करें । उन्होंने कहा कि अन्य सभी धर्मों के लोगों को भी यूसीसी के खिलाफ आंदोलन में शामिल किया जाना चाहिए और इसका जोरदार तरीके से विरोध किया जाना चाहिए।

जयपुर समेत कई राज्यों में भूकंप के झटके, दहशत में घरों से बाहर निकले लोग

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित दिल्ली-एनसीआर, जम्मू-कश्मीर और चंडीगढ़ में शुक्रवार रात को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में दहशत का माहौल बन गया। भूकंप के झटके महसूस होते ही लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। खासतौर पर जम्मू-कश्मीर में लगातार दो झटकों ने लोगों को सहमा दिया। वहीं दिल्ली-एनसीआर में भी नोएडा समेत कई इलाकों में लोग ऑफिस और रिहायशी इमारतों से बाहर निकलते नजर आए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, झटके कुछ सेकंड तक महसूस किए गए, जिससे ऊंची इमारतों में रहने वाले लोगों में ज्यादा डर का माहौल रहा। हालांकि राहत की बात यह है कि अभी तक किसी भी क्षेत्र से जानमाल के नुकसान की कोई सूचना सामने नहीं आई है।

आनंद विहार नमो भारत स्टेशन पर एनसीआर का सबसे बड़ा ईवी चार्जिंग स्टेशन शुरू, एक साथ 10 वाहन होंगे चार्ज

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर में स्वच्छ और हरित परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने एक और महत्वपूर्ण पहल की है। दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के आनंद विहार नमो भारत स्टेशन पर अब तक का सबसे बड़ा फास्ट इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) चार्जिंग स्टेशन शुरू कर दिया गया है। इस सुविधा के शुरू होने से इलेक्ट्रिक वाहन उपयोगकर्ताओं को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। नए स्थापित इस चार्जिंग स्टेशन पर कुल 480 किलोवाट क्षमता की 10 हाई-वोल्टेज फास्ट चार्जिंग यूनिट्स लगाई गई हैं। इनकी खासियत यह है कि एक साथ 10 इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज किया जा सकता है। अत्याधुनिक तकनीक से लैस ये चार्जर चौपहिया वाहनों को महज 30 मिनट में करीब 80 प्रतिशत तक चार्ज करने में सक्षम हैं। इसके अलावा भारी व्यावसायिक ई-वाहनों के लिए भी विशेष चार्जिंग पॉइंट्स उपलब्ध कराए गए हैं। चार्जिंग सुविधा को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए 'इलेक्ट्रीफाई' मोबाइल एप्लिकेशन की मदद ली जा रही है। इस ऐप के जरिए वाहन मालिक

आसानी से रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं, ऑनलाइन स्लॉट बुक कर सकते हैं और अपने वाहन की चार्जिंग की रीयल-टाइम मॉनिटरिंग भी कर सकते हैं। डिजिटल भुगतान की सुविधा भी ऐप में उपलब्ध है, जिससे पूरी प्रक्रिया पूरी तरह से स्मार्ट और पारदर्शी बन जाती है। आनंद विहार स्टेशन पर इस सुविधा के शुरू होने के साथ ही अब साहिबाबाद, गुलधर, दुहाई, मुरादनगर, मोदीनगर साउथ, मोदीनगर नॉर्थ और मेरठ साउथ सहित कुल 8 नमो भारत स्टेशनों पर ईवी चार्जिंग की सुविधा उपलब्ध हो गई है। इन स्टेशनों पर फास्ट और सामान्य दोनों प्रकार के चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किए गए हैं।यह पहल उन यात्रियों के लिए बेहद लाभकारी साबित होगी, जो नमो भारत स्टेशन तक अपने निजी इलेक्ट्रिक वाहनों से पहुंचते हैं। अब वे यात्रा के दौरान ही अपने वाहनों को चार्ज कर सकेंगे। साथ ही आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी इस सुविधा का लाभ मिलेगा, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने की प्रवृत्ति बढ़ेगी।एनसीआरटीसी का यह कदम न केवल यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं प्रदान करता है, बल्कि प्रदूषण नियंत्रण और सतत विकास के राष्ट्रीय लक्ष्यों की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। निगम आने वाले समय में अन्य स्टेशनों पर भी इस तरह की सुविधाओं का विस्तार करने की योजना बना रहा है।

राजस्थान के 20 से ज्यादा जिलों में भारी बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट

एजेंसी

जयपुर । भारतीय मौसम विभाग ने शनिवार को राजस्थान के 20 से अधिक जिलों में भारी बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। इसके पीछे सक्रिय 'वेस्टर्न डिस्टर्बेंस' को वजह बताया जा रहा है, जिसका असर पूरे प्रदेश में देखने को मिल रहा है। भी राजस्थान के 10 से ज्यादा जिलों में मौसम ने अचानक रौद्र रूप दिखाया। कई इलाकों में तेज बारिश, आंधी और ओलावृष्टि हुई। बीकानेर, श्री गंगानगर और जैसलमेर में ओले गिरे, जबकि अन्य क्षेत्रों में तेज बारिश दर्ज की गई। राजधानी जयपुर में शुक्रवार देर शाम आई तेज धूल भरी आंधी ने एक व्यक्ति की जान ले ली। जवाहर नगर इलाके में 50 वर्षीय रामजीलाल माहवार नामक मोटरसाइकिल सवार के ऊपर बिजली का खंभा गिर गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मौसम केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार, शनिवार को उदयपुर, अजमेर, कोटा, जयपुर और भरतपुर संभागों के साथ-साथ शेखावाटी क्षेत्र में तेज हवाएं, भारी बारिश और कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है। हालांकि 5 और 6 अप्रैल को मौसम थोड़ा शांत हो सकता है, लेकिन 7 अप्रैल से एक

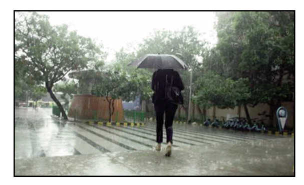

नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय होने की उम्मीद है, जिससे फिर से आंधी और बारिश तेज हो सकती है। जयपुर में शुक्रवार शाम करीब 5 बजे शुरू हुआ तूफान देर रात तक जारी रहा। तेज हवाओं के साथ आई इस आंधी ने शहर में कई जगह नुकसान पहुंचाया और कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई, जिससे लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी।

अचानक बदले इस मौसम का असर तापमान पर भी पड़ा है। कई जिलों में दिन के तापमान में करीब 7 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है। सबसे अधिक तापमान 35.6 डिग्री सेल्सियस चित्तौड़गढ़ और अलवर में रिकॉर्ड किया गया, जबकि अन्य जगहों पर तापमान में गिरावट देखी गई।

इस खराब मौसम का सबसे ज्यादा असर किसानों पर पड़ा है। बारिश, तेज हवा और ओलावृष्टि ने सरसों, गेहूं और चने जैसी रबी फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। मंडियों में खुले में रखी फसल भी भीगने से खराब हो गई। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आमतौर पर मार्च के बाद वेस्टर्न डिस्टर्बेंस कमजोर हो जाते हैं, लेकिन इस साल 13 मार्च के बाद से लगातार छह सिस्टम सक्रिय हो चुके हैं।

प्रदेश में डेयरी सेक्टर को मिले विस्तार, सरस को बनाएं राष्ट्रीय ब्रांड : भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि डेयरी क्षेत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सशक्त धुरी है, जो किसानों एवं दुग्ध उत्पादकों की आर्थिक समृद्धि का आधार बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल ग्रामीण परिवारों को आर्थिक संबल मिलता है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होते हैं। शर्मा मुख्यमंत्री कार्यालय में डेयरी क्षेत्र के विकास को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान दुग्ध उत्पादन में अग्रणी राज्य है। ऐसे में प्रदेश में डेयरी द्वारा दुग्ध संग्रहण एवं प्रसंस्करण अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण के साथ लक्ष्य निर्धारित करते हुए औसत दुग्ध संकलन एवं दुग्ध सहकारी समितियों का विस्तार किया जाए। सरस उत्पादों की हो व्यापक ब्रांडिंग मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने बजट में 2000 हजार करोड़ रुपये के राजस्थान कॉपरेटिव डेयरी इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट फंड एवं सरस को राष्ट्रीय ब्रांड के रूप में स्थापित किए जाने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि राज्य के बाहर के साथ ही प्रदेश के प्रमुख

धार्मिक व पर्यटन स्थलों पर सरस आउटलेट खोले जाने की संभावनाएं तलाशी जाए। उन्होंने कहा कि डेयरी उत्पादों की व्यापक ब्रांडिंग भी की जाए।

उत्पादों में रखे उच्च गुणवत्ता, करें औचक निरीक्ष

शर्मा ने कहा कि दुग्ध उत्पादों में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि मिलावट के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए औचक निरीक्षण किए जाए एवं इसमें लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, अत्याधुनिक मिल्क टेस्टिंग मशीन एवं रियल टाईम मॉनिटरिंग सिस्टम का सुदृढ़ीकरण किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सहकार से समृद्धि के ध्येय के साथ कार्य कर रही है। सहकारिता एवं डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने से किसानों को मजबूती मिल रही है। उन्होंने निर्देश दिए कि समस्त विभागीय योजनाओं का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए पारदर्शी एवं सुगम तरीके से दुग्ध उत्पादकों को अधिकाधिक लाभ पहुंचाया जाए। साथ ही, तकनीकी नवाचारों को अपनाते हुए डेयरी क्षेत्र को और अधिक संगठित एवं प्रतिस्पर्धी बनाया जाए। बैठक में बताया गया कि पिछले दो वर्षों में राज्य सरकार के विशेष प्रयासों से आरसीडीएफ के मुनाफे में वृद्धि हो रही है। वर्तमान में आरसीडीएफ के औसत दुग्ध संकलन से लेकर दुग्ध प्रसंस्करण क्षमता, दुग्ध उत्पादों के विपणन एवं विविधकरण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

इस दौरान पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

यूपी एटीएस ने पाकिस्तान से संचालित गिरोह का किया भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने पाकिस्तान से संचालित एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह सोशल मीडिया के विभिन्न हैंडल्स के माध्यम से पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में रहकर देश के महत्वपूर्ण संस्थानों, रेलवे संपत्तियों और राजनीतिक व्यक्तियों को निशाना बनाने की साजिश रच रहा था। एटीएस ने समय रहते कार्रवाई कर चार आरोपितों को गिरफ्तार कर बड़ी साजिश को विफल करने में सफलता हासिल की है। एटीएस के अनुसार एक गिरोह पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स के संपर्क में था और उनके निर्देश पर देशविरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। गिरोह का मुख्य काम देश के महत्वपूर्ण संस्थानों की रेकी कर संवेदनशील सूचनाएं पाकिस्तान भेजना और योजनाबद्ध तरीके से सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाना था। जांच में सामने आया कि आरोपित सोशल मीडिया टेलीग्राम, इंस्टाग्राम और सिग्नल के माध्यम से पाकिस्तानी हैंडलर्स, कई कट्टरपंथी समूहों और अफगानिस्तान के कुछ नंबरों से भी जुड़े थे। इस गिरोह का मुख्य सदस्य साकिब उर्फ डेविल (25 वर्ष) पुत्र शकील अहमद निवासी ग्राम अगवानपुर थाना परीक्षितगढ़, मेरठ बताया गया है। उसके साथ मेरठ निवासी अरबाब (20), राम विहार, गौतम बुद्ध नगर निवासी विकास पहलावत उर्फ रौनक (27) और लोकेश उर्फ पपला पंडित उर्फ बाबू उर्फ संजू (19) भी इस साजिश में शामिल थे। ये सभी आरोपित पैसों के लालच में देश के विभिन्न शहरों में महत्वपूर्ण स्थानों की रेकी करते थे और उनकी जानकारी व वीडियो पाकिस्तानी हैंडलर्स को भेजते थे। पाकिस्तानी हैंडलर इन्हें टेलीग्राम, इंस्टाग्राम के माध्यम से 'ओसामा बिन लादेन ', 'फरुतुल्ला गोरी ', 'कश्मीर मुजाहिद्दीन ', 'गजवा-ए-हिंद' तथा धर्म के आधार पर वाहन जलाने के लिए उकसाते थे और षडयंत्र रचते थे।

पीएम मोदी ने किया चेन्नई में संगीतकार रमेश विनायकम से मुलाकात का जिक्र

'गमक बॉक्स नोटेशन सिस्टम' को सराहा

एजेंसी

चेन्नई । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को चुनावी यात्रा के बीच चेन्नई में प्रसिद्ध संगीतकार रमेश विनायकम और उनके परिवार से मुलाकात कर भारतीय संगीत को वैश्विक मंच पर ले जाने के उनके प्रयासों की सराहना की। यह जानकारी पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट के जरिए दी। पीएम मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'चुनाव प्रचार के दौरान मुझे चेन्नई में रमेश विनायकम और उनके परिवार से मिलने का अवसर मिला। रमेश विनायकम एक संगीतकार हैं और उन्होंने अपना पूरा जीवन भारतीय संगीत को लोकप्रिय बनाने के लिए समर्पित कर दिया है। उन्होंने मुझे 'गमक बॉक्स नोटेशन सिस्टम' तैयार करने के अपने काम की एक झलक दिखाई। भारतीय संगीत को दुनिया तक पहुंचाने का यह एक बेहद ही अभिनव तरीका है।' गमक बॉक्स नोटेशन सिस्टम एक विजुअल नोटेशन तकनीक है, जो भारतीय संगीत के सूक्ष्म अलंकारों को समझने और सिखाने में मदद करती है। किसी स्वर

को सीधे न गाकर उसे हिलाकर, मोड़कर या सजाकर गाने को गमक कहते हैं। रमेश विनायकम एक प्रसिद्ध भारतीय संगीतकार, गायक, गीतकार और संगीत शोधकर्ता हैं। वे मुख्य रूप से तमिल और तेलुगु फिल्म उद्योगों में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 12 साल की उम्र में अपना पहला गाना लिखा और संगीतबद्ध किया था। उनके पिता, श्री विनायकम उनके पहले गुरु थे।

चुनावी कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री का केरल दौरा भी तय है। उनके कार्यक्रम के अनुसार, वे दोपहर करीब 2:30 बजे तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद वे हेलीकॉप्टर से कोट्टायम जिले के चंगनास्सेरी एनएसएस कॉलेज मैदान के लिए रवाना होंगे, जहां वे करीब 3 बजे पहुंचेंगे।

यहां से प्रधानमंत्री सड़क मार्ग से तिरुवल्ला के स्टेडियम में आयोजित एक जनसभा में शामिल होंगे। इस जनसभा में पार्टी के वरिष्ठ नेता और आसपास के क्षेत्रों से एनडीए उम्मीदवारों के शामिल होने की संभावना है।

जनसभा के बाद प्रधानमंत्री वापस तिरुवनंतपुरम लौटेंगे, जहां शाम को वे किल्लीपालम से करमाना जंक्शन तक करीब 1.5 किलोमीटर लंबा रोड शो करेंगे। इस रोड शो में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के शामिल होने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री जिला स्तर के एनडीए उम्मीदवारों से भी मुलाकात करेंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार, वे शाम करीब 7 बजे दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

केरल में 9 अप्रैल को मतदान होना है, जबकि वोटों की गिनती 4 मई को की जाएगी।

आंधी- बारिश और ओलावृष्टि ने मचाई तबाही

अगले 24 घंटे के लिए मौसम विभाग ने दी ये चेतावनी

एजेंसी

लखनऊ। आगरा के देहात क्षेत्रों में शुक्रवार रात आसमान से आफत बरसी। फतेहपुर सीकरी, कागारौल, फतेहाबाद, अकोला, बिचपुरी, खेरागढ़, इरादतनगर और किरावली में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को जबरदस्त नुकसान हुआ। मौसम की बेरुखी से किसान खासे चिंतित नजर आए। किसानों ने प्रशासनिक अमले से मुआवजे के लिए संपर्क साधना शुरू कर दिया है। वहीं, किसान नेताओं व स्थानीय राजनेताओं ने भी किसानों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाना शुरू कर दिया है। फतेहाबाद में तेज आंधी के बाद बारिश और ओले भी गिरे। इस दौरान खेतों में खड़ी और कटी हुई गेहूं की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। वहीं किरावली के गांवों में आंधी, बारिश और ओले गिरने से गेहूं फसल में नुकसान हुआ है। गांव बैमन, बसेरीचाहर, रोझौली, मसेलिया, जैंगारा में ओले गिरने से फसलों में भारी नुकसान हुआ है। किसान नेताओं और ग्रामीणों सौदान सिंह, प्रेम सिंह, ओमप्रकाश, हरेंद्र, विशंभर प्रधान आदि ने सरकार से मांग की है कि जल्द से जल्द नुकसान का सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिया जाए। किसानों का

कहना है कि लागत निकालना तो दूर, अब घर चलाने का संकट सामने खड़ा है। शुक्रवार रात आंधी के बाद बारिश और ओलावृष्टि से अकोला, रामनगर, गहर्रा खुर्द, गहर्रा कलां, अखवाई, मुरकिया, उजरई, नगला परमाल, नगला जयराम, बेरी चाहर आदि दर्जनों गावों में गेहूं और जौ की फसलों में भारी नुकसान हुआ है। किसानों के नुकसान को देखते हुए समाजसेवी अरविंद चाहर, भाजपा नेता अशोक लवानियां, अरुण कांत लवानियां, शैलेंद्र सिंह उर्फ शैली, सत्यभान सिंह आदि किसानों ने सरकार से किसानों के हुए नुकसान का मुआवजा दिए जाने की मांग की है। इधर, मलपुरा के गांव जारूआ कटरा, भांडई, सिरौली, कुठाबली, इटौरा, बाद आदि गांव में बारिश और ओलावृष्टि की वजह से किसानों की गेहूं की फसल में नुकसान होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। जारूआ कटरा के किसान उमेश दुबे ने बताया कि बारिश और ओलावृष्टि से जामुन और फालसा की खेती में नुकसान हुआ है। कृषि विज्ञान केंद्र बिचपुरी के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राजेंद्र सिंह चौहान ने बताया तेज हवा से गेहूं की खड़ी फसल जमीन पर बिछ गई है, जिससे दाने की गुणवत्ता और पैदावार दोनों घटेगी। भिंडी, लौकी, तोरई, मक्का, कद्दू, खीरा और टमाटर की फसलें ओलावृष्टि से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं। फसल खराब होने से भूसे का उत्पादन कम होगा, जिससे पशुपालकों के सामने चारे का बड़ा संकट खड़ा हो सकता है।

संसद की कार्यवाही 13 दिनों के लिए स्थगित, 16 से 18 अप्रैल तक महिला आरक्षण पर चर्चा

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में महाकाल की पावन धरा उज्जैन में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'महाकाल : द मास्टर ऑफ टाइम' की शुरुआत हुई। सम्मेलन में देश-विदेश के प्रख्यात खगोलविदों, वैज्ञानिकों और शीर्षस्थ विद्वानों ने भारतीय काल-गणना की वैज्ञानिकता और उसकी प्राचीन श्रेष्ठता पर गहन मंथन किया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य उज्जैन की गौरवशाली पहचान को वैश्विक पटल पर पुनः स्थापित करना है। उज्जैन नगरी युगों तक विश्व के प्रधान मध्याह्न रेखा (प्राइम मेरिडियन) और काल-गणना का केंद्र रही है। विद्वानों ने एक स्वर में यह आह्वान किया कि अब समय आ गया है जब हम समय की वैश्विक अवधारणा के 'भारतीयकरण' की ओर बढ़ें और अपनी उस वैज्ञानिक विरासत को जीवंत करें, जो सदियों तक मानवता के लिए समय का बोध कराती रही है। सम्मेलन के प्रथम सत्र का मुख्य विषय 'समय क्या है? इसका मापन कैसे हुआ तथा प्रधान मध्यान्ह (मेरेडियन) रेखा के रूप में उज्जैन का महत्व' रहा। सत्र का संचालन करते हुए आईआईटी गुवाहाटी के प्रो. तडीकोंडा वेंकट भारत ने समय के मूल स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्राचीन भारत काल-गणना के क्षेत्र में संपूर्ण विश्व का मार्गदर्शक था। कालांतर में सांस्कृतिक संक्रमण के कारण हमारा यह अमूल्य ज्ञान पाश्चात्य पद्धतियों के अधीन हो गया। अब समय की मांग है कि हम आधुनिक विज्ञान और शोध के माध्यम से अपनी विरासत का पुनरुद्धार करें। राज्यसभा की एस. राधाकृष्णन पीठ के इतिहासविद् डॉ. एम.एल. राजा ने गर्व के साथ भारत को 'काल-गणना का देवता' निरूपित किया। उन्होंने कहा कि पाश्चात्य जगत जिस कालखंड की सूक्ष्मता को समझने का प्रयास कर रहा है, वह भारतीय मनीषियों के लिए हजारों वर्ष पूर्व भी प्रत्यक्ष सत्य था। डॉ. राजा ने भारतीय कैलेंडर की वैज्ञानिकता सिद्ध करते हुए बताया कि हमारी पद्धति में लीप ईयर जैसी कोई विसंगति नहीं है; यह खगोलीय पिंडों की गति का शुद्ध गणित है। उन्होंने 'एक राष्ट्र, एक संस्कृति और एक संवत' का दूरगामी विचार प्रस्तुत करते हुए भारतीय साक्ष्यों को अकाट्य प्रमाणों के साथ विश्व के सम्मुख रखने की आवश्यकता पर बल दिया। काशी के प्रो. विनय कुमार पांडेय ने उज्जैन (अवंतिका) के शास्त्रीय और खगोलीय महत्व को नए आयाम दिए। उन्होंने स्कंद पुराण, नारद पुराण और सूर्य सिद्धांत जैसे ग्रंथों का उदाहरण देते हुए बताया कि काल-गणना का वास्तविक मूल केन्द्र अवंतिका ही है।

आईपीएल 2026: रिजवी ने खेली 90 रन की तूफानी पारी, एमआई को हराकर टॉप पर डीसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 04 अप्रैल (वेब वार्ता)। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने शनिवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 8वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ 6 विकेट से जीत दर्ज की। सीजन की लगातार दूसरी जीत के साथ डीसी ने प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान अपने नाम कर लिया है।

मुकाबले में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस ने खराब शुरुआत के बावजूद 6 विकेट खोकर 162 रन बनाए। इस टीम ने तीसरे ओवर में रयान रिकलटन (9) और तिलक वर्मा (0) के विकेट खो दिए थे। उस समय तक टीम के खाते में सिर्फ 18 ही रन जुड़ सके थे। हार्दिक पंड्या के स्थान पर डीसी की कमान संभाल रहे सूर्यकुमार यादव ने यहां से रोहित शर्मा के साथ तीसरे विकेट के लिए 40 गेंदों में 53 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूती दी।

रोहित 26 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 35 रन बनाकर आउट हुए, जबकि सूर्या ने 36 गेंदों में 2 छक्कों और 3 चौकों के साथ 51 रन टीम के खाते में जोड़े। इनके अलावा, नमन धीर ने 28 रन और मिचेल सेंटनर ने नाबाद 18 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

विपक्षी खेमे से मुकेश कुमार ने 2 विकेट हासिल किए, जबकि लुंगी एनगिडी, अक्षर पटेल, विपराज निगम और टी नटराजन ने एक-एक विकेट हासिल किया।

इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने 18.1 ओवरों में जीत हासिल कर ली। मेजबान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। डीसी ने 1.4 ओवरों में महज 7 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा दिए थे। यहां से पथुम निसांका ने समीर रिजवी के साथ तीसरे विकेट के लिए 49 गेंदों में 66 रन जुटाते हुए टीम को 73 के स्कोर तक पहुंचाया।

निसांका 30 गेंदों में 1 छक्के और 6 चौकों के साथ 44 रन बनाकर आउट हुए। यहां से रिजवी ने डेविड मिलर के साथ मोर्चा संभाला। दोनों खिलाड़ियों ने चौथे विकेट के लिए 39 गेंदों में 78 रन की साझेदारी करते हुए डीसी को जीत की दहलीज पर ला दिया।

इस बीच, रिजवी अपने आईपीएल करियर का पहला शतक चूक गए। उन्होंने 51 गेंदों में 7 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 90 रन की पारी खेली। मिलर ने नाबाद 21 रन बनाकर टीम को 11 गेंदें शेष रहते जीत दिलाई। विपक्षी खेमे से दीपक चाहर, मिचेल सेंटनर और कॉर्बिन बॉश ने 1-1 विकेट हासिल किया।

आईपीएल 2026: रोहित शर्मा के नाम जुड़ी बड़ी उपलब्धि, धोनी का तोड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 8वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस की भिड़ंत शनिवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स से हो रही है। मुंबई के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने 26 गेंदों में 35 रन बनाए। रोहित ने अपनी इस पारी के दौरान एमएस धोनी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

रोहित शर्मा आईपीएल में एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में अब तीसरे नंबर पर आ गए हैं। इसके साथ ही वह आईपीएल में एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं। दिल्ली के खिलाफ 35 रनों की अपनी पारी में रोहित ने एक छक्का लगाया। रोहित दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 51 छक्के लगा चुके हैं। उन्होंने इस मामले में एमएस धोनी को पीछे छोड़ दिया है। धोनी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 50 छक्के लगाए हैं। वहीं, इस लिस्ट में पहले नंबर पर क्रिस गेल का नाम है। गेल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 61 छक्के लगाए हैं।

टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रयान रिकेल्टन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 11 गेंदों का सामना करने के बाद महज 9 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरे तिलक वर्मा को मुकेश कुमार ने बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। हालांकि, इसके बाद हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल रहे सूर्यकुमार यादव ने तीसरे विकेट के लिए रोहित शर्मा के साथ मिलकर 53 रन जोड़े। रोहित 26 गेंदों में 5 चौके और एक छक्के की मदद से 35 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, सूर्यकुमार ने 36 गेंदों में 141 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 51 रन बनाए। मुंबई इंडियंस ने इस मुकाबले के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन में तीन बदलाव किए हैं। पूरी तरह से फिट ना होने की वजह से हार्दिक पांड्या यह मुकाबला नहीं खेल रहे हैं और उनकी जगह पर दीपक चाहर को शामिल किया गया है। वहीं, ट्रेंट बोल्ट के स्थान पर कॉर्बिन बॉश और अल्लाह गजनफर की जगह पर मिचेल सैंटनर को टीम में शामिल किया गया है।

स्लो ओवर रेट पर फिर फंसे श्रेयस अय्यर, बीसीसीआई ने जुर्माना किया दोगुना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर एक बार फिर स्लो ओवर रेट के कारण चर्चा में हैं। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में शानदार शुरुआत करने वाली पंजाब टीम को इस बार अपने कप्तान की गलती का खामियाजा भुगतना पड़ा है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में पहले ही स्लो ओवर रेट के दोषी पाए जाने के बाद अब चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी टीम ने तय समय में ओवर पूरे नहीं किए, जिसके चलते बीसीसीआई ने सख्त कार्रवाई की है। आईपीएल की आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, यह इस सीजन में पंजाब किंग्स का दूसरा उल्लंघन है। ऐसे में श्रेयस अय्यर पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है, जो पिछले मैच में लगे 12 लाख रुपये के जुर्माने से दोगुना है। इसके साथ ही प्लेइंग इलेवन और इम्पैक्ट प्लेयर सहित टीम के बाकी खिलाड़ियों पर भी जुर्माना लगाया गया है। खिलाड़ियों को या तो 6 लाख रुपये या उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत, जो भी कम हो, भुगतान करना होगा।

हालांकि, बार-बार गलती के बावजूद अय्यर पर किसी तरह के बैन का खतरा फिलहाल नहीं है। आईपीएल में 2025 से पहले तक नियम था कि एक ही सीजन में तीन बार स्लो ओवर रेट के दोषी पाए जाने पर कप्तान को एक मैच का प्रतिबंध झेलना पड़ता था। लेकिन अब नियमों में बदलाव कर दिया गया है, जिसके तहत कप्तानों और टीमों पर डिमेरिट पॉइंट्स और जुर्माने का प्रावधान लागू किया गया है। नए नियमों के अनुसार, लेवल-1 के अपराध पर मैच फीस का 25 से 75 प्रतिशत तक जुर्माना और डिमेरिट पॉइंट दिए जाते हैं, जो तीन साल तक रिकॉर्ड में रहते हैं। वहीं गंभीर मामलों में लेवल-2 के तहत चार डिमेरिट पॉइंट दिए जा सकते हैं। हर चार डिमेरिट पॉइंट पर अतिरिक्त जुर्माना या कड़ी सजा दी जा सकती है। हालांकि, सिर्फ स्लो ओवर रेट के आधार पर तत्काल मैच बैन नहीं लगाया जाएगा। इस तरह, पंजाब किंग्स को जीत के बावजूद अनुशासन के मोर्चे पर सतर्क रहने की जरूरत है, ताकि आगे ऐसे नुकसान से बचा जा सके।

टी20 क्रिकेट में सफल होने सकारात्मक होने के साथ ही गति भी जरुरी : नरेन

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मिस्ट्री स्पिनर के तौर पर लोकप्रिय सुनील नरेन ने कहा है कि टी20 क्रिकेट में सफलता के लिए सकारात्मक रहते हुए निडर होकर खेलना जरुरी है। इसी से वह गति और लय मिलती है जो जीत के लिए सबसे जरुरी है। साथ ही कहा कि खेल में निरंतरता की भी जरुरत रहती है ताकि लगातार प्रदर्शन किया जा सके। साथ ही कहा कि उनकी टीम का भी लक्ष्य जीत हासिल करने का है जिससे लिए वह प्रयासरत हैं हालांकि उसे अभी तक अपने शुरुआती मैचों में सफलता नहीं मिली है। टीम अब अगले मैच में जीत के साथ ही अंक तालिका में अपना

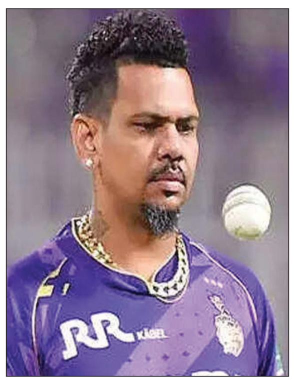

अपना खाता खोलना चाहेगी। उन्होंने कहा कि जब प्रशंसक साथ देते हैं तब भी टीम का हौंसला बढ़ता है। उन्होंने कहा कि आईपीएल में सही समय पर लय हासिल करना, सीनियर खिलाड़ियों का जूनियर खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम करना ही सबसे जरूरी होता है।

नरेन ने कहा, टी20 क्रिकेट में गति ही सब कुछ होती है। मैच जितनी तेजी से आपके हाथ में आता है उतनी ही तेजी से फिसल भी जाता है। इसलिए सकारात्क बने रहना जरुरी है। इसके साथ ही बिना डरे लगातार अच्छा खेलना होता है। नरेन ने आगे कहा कि लीग में आने वाले युवा खिलाड़ी अब आने वाले मैच में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पहले से कहीं ज्यादा तैयार हैं। उन्होंने कहा, आजकल, खिलाड़ी बहुत सारा टी20 क्रिकेट खेलकर लीग में आ रहे हैं। इसलिए यह पहले के मुकाबले काफी आसान हो गया है। खिलाड़ी इसमें काफी उत्साहित रहते हैं और वे किसी भी चीज को कम नहीं आंकते। उन्हें पता है कि आईपीलए कितना कठिन है इसलिए वे हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं।

टीम में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए नरेन ने कहा कि वह टीम की जरूरतों के अनुसार खेलने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं, खासकर बल्लेबाजी में। उन्होंने कहा, मैं ऐसा खिलाड़ी हूं जो टीम की हर जरूरत को पूरा करने के लिए तैयार रहता है। चाहे पारी की शुरुआत हो या पारी का अंत, मैं वही करता हूं जिसकी टीम को जरूरत होती है।

आईपीएल 2026 में ऑरेंज-पर्पल कैप की रेस में उलटफेर, पंजाब किंग्स का दबदबा कायम

नई दिल्ली (।इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के सातवें मुकाबले के बाद टूर्नामेंट में ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की दौड़ में बड़ा बदलाव देखने को मिला है।पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच हुए मुकाबले के बाद दोनों ही कैप पर पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों ने कब्जा जमा लिया है, जिससे टीम का दबदबा साफ नजर आ रहा है।ऑरेंज कैप की रेस में कूपर कोनोली ने बढ़त बना ली है।उन्होंने चेन्नई के खिलाफ 22 गेंदों में 36 रन की अहम पारी खेलते हुए इस सीजन में कुल 108 रन पूरे कर लिए हैं और सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।इस सूची में अंगकृष रघुवंशी 103 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इसके अलावा ईशान किशन (94 रन), हेनरिक क्लासेन (83 रन) और रयान रिकेल्टन (81 रन) भी टॉप बल्लेबाजों में शामिल हैं।पंजाब किंग्स के प्रभसिमरन सिंह ने 43 रन की पारी खेलकर कुल 80 रन के साथ छठे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत की है।वहीं रोहित शर्मा 78 रन के साथ सातवें स्थान पर हैं।चेन्नई सुपर किंग्स के युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 73 रन बनाए और टॉप-10 बल्लेबाजों की सूची में जगह बना ली है। वहीं विराट कोहली और श्रेयस अय्यर भी मध्यक्रम में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

उद्घाटन समारोह से पहले ही शुरु हो जाएंगे ओलंपिक में फुटबॉल मुकाबले : आईओसी

एथेंस ।अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अनुसार साल 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेलों में फुटबॉल मुकाबले उद्घाटन समारोह से चार दिन पहले ही शुरू हो जाएंगे।आईओसी के अनुसार पुरुष और महिला दोनों ही वर्गों के मुकाबले 10 जुलाई से शुरु होंगे।ये ये मुकाबले अमेरिका के सात शहरों में होंगे।वहीं ग्रुप स्तर और क्वार्टर फाइनल मुकाबले न्यूयॉर्क, कोलंबस, नैशविले और सेंट लुई में रखे गये हैं जबकि नॉकआउट मुकाबले कैलिफोर्निया के सैन जोस, सैन डिएगो और पासाडेना में आयोजित होंगे।इन शहरों को उपलब्ध विश्वस्तरीय सुविधाएं होने के कारण ही बड़े मुकाबलों के आयोजन का अवसर मिला है।वहीं फुटबॉल का खिताबी मुकाबला ऐतिहासिक रोज़ बाउल स्टेडियम में खेला जाएगा।इस स्टेडियम में ही साल1994 पुरुष फुटबॉल विश्व कप, 1999 महिला विश्व कप और 1984 ओलंपिक का फाइनल भी खेला गया था।आईओसीके नए कार्यक्रम के अनुसार टीमों को पिछले ओलंपिक के मुकाबले आराम के लिए दो दिन और मिलेंगे।इससे खिलाड़ियों को हालातों से उबरने का अच्छा अवसर मिलेगा।फुटबॉल टूर्नामेंट का अंतिम शेड्यूल इस साल के अंत तक जारी किया जाएगा।

नीलामी में गेंदबाजों को मिस करना पड़ा भारी, फ्लेमिंग

नई दिल्ली ।चेन्नई सुपर किंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में लगातार दूसरी हार के बाद टीम की रणनीति पर सवाल उठने लगे हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ 210 रन जैसा बड़ा स्कोर खड़ा करने के बावजूद चेन्नई इसे बचा नहीं सकी।इस हार के बाद टीम के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने माना कि नीलामी के दौरान कुछ अहम गेंदबाजों को टीम में शामिल न कर पाना अब भारी पड़ रहा है।फ्लेमिंग ने कहा कि टीम मैनेजमेंट ने ऑक्शन के दौरान कई गेंदबाजों पर गंभीरता से विचार किया था, लेकिन परिस्थितियों के चलते वे उन्हें खरीद नहीं सके। उन्होंने स्वीकार किया कि जिन खिलाड़ियों को उस समय नजरअंदाज किया गया, वे अब शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके मुताबिक, टीम ने हर विकल्प पर चर्चा की थी, लेकिन अंत में कुछ खिलाड़ियों को मिस कर दिया गया। चेन्नई की हार ने एक बार फिर गेंदबाजी विभाग की कमजोरियों को उजागर किया है।पंजाब के खिलाफ मैच में बल्लेबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 209 रन बनाए, लेकिन गेंदबाज विपक्षी टीम पर दबाव बनाने में नाकाम रहे।इस कारण बड़ा स्कोर भी टीम के काम नहीं आ सका।टी20 क्रिकेट के बदलते स्वरूप पर बात करते हुए फ्लेमिंग ने कहा कि अब पारंपरिक 卐फिनिशर卐 की भूमिका पहले जैसी नहीं रही। उनके अनुसार, आज के खेल में बल्लेबाज शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हैं और हर ओवर में तेजी से रन बनाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि पहले टीम 16वें ओवर तक पारी संभालती थी, लेकिन अब हर ओवर में 10-12 रन बनाना जरूरी हो गया है।इसके बावजूद फ्लेमिंग ने टीम की बल्लेबाजी पर भरोसा जताया।उन्होंने कहा कि चेन्नई के पास डेवाल्ड ब्रेविस जैसे आक्रामक बल्लेबाज और एमएस धोनी जैसे अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं, जो मैच का रुख बदल सकते हैं।उनके अनुसार, टीम के पास तेज रन बनाने की क्षमता है और बल्लेबाजी में कोई बड़ी चिंता नहीं है। लगातार दो हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स पर दबाव बढ़ गया है।अब टीम का अगला मुकाबला रॉयल्स चेलेंजर बेंगलुरुसे है, जहां जीत हासिल कर वापसी करना उसके लिए बेहद जरूरी होगा।

आईपीएल 2026 अर्जुन तेंदुलकर के लिए 'करो या मरो' का मौका, बोले- खेल का मजा लेने पर है फोकस

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 युवा तेज गेंदबाज अर्जुन तेंडुलकर के लिए बेहद अहम साबित हो सकता है। दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंडुलकर के बेटे अर्जुन अब तक आइपीएल में कोई खास पहचान नहीं बना पाए हैं, ऐसे में यह सीजन उनके करियर के लिए निर्णायक माना जा रहा है। वह इस बार लखनऊ सुपर जाइन्टस की ओर से खेलते हुए अपनी छाप छोड़ने के इरादे से उतरेंगे। घरेलू क्रिकेट में मुंबई से गोवा शिफ्ट होने के बाद अर्जुन ने अपनी गेंदबाजी में सुधार दिखाया है और कई मौकों पर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। हालांकि, उन्होंने खुद स्वीकार किया है कि वह अब भी अपने ÷कम्फर्ट जोन÷ से पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाए हैं। एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान अर्जुन ने कहा कि वह फिलहाल

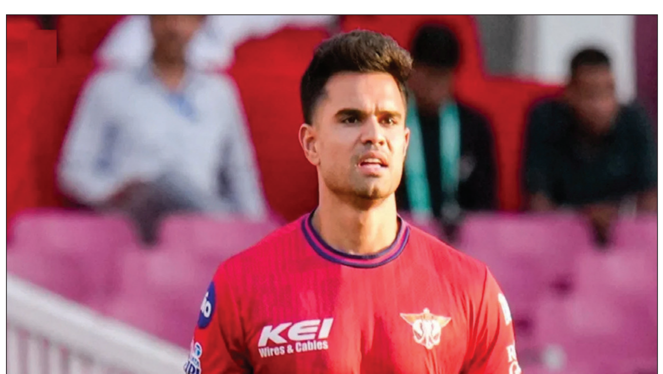

अपने खेल को एंजॉय कर रहे हैं और उसी पर ध्यान दे रहे हैं।

अर्जुन के करियर में दबाव की बात भी अक्सर उठती रही है, खासकर उनके पिता की विरासत के कारण। इस पर उन्होंने साफ कहा कि वह बाहरी अपेक्षाओं के बजाय अपने खेल पर फोकस करते हैं। उनके मुताबिक, वह क्रिकेट किसी को कुछ साबित करने के लिए नहीं, बल्कि अपने जुनून के चलते खेलते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता मेहनत करना और खेल का आनंद लेना है। अर्जुन से जुड़ा एक पुराना किस्सा भी चर्चा में रहा, जब 2016 में कांगा लीग के दौरान एक साथी खिलाड़ी ने उनके पिता के मशहूर 'बूस्ट' विज्ञापन को लेकर मजाक किया था। हालांकि, अर्जुन ने ऐसे अनुभवों को हल्के में लेते हुए हमेशा अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित रखा है।

अब आईपीएल 2026 उनके लिए बड़ा मंच है, जहां अच्छा प्रदर्शन उन्हें नई पहचान दिला सकता है। लगातार मौके मिलने के बावजूद अब तक प्रभाव छोड़ने में असफल रहे अर्जुन के सामने इस बार खुद को साबित करने की चुनौती है। यदि वह इस सीजन में बेहतर प्रदर्शन करते हैं, तो न केवल टीम में अपनी जगह पक्की कर सकते हैं, बल्कि भारतीय क्रिकेट में भी एक मजबूत पहचान बना सकते हैं।

तनाव से बचने क्रिकेट खिलाड़ी गोल्फ भी खेलें : युवराज

नई दिल्ली ।पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने क्रिकेटरों को सलाह दी है कि वे मानसिक थकान से राहत पाने के लिए गोल्फ खेलने का भी आनंद लें।युवराज के अनुसार क्रिकेटरों को तनाव से बचने के लिए कम उम्र से ही गोल्फ खेलना चाहिए।युवराज ने कहा है कि उन्होंने संन्यास के बाद गोल्फ खेलना शुरु किया था।युवराज अब दूसरी इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) के ब्रांड एंबेसडर भी हैं।उनका कहना है कि क्रिकेटरों को अपने करियर के दौरान ही गोल्फ भी खेलना भी जारी रखना चाहिये।साथ ही कहा कि मुझे भी पहले ही गोल्फ खेलना शुरू कर देना चाहिए था, इससे मुझे क्रिकेट में भी सहायता मिलती।गोल्फ खेलने का फायदा ये होता है कि शरीर को आराम मिलने के साथ ही तनाव भी कम होता है।युवराज ने कहा, इसी कारण अधिकतर विदेशी क्रिकेटर शुरुआत से ही गोल्फ खेलते आ रहे हैं।युवराज ने कहा कि गोल्फ के बारे में माना जाता है कि ये बड़े लोगों का खेल है जो सही नहीं है।वास्तविकता है कि यह एक ऐसा खेल है जो सभी के लिए उपलब्ध है।उन्होंने कहा, हम गोल्फ को एक एलीट खेल के तौर पर देखते हैं पर हमें ये देखना चाहिये कि देश का हर बच्चा गोल्फ खेले।हम गोल्फ को स्कूलों तक ले जाने का प्रयास करेंगे। मेरा मानना ??है कि हर बच्चे को हर खेल आजमाना चाहिए।उन्होंने कहा, मुझे क्रिकेट हमारे देख में सबसे लोकप्रिय है पर गोल्फ भी एक मजेदार खेल है, जिसे हर किसी को आजमाना चाहिए। भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके एक खिलाड़ी के तौर पर मैं दूसरे खेलों में भी सहायता करना चाहता हूं।गोल्फ लीग इस खेल को और भी रोमांचक बनाएगी और इस खेल को बच्चों की पहुंच में लाने का प्रयास करेगी।हमें उम्मीद है कि ज्यादा बच्चे इस खेल को अपनाएंगे, इसे टीवी पर देखेंगे और इसे खेलने के लिए प्रेरित होंगे।

सऊदी प्रो लीग में चोट से वापसी पर रोनाल्डो ने दो गोल किए

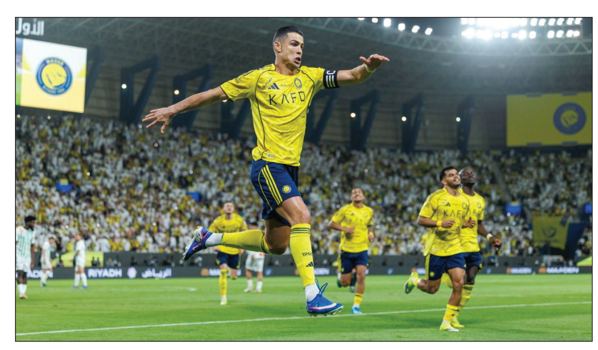

रियाद।क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक महीने की चोट के बाद वापसी करते हुए दो गोल किए, जिससे अल-नासर ने सऊदी प्रो लीग में सबसे नीचे चल रही टीम अल-नजमा को हरा दिया।41 साल के पुर्तगाली फॉरवर्ड ने दूसरे हाफ में दो गोल किए, जिससे इस सीजन में अपने क्लब के लिए उतने ही लीग मैचों में उनके कुल गोलों की संख्या 23 हो गई।रोनाल्डो को फरवरी के आखिर में हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी और पिछले महीने जब पता चला कि चोट शुरू में सोची गई चोट से ज़्यादा गंभीर है, तो वह इलाज के लिए स्पेन चले गए थे।रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर यूनाइटेड के इस पूर्व स्टार ने दो लीग मैच और पुर्तगाल के मेक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ होने वाले अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडली मैच नहीं खेले।अल-नजमा ने हैरानी भरी बढ़त बना ली, जबकि वह 27 लीग मैचों में सिर्फ़ एक बार ही जीत पाई थी।लेकिन लिवरपूल के पूर्व फॉरवर्ड सादियो माने और अब्दुल्ला अल हमदान ने पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में गोल करके अल-नासर को हाफ-टाइम तक बढ़त दिला दी।मेहमान टीम के बराबरी करने के बाद, रोनाल्डो ने 56वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर अपनी टीम की बढ़त फिर से कायम कर दी; इसके बाद उन्होंने और माने दोनों ने अपना दूसरा गोल करके जीत पक्की कर दी। अल-नासर की लगातार 13वीं लीग जीत ने तालिका में शीर्ष पर उसकी बढ़त को दूसरे स्थान पर काबिज़ अल-हिलाल से छह अंकों तक बढ़ा दिया है; अल-हिलाल शनिवार को अल-तावून के खिलाफ खेलेगा।

इस माह 24 अप्रैल से शुरु होगा थॉमस और उबर कप, लक्ष्य और सिंधु पुरुष और महिला टीम की कमान संभालेंगे

नई दिल्ली ।भारतीय बैडमिटंन स्टार लक्ष्य सेन इस माह होने वाले थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष टीम की कमान संभालेंगे।वहीं ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा उबर कप में महिला टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी।भारतीय बैडमिंटन संघ ने 24 अप्रैल से तीन मई तक डेनमार्क के होर्सेंस में होने वाले थॉमस और उबर कप के लिए लक्ष्य के अलावा, किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को टीम में बरकरार रखा है।वहीं युवा आयुष शेट्टी को को भी पहली बार टीम में जगह दी है।पुरुष टीम में एमआर अर्जुन ध्रुव कपिला और किरण जॉर्ज को भी जगह मिली है।वहीं उबर कप में सिंधु, शीर्ष युगल जोड़ी गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली भारती की ओर से पदक की प्रबल दावेदार रहेंगी।भारतीय टीम पिछली बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी पर इस बार उसका लक्ष्य और बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा।उन्नति हुडा के साथ देविका सिहाग, इशारानी बरुआ और किशोरी तन्वी शर्मा जैसी युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी टीम में रहेंगी।भारतीय बैडमिंटन संघ के अनुसार खिलाड़ियों का चयन 10 मार्च तक की बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग के आधार पर किया गया है, जिसमें शीर्ष पांच एकल खिलाड़ी और शीर्ष दो युगल जोड़ियां शामिल हैं।टीम संयोजन को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है।

आईपीएल 2026: सीएसके की गेंदबाजी पर गावस्कर की चिंता, बोले- 230 रन भी नहीं होंगे सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने चेन्नई सुपर किंग्स की मौजूदा हालत पर चिंता जताते हुए कहा है कि टीम की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी गेंदबाजी बनती जा रही है। आईपीएल 2026 में शुरुआती दोनों मुकाबले हारने के बाद सीएसके दबाव में है, जिसमें पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार भी शामिल है।

गावस्कर ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए साफ है कि सीएसके को अपनी गेंदबाजी पर तुरंत काम करना होगा। उनके मुताबिक, मौजूदा टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी इतनी मजबूत हो चुकी है कि सिर्फ 200 या 210 रन बनाना काफी नहीं है। उन्होंने कहा कि सीएसके को मैच जीतने के लिए लगातार 225 से 230 रन के बड़े स्कोर बनाने पड़ सकते हैं, तभी गेंदबाजों को थोड़ा सहारा मिलेगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि आज की टीमों में बल्लेबाजी की गहराई काफी बढ़ गई है। पंजाब किंग्स जैसी टीम में सातवें नंबर पर मार्कस स्टोइनिस जैसे विस्फोटक बल्लेबाज मौजूद हैं, जिससे लक्ष्य का बचाव करना और भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में सीएसके को अपनी गेंदबाजी इकाई को मजबूत करना ही होगा।

इस बीच, युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे की गावस्कर ने जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि म्हात्रे के लिए बल्लेबाजी क्रम में तीसरा स्थान सबसे उपयुक्त नजर आता है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले मैच में पहली ही गेंद पर आउट होने के बावजूद युवा खिलाड़ी ने आत्मविश्वास नहीं खोया और शानदार वापसी की। गावस्कर के अनुसार, नई पीढ़ी के खिलाड़ियों की यही खासियत है कि वे अतीत को पीछे छोड़कर वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करते हैं। गावस्कर ने रोहित शर्मा की फिटनेस में आए बदलाव की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि रोहित ने अपनी शारीरिक स्थिति पर कड़ी मेहनत की है, जिसका असर उनके खेल में साफ दिखाई दे रहा है। उनका फुटवर्क पहले से तेज हुआ है और ऊर्जा भी ज्यादा नजर आ रही है, जिससे वे क्रीज पर ज्यादा समय बिता पा रहे हैं।

वहीं, भारत के एक अन्य अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने पंजाब के युवा खिलाड़ी प्रियांश आर्य की विस्फोटक पारी की सराहना की। पुजारा ने कहा कि प्रियांश गेंद की लेंथ को बहुत जल्दी समझ लेते हैं और खासकर शॉर्ट गेंदों पर आक्रामक शॉट खेलने में माहिर हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि ऐसे बल्लेबाजों के सामने गेंदबाजों के लिए गलती की गुंजाइश बेहद कम रह जाती है। कुल मिलाकर, विशेषज्ञों का मानना है कि अगर चेन्नई सुपर किंग्स को टूर्नामेंट में वापसी करनी है, तो उसे अपनी गेंदबाजी में जल्द सुधार करना होगा, वरना आगे की राह और मुश्किल हो सकती है।

सोशल मीडिया के दबाव में मत आइए

मुंबई एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर दिखने वाले परफेक्ट बॉडी स्टैंडर्ड्स पर अपनी बात रखते हुए बताया है कि किस तरह से सोशल मिडीया का दखल व्यक्तिगत जीवन में बढ़ गया है।

कुब्रा ने लोगों को सलाह भी दी है कि इन चीजों के लिए सोशल मीडिया को दोष देने के बजाय खुद के अंदर झांकना चाहिए। इस विषय में कुब्रा कहती हैं, 'असली समस्या सोशल मीडिया नहीं, बल्कि हमारी अपनी असुरक्षाएं हैं। अगर इंसान का आत्मविश्वास मजबूत हो, तो बाहर की चीजें उसे ज्यादा प्रभावित नहीं कर सकती।' इसके अलावा उन्होंने अपनी बात करते बताया कि वे खुद को फिट रखने पर ध्यान देती हैं, लेकिन किसी तरह के बदलाव का सहारा नहीं लेतीं। हालांकि, वह यह भी मानती हैं कि हर किसी की अपनी पसंद होती है और ऐसे में हर किसी को चाहिए कि वे दूसरों को जज न करें। कुब्रा कहती हैं, 'हर किसी की अपनी जर्नी होती है, अपनी पसंद होती है, इसलिए दूसरों को जज करने या उनसे खुद की तुलना करने की बजाय अपनी लाइफ और अपने सफर पर ध्यान दें।' इन सबके अलावा अपने करियर के बारे में बात करते हुए कुब्रा ने यह भी बताया कि मेहनत और अनुशासन उनके लिए बहुत जरूरी रहे हैं। हालांकि मुंबई आना उनके लिए एक बड़ा टर्निंग पॉइंट था, जिससे उन्हें अपने सपनों को पूरा करने का मौका मिला।

कॉकटेल 2 मे मेरा किरदार दर्शकों को हैरान कर देगा

कृति सेनन, शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म कॉकटेल 2 सिनेमाघरों में रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। वहीं हाल ही में कृति ने अभी तक के अपने सबसे हॉट किरदार के बारे में बताया। अभिनेत्री का कहना है कि उनका यह रोल दर्शकों को हैरान कर देगा।

एक खबर के अनुसार, हाल ही में कृति सेनन ने बताया कि 'कॉकटेल 2' में उनका नया लुक दर्शकों को हैरान कर देगा। कृति ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं 'कॉकटेल 2' पहले से काफी अलग दिख रही हूं। यह शायद अब तक का मेरा सबसे हॉट किरदार है।' कृति ने फिल्म 'कॉकटेल 2' के डायरेक्टर होमी अदजानिया की तारीफ करते हुए कहा, 'होमी की सौंदर्य समझ बहुत अच्छी है और वह स्वभाव से बहुत कूल हैं। उन्होंने मेरे अंदर एक ऐसा कूल पहलू निकाला है, जिसके बारे में मुझे खुद भी नहीं पता था।'

कृति ने क्यों की 'कॉकटेल 2'

कृति ने यह भी बताया कि उन्होंने 'कॉकटेल 2' का ऑफर क्यों स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि उनकी पिछली फिल्म 'तेरे इश्क में' बहुत भावुक थी। इसलिए उन्हें कुछ हल्का-फुल्का और मजेदार काम चाहिए था। जब 'कॉकटेल 2' का ऑफर आया तो उन्होंने तुरंत हां कर दी। उन्होंने कहा, 'बस यही वो जगह है, जहां मैं रहना चाहती हूं।' कृति ने आगे कहा कि वह अलग-अलग तरह के किरदार निभाना पसंद करती हैं। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित यह फिल्म 19 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह एक आधुनिक लव ट्रायंगल है, जो दोस्ती और रिश्तों की जटिलताओं को दर्शाता है।

सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। काफी समय से सोशल मीडिया पर सलमान की दिल राजू के साथ फिल्म को लेकर चर्चा हो रही थी। आज सलमान ने खुद अपने पोस्ट के जरिए इसकी पुष्टि कर दी है।

दिल राजू के साथ अगली फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे सलमान

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए तेलुगु निर्देशक और निर्माता के साथ काम करने जा रहे हैं। अभिनेता ने आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा इंस्टाग्राम पर की है। आगामी फिल्म के लिए सलमान निर्देशक वामसी पेडिपल्ली के साथ काम करेंगे। इस फिल्म के निर्माता दिल राजू होंगे।

सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर निर्देशक वामसी पेडिपल्ली के साथ अपनी एक खास तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ सलमान ने लिखा, 'दिल, दिमाग और जिगर से इस अप्रैल से वामसी और दिल राजू के साथ। इस प्रोजेक्ट की शूटिंग अप्रैल में शुरू होने वाली है।

वामसी पेडिपल्ली को तेलुगु और तमिल सिनेमा में कई सफल फिल्मों के निर्देशन के लिए जाना जाता है। उनकी फिल्मोग्राफी में प्रभास (मुन्ना), एनटीआर (बृंदावनम), राम चरण और अल्लू अर्जुन (येवडु), नागार्जुन और कार्थी (ओपिरी), महेश बाबू (महर्षि), और विजय (वारिसु) जैसे सितारों के साथ कई फिल्में बनाई हैं।

'मातृभूमि' में नजर आएंगे सलमान खान

दिल राजू की फिल्म करने से पहले सलमान 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' में नजर आएंगे। अभिनेता प्रशांत तमांग के निधन के कारण इसकी रिलीज डेट टाल दी गई है। पहले इसे 17 अप्रैल 2026 को रिलीज किया जाना था, लेकिन अब यह फिल्म 15 अगस्त 2026 या उसके आसपास रिलीज हो सकती है।

पूरी तरह रियल फिल्में बनाना चाहता हूं

एक्टर अक्षय कुमार और प्रियदर्शन 'भूत बंगला' से एक बार फिर हॉरर-कॉमेडी जॉनर में वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म के जरिए उनकी और अक्षय कुमार की हिट जोड़ी 14 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी को तैयार है। फिल्म को लेकर काफी बज बना हुआ है और दर्शक बेसब्री से इसका इंतजार कर रहे हैं, लेकिन इस बीच अक्षय कुमार ने अपने एक्शन फिल्मों में सीन के शूटिंग को लेकर बड़ा बयान दिया है।

अक्षय कुमार ने कहा कि आजकल एक्शन फिल्मों को बनाने का तरीका पूरी तरह बदल गया है। पहले जहां एक्शन सीन असली होते थे, वहीं अब ज्यादातर काम वीएफएक्स के जरिए किया जाता है। उनके मुताबिक, इसमें मजा नहीं आता क्योंकि यह नकली लगता है। अक्षय ने कहा, 'मैं ऐसी फिल्म बनाना चाहता हूं जो पूरी तरह रियल हो।' अक्षय, जो कराटे, ताइक्वांडो और कूडो जैसी मार्शल आर्ट्स में ट्रेंड हैं, उन्होंने कहा, 'अगर मैं कूद रहा हूं तो सच में कूद रहा हूं, वीएफएक्स का इस्तेमाल नहीं कर रहा। अगर मैं किक मार रहा हूं तो खुद मार रहा हूं, ऐसा नहीं कि 15 लोग मिलकर किसी को किक मारने में मदद कर रहे हों।'उन्होंने आगे कहा, 'मैं बिना वीएफएक्स के एक एक्शन फिल्म बनाना चाहता हूं। मैं ये बात एआई के दौर में कह रहा हूं, लोग जो सोचें सोचें, लेकिन मैं ऐसी फिल्म बनाना चाहता हूं जिसमें असली एक्शन हो। दर्शक खुद महसूस कर सकें कि इसमें कितनी मेहनत लगी है, ना कि एआई या कंप्यूटर की मदद से किया गया काम।' बता दें कि भूत बंगला 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसे प्रियदर्शन डायरेक्ट कर रहे हैं।

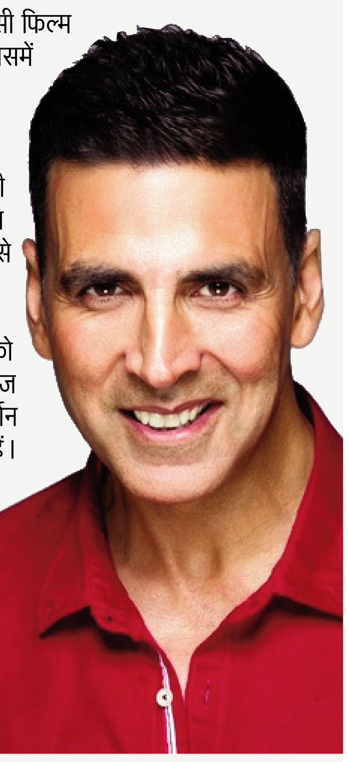

बॉलीवुड में काम करने पर क्या बोले नागा चैतन्य?

आमिर के साथ किया था हिंदी फिल्मों में डेब्यू

साउथ के अभिनेता नागा चैतन्य अपनी अपकमिंग फिल्म 'वृषकर्मा' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने साउथ के अलावा आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' (2022) में भी काम किया है। हाल ही में उन्होंने बताया कि अपनी पहली हिंदी फिल्म के बाद उन्होंने कोई दूसरी हिंदी फिल्म क्यों साइन नहीं की। एक्टर का यह बेबाक जवाब तब आया है जब फैंस लगातार उनसे बॉलीवुड से उनकी गैरमौजूदगी के बारे में सवाल कर रहे हैं।

क्या हिंदी में काम करना चाहते हैं अभिनेता?

हिंदी सिनेमा में काम करने को लेकर उन्होंने कहा 'इसका कोई खास कारण नहीं है। यकीनन, मैं नए मौकों के लिए तैयार हूं। बस उस फिल्म के बाद, मैं यहां (साउथ) के प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा था। उनमें मेरा काफी समय और मेहनत लगी। इसलिए, मैं हिंदी फिल्मों में काम करने के मौके का इंतजार कर रहा हूं। अपनी पूरी ऊर्जा के साथ वहां फिर से कुछ खास करने की उम्मीद कर रहा हूं।' प्रेरित करने वाली हो फिल्म नागा चैतन्य ने आगे कहा 'अब भाषा कोई रुकावट नहीं रही, दर्शक अलग-अलग भाषाओं की हर तरह की फिल्में देखते हैं। मैं हिंदी फिल्म करने के लिए तैयार हूं, लेकिन वह कुछ ऐसी होनी चाहिए जो मुझे प्रेरित करे। वह कुछ नई होनी चाहिए, जिसमें मुझे उन फिल्ममेकर्स के साथ काम करने का मौका मिले, जिन्हें मैं सच में पसंद करता हूं।'

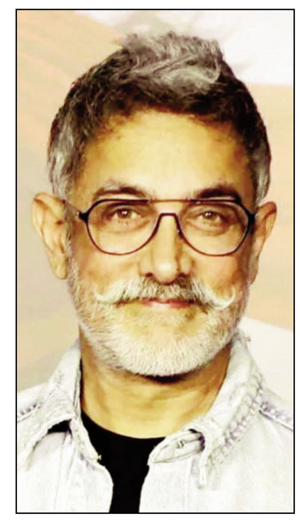

बॉलीवुड के बारे में क्या बोले अभिनेता?

लाल सिंह चड्ढा के बारे में बात करते हुए नागा चैतन्य ने कहा 'मुझे उस फिल्म की शूटिंग में बहुत मजा आया। मैंने बहुत कुछ सीखा। वहां के लोग बहुत ही मिलनसार थे। उन्होंने मेरा बहुत अच्छे से ख्याल रखा। इसलिए, मेरा यह अनुभव शानदार था। बॉक्स ऑफिस पर कुछ फिल्मों में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। इस फिल्म के नतीजों ने मेरी सोच में किसी भी तरह का कोई बदलाव नहीं किया है।' नागा चैतन्य आखिरी बार फिल्म 'तंडेल' में नजर आए थे। अगली बार अभिनेता फिल्म 'वृषकर्मा' में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म इसी साल रिलीज होगी।

ओटीटी ने अभिनेत्रियों की मेहनत को दर्शकों तक पहुंचाया

दिव्या दत्ता ने अपने अभिनय का जादू कुछ इस कदर लोगों के जहन में छोड़ा है कि उनका नाम ही उनकी मेहनत को बयां कर देता है। वीर ज़ारा, दिल्ली 6, भाग मिल्खा भाग जैसी फिल्मों नज़र आईं दिव्या हाल ही में इंटरनैशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ दिल्ली में शिरकत करने पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने ओटीटी में महिलाओं की भूमिका पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे ओटीटी ने अभिनेत्रियों की मेहनत को दर्शकों तक पहुंचाया है।

एक लंबा दौर रहा है जब कोई फिल्म रिलीज होती थी, तो लोग पूछते थे कि ऐक्टर कौन है। इस वजह से हिराइनों के किरदार की अहमियत ढक जाती थी। लेकिन ओटीटी पर महिला प्रधान सीरीज और फिल्में काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। ओटीटी पर आने से क्या अब उन कलाकारों को एक संजीवनी में है, जो हीरो की साख में कहीं खो जाते थे? नवभारत टाइम्स के इस सवाल पर दिव्या कहती हैं, 'मुझे लगता है कि ओटीटी आज सबको मौका दे रहा है। पहले इंडस्ट्री में कास्टिंग डायरेक्टर का कॉन्सेप्ट नहीं होता था। उस समय होता यह था कि तू भी आजा, वो भी आ जाए। एक ही किरदार आपको हर जगह दिखता था, ये ही कॉमिडी करेंगे, ये ही विलन होंगे, ये ही हीरो होंगे, लेकिन हिरोइनें बदल जाती थीं।'

टीवी एक्टर्स के लिए अच्छा समय

दिव्या ने आगे कहा, 'एक समय था जब लोग कहते थे कि टीवी के कलाकार फिल्मों में नहीं आ सकते और जो छोटे रोल करते हैं वो बड़े रोल नहीं कर सकते। अब वो लाइन खत्म हो गई है। अब अगर आप अच्छे हैं और आप उस रोल को सूट करते हैं तो आप हैं। और यह ऐक्टर के साथ बहुत ही बेहतरीन बात हुई है। इसका क्रेडिट में दर्शकों को दूंगी।'

लंबे करियर के बीच काम से ब्रेक लेना कितना जरूरी है, इस पर दिव्या कहती हैं, 'आपको काम से ब्रेक लेने की जरूरत पड़ती ही है। एक समय ऐसा भी आया था, जब मैंने पांच महीने का ब्रेक लिया था। क्योंकि कभी-कभी काम का बोझ इतना ज्यादा हो जाता है कि आपको आराम की जरूरत महसूस होती है। उस समय हर कोई मुझसे पूछता था कि क्या मैं अपने घर पर ठीक हूं? लोग कहते थे कि मुझे बाहर निकलना चाहिए, लोगों से मिलना-जुलना चाहिए। लेकिन जब आपकी कोई फिल्म रिलीज होती है और वह फिल्म अच्छी होती है, तो सारी चिंताएं दूर हो जाती हैं।'

ओटीटी कॉन्टेंट स्टार्स नहीं कहानी की जरूरत देखता है

ओटीटी पर आज बड़े स्टार्स से लेकर नए कलाकार तक नज़र आते हैं। लेकिन दिव्या का कहना है कि ओटीटी लोकतांत्रिक प्लेटफॉर्म है, यहां जो जिस काबिल है, उसे वो ही मिलता है, चाहे कितना भी बड़ा स्टार हो। वह कहती हैं, 'आज कई लोग कहते हैं, धुरंधर आई है तो उसका एक्शन तो हम बड़े पर्दे पर ही देखेंगे। लेकिन सब फिल्में उतनी अच्छी नहीं चलतीं, उन्हें उतना वक्त नहीं मिलता है। जैसे होता था कि फलाना हीरो होगा या हिरोइन होगी तो ही फिल्म पर्दे पर लगेगी, ओटीटी पर ऐसी कोई सीमा नहीं है। ओटीटी पर आप स्टार्स को भी देखेंगे लेकिन उन रोल में जो उन्हें सूट करते हैं। अगर जबरदस्ती का कोई किरदार उन्हें दिया जाता है तो उन्हें पसंद नहीं करते हैं। यह एक बहुत लोकतांत्रित प्लेटफॉर्म है। चाहे आप नए हों या जाने-माने ऐक्टर हों या कोई बड़े स्टार हों, अगर आप उस शो में हैं तो इसलिए हैं क्योंकि आप उस रोल से जुड़े हुए हो। वरना दर्शक निर्णय करते हैं कि फलाना शो नहीं देखते हैं और आपको पता चल जाता है कि उन्होंने किसको नकारा है।'

लेटेस्ट ट्रेंड के हिसाब से सजाएं बच्चों का कमरा

घर सजाने में भले ही कम समय लगता हो लेकिन बच्चे का कमरा डैकोरेट करते समय बहुत कुछ सोचना पड़ता है। छोटे बच्चे शरारती होते है इसलिए उनके कमरे को उनकी आदतों के अनुसार ही सजाना पड़ता है। कमरे की डैकोरेशन ऐसी होनी चाहिए जिसमे वह आसानी से छोटे-छोटे खेलों को खेल सके इसके अवाला बेड की ऊंचाई भी ध्यान में रखनी चाहिए ताकि बच्चे आराम से अपने कमरे में रह सकें। आज हम आपको बच्चों के कमरे के लेटेस्ट डिजाइन दिखाएंगे जो कि अरामदायक और देखने में खूबसूरत है। अगर आप भी बच्चों के कमरे की डैकोरेशन को लेकर परेशान हैं तो यहां से आइडिया ले सकते हैं।

अगर आपका बच्चा थोड़ा चंचल स्वभाव का है तो इस तरह से कमरे को सजा सकते हैं। बैड के इर्द- गिर्द बच्चे के पसंदीदा रंग के पर्दे लगाएं। इसके साथ ही बेड पर खिलौने भी रख सकते हैं। इस तरह से सजा कमरा बच्चे को बेहद पसंद आएगा।

कुछ बच्चे बेहद शांत स्वभाव के होते हैं। उनके लिए सिंपल तरके से सजा कमरा बैस्ट ऑप्शन है। अगर आपके घर में दो बच्चे हैं तो दोनों के एक ही कमरे में अलग- अलग बेड दें ताकि उनको सोने में परेशानी न हो।

लाल, नीला और पीले रंग का कॉम्बिनेशन बच्चों को बेदह प्यारा लगता है। आप डबलबेड भी बच्चों के कमरे में लगा सकते हैं। मगर ध्यान रहें की बड़े बच्चे को ऊपर और छोटे को नीचे सोने को कहें।

बच्चे को कमरे को अलग रूप देने के लिए इस तरह के फनी रंगो से सजाएं। अगर आप चाहें तो इस पर कोई अच्छी सी चित्रकारी भी करवा सकती हैं।

जिन बच्चो को जंगली जानवर अच्छे लगते हैं उनके लिए आप जू ट्रिप थीम वाला कमरा सजा सकती हैं। इस तरह से डैकोरेट रूम बच्चे को बेहद अच्छा लगेगा।

बच्चे के कमरो को खिलौने से इस तरह से सजा सकती हैं। कमरे में इस तरह रखे खिलौने देखे में बेहद प्यारे लगेगें।

आजकल 3D आर्ट डेकोर स्टाइल बहुत चलन में है। बच्चों को भी कमरे की इस तरह की सजावट बेहद अच्छी लगती है।

याद रखें ये छोटे-छोटे नुस्खे बच्चे से हर समस्या रहेगी दूर

भले ही आप बच्चे की परवरिश में कोई कसर न छोड़ें, लेकिन लाख सावधानियां बरतने के बाद भी कोई न कोई गलती हो ही जाती है। बच्चों की परवरिश करना आसान काम नहीं है क्योंकि बच्चे बेहद नाजुक और संवेदनशील होते हैं। बदलते मौसम में उन्हें सर्दी, खांसी और त्वचा संबंधी कई प्रॉबल्म भी हो सकती है। ऐसे में उन्हें खास केयर की जरूरत होती है, ताकि उन्हें इन परेशानियों से बचा कर रखा जा सकें।

अक्सर छोटे बच्चे बीमार होते है तो सबसे ज्यादा मां टेंशन में पढ़ जाती है, उनकी सेहत सुधारने में लगी रहती है, लेकिन जरूरी नहीं है कि छोटी-छोटी बीमारियों के लिए बच्चों को डॉक्टर के पास ले जाया जाए, बल्कि आप कुछ छोटे-छोटे नुस्खे इस्तेमाल करके भी बच्चे को इन परेशानियों से बचाए रख सकते है। आज हम आपको बच्चों की सेहत दुरुस्त रखने के कुछ टिप्स बताएंगे, जो हर मां को पता होने चाहिए।

शरीर में खुजली

अगर बच्चे की शरीर में खुजली हो रही है तो उसके नहाने के पानी में ओट्स मिला दें। यह उन बच्चों के लिए भी काफी मददगार है, जिन्हें चिकनपॉक्स की समस्या रहती है। खुजली से राहत मिलती है।

सर्दी भगाएं हल्दी-दूध

बच्चों को जल्दी सर्दी लग जाती है। ऐसे में उसे दूध में हल्दी मिलाकर पिलाएं। इससे बच्चों को काफी राहत मिलेगी।

हिचकी आने पर चीनी

जब बच्चे की हिचकियां रूकने का नाम ही नहीं लेती तो मां अक्सर चिंता में पड़ जाती है। इस तरह की परेशानी में परेशान न हो बल्कि बच्चे को एक चम्मच चीनी खिला दें। चीनी खाने से डायफरग्राम की मांसपेशियों को राहत मिलती है और हिचकी रुक जाती है।

गले में खराश

अगर बच्चे के गले में खराश और दर्द है तो उसे 1 चम्मच शहद चटाएं। इससे गले की खराश पैदा करने वाले कीटाणुओं को संमाप्त होते है और यह स्वाद में मीठा होने के कारण बच्चों को पसंद भी बेहद आता है।

पाचन क्रिया दुरुस्त

अगर बच्चे का हाजमा खराब है तो भी बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बच्चों को नींबू चटाएं, इससे दस्त की समस्या दूर रहेगी क्योंकि नींबू में साल्विया के निर्माण में कमी आती है और दस्त में आराम मिलता है।

बचपन में ही बच्चे को सिखाएं बचत की अहमियत

आपको पैसे की कमी हो या न हो बच्चों को पैसे की अहमियत समझानी बहुत जरूरी बात है ताकि आगे जाकर उन्हें अपनी जिंदगी में फाइनेशियल प्रॉब्लम न आएं। उन्हें पैसे की बचत करने की आदत डालनी चाहिए। आप उन्हें यह आदत अपनी मेहनत की बातें बता कर भी डाल सकते हैं। पढ़ाने-लिखाने के साथ उन्हें यह समझाना बहुत जरूरी है कि पैसा कमाने के लिए कितनी मेहनत करनी पड़ती है। ये बातें उन्हें बचपन से ही सिखानी चाहिए ताकि आपको भविष्य में उनकी कोई परेशानी न हो। बचत की आदत से उनकी जिंदगी परफैक्ट हो सकती हैं। वह अपने हर सपने का पूरा कर सकते हैं। आइए जानिए आप उन्हें किन बातों द्वारा बचत की आदत डाल सकते हैं।

अपनी मेहनत करने की बातें बताएं

बच्चों को बचत की आदत डालने के लिए उन्हें यह बताना बहुत जरूरी होता कि पैसा किस तरह से मेहनत करके कमाया जाता है। आप उन्हें यह जरूर बताएं कि आप किस तरह मेहनत करके एक-एक पैसा जोड़ते हैं। इसके लिए उन्हें शुरू से मेहनत करने की आदत डालें। उनसे घर के छोटे-छोटे काम करवाएं। इस तरह उन्हें भी मेहनत करने की आदत पड़ेगी और पैसे की अहमियत समझ आएगी।

पॉकेट मनी से बचत करें

बच्चों को पॉकेट मनी से बचत करने की आदत डालें। इस आदत के लिए उन्हें यह लालच दें कि बचाए हुए पैसे से वह अपनी मनपसंद की चीज खरीद सकते हैं या फिर कभी जरूरत पड़ने पर खर्च कर सकते हैं।

जरूरत और चाहत में फर्क बताएं

बचत करने की आदत डालने के लिए बच्चों को जरूरत और चाहत में फर्क बताना बहुत जरूरी है। उन्हें यह बताए कि जरूरत के अनुसार ही किसी भी चीज को खरीदें। चाहत तो बहुत कुछ पाने की होती है। उन्हें पैसे देकर अकेले खरीददारी करने के लिए भेजे और देखें कि वह किस तरह जरूरत के अनुसार चीजें खरीदते हैं, अगर वह कोई एक्सट्रा चीज खरीदते हैं तो उसे डांटने की बजाय समझाएं।

बचत से हेल्प करनी सिखाएं

बचत करने की आदत बच्चे में स्वार्थ की भावना भी पैदा कर सकती है इसलिए उसे जमा किए पैसे से किसी भी जरूरतमंद की मदद करनी सिखाएं। आपको जरूरत हो या न हो शुरू से ही उनसे कभी-कभी अपने लिए मदद लें।

गिफ्ट दें

बच्चों को उनके बचाएं पैसे से उनके पसंदीदा गिफ्ट लाकर दें, जिसे देख कर वह खुश हो जाएंगे और उन्हें बचत करने की आदत पड़ेगी।

बच्चों की डाइट में शामिल करें ये जूस, दिमाग होगा तेज

मां- बाप यही चाहते हैं कि उनका बच्चा पढ़ने में होशियार हो ताकि वह दुनिया के साथ कदम से कदम मिलकार चल सके। आजकल तो वैसे भी फाइनल एग्जाम चल रहें। मां- बाप इस समय बच्चों की डाइट का खास ध्यान रखते हैं ताकि उनको अच्छे से अच्छे नंबर मिलें। मगर कई बार बच्चा कोशिश करने के बाद भी पेपर के समय सब कुछ भूल जाता है। अगर आप भी चाहती हैं कि बच्चे का दिमाग तेज हो और वह अच्छे नंबरों के साथ पास हो तो उनको डाइट में ये ड्रिंक जरूर शामिल करें। इनको पीने से कुछ दिनों में बच्चे कि स्मरण शक्ति बढ़ जाएगी।

अनार का जूस

अनार में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते है जो ब्रेन सेल्स को खराब होने से बचाता है।

अगर आपका बच्चा पढ़ाई लिखाई में थोड़ा सा कमजोर है तो रोजाना उसको अनार का जूस पीने को दें। लगातार अनार का जूस पीने से कुछ दिनों में आपको अपने बच्चे में फर्क दिखाई देने लेगा।

बादाम शेक

बादाम में प्रोटीन काफी मात्रा में होता है जो ब्रेन की ग्रोथ बढ़ाने में फायदेमंद होता है। रोजाना ये शेक पीने से बच्चे का दिमाग तेज होने के साथ ही उसका पेट भी सही रहता है।

एलोवेरा जूस

इसमें विटामिन B6 बहुत ज्यादा पाया जाता है। इसको पीने से यादाशत तेजी से बढ़ती है। ये पीने में टेस्टी नहीं होता मगर बच्चे के दिमाग के लिए बेस्ट टॉनिक होता है। अगर आपका बच्चे को उसका स्वाद पसंद नही आता तो आप अमरूद के जूस में एलोवेरा मिलाकर दे सकते हैं।

ग्रीन टी

ग्रीन टी पॉलीफेनॉल्स का गुण होता है जो दिमाग को शार्प करने के साथ ही इसको फ्रेश रखने का काम भी करता है।

संतरे का जूस

संतरे में फ्लेवोनाइट्स होते है जो दिमाग को एक्टिव रखता है। एक गिलास संतरा का जूस पीने से बच्चा को पूरा दिन उत्साह के साथ गुजरेगा।

चुकंदर का जूस

चुकंदर का जूस पीने से ब्लड सर्कुलेशन तेजी से होने लगता है। यह जूस दिमाग को तेज करने के साथ ही डेमेंशिया यानी मेमोरी लौस से भी बचाता है।

टमाटर का जूस

टमाटर में विटामिन डी, सी और ए की अच्छी मात्रा पाई जाती है। यह जूस त्वचा में निखार लाने के साथ ही दिमाग भी तेज करता है।

नारियल पानी

गर्मियों के मौसम में नारियल पानी से पूरा शरीर तरोताजा रहता है। मगर बहुत कम लोगों को पता होगा कि इसको रोजाना पीने से दिमाग तेज होने के साथ ही एकाग्रता भी बढ़ती है।